राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 वंदे मातरम पर बोले शशि थरूर- गाने के लिए मजबूर मत कीजिए..........

सुपर 8 से पहले टीम इंडिया की चिंता.......... 11

वर्ष : 16 | अंक : 287 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,52,099
चांदी	2,92,200
सेंसेक्स	84,233
निफ्टी	25,953

संक्षिप्त खबरें

संजय झील इलाके में युवक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली: पूर्वी दिल्ली के संजय झील इलाके में गुरुवार को युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक का शव खून से लथपथ हालत में बरामद हुआ, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान लोको चौधरी के रूप में हुई है, जो पूर्वी दिल्ली के शशि गार्डन इलाके का रहने वाला था। जानकारी के मुताबिक वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। मृतक की पत्नी के अनुसार घटना से पहले लोको को उसके एक परिचित ने फोन कर बाहर बुलाया था। परिजनों का आरोप है कि उसी शख्स ने किसी रंजिश या साजिश के तहत चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कई एयरलाइंस की ऑनलाइन चेक-इन पौने घंटे बंद, यात्री परेशान

नई दिल्ली। दुनिया भर में कई एयरलाइंस की ऑनलाइन चेक-इन गुरुवार सुबह करीब 45 मिनट के लिए बंद रही जिससे हवाई अड्डों पर चेक-इन के लिए यात्रियों को लंबी कतारों का सामना करना पड़ा। एमेडस आईटी समूह की कंपनी नेविटेयर का सर्वर डाउन होने से यह समस्या आयी थी। दुनिया में कई बड़ी एयरलाइंस अपनी ऑनलाइन बुकिंग और चेक-इन के लिए नेविटेयर के प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करती हैं। भारतीय समय के अनुसार, यह समस्या सुबह 6.45 पर शुरू हुई थी और 7.28 तक जारी रही। इससे नेविटेयर के प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाली एयरलाइंस के यात्री ऑनलाइन चेक-इन नहीं कर पाये।

एआई कंपनियों, भारतीय नवोन्मेषकों का संकल्प समावेशी एवं जिम्मेदार एआई को बढ़ावा देना: वैष्णव

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी अग्रणी कंपनियों और भारत के नवोन्मेषकों ने नई दिल्ली फ्रंटियर एआई इम्पैक्ट कमिटमेंट्स के तहत रोजगार सहित विभिन्न नीतिगत मुद्दों के समर्थन में वास्तविक दुनिया में एआई के उपयोग की समझ बढ़ाने तथा बहुभाषी और संदर्भ-आधारित मूल्यांकन को मजबूत करने का संकल्प किया है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों की घोषणा करते बृहस्पतिवार को हुए कहा कि नई दिल्ली फ्रंटियर एआई इम्पैक्ट कमिटमेंट्स के तहत अग्रणी एआई कंपनियां और भारत के नवोन्मेषक जैसे सर्वम, भारतजन, यानी और सोकेट एक साझा दृष्टिकोण के साथ स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं के समूह पर सहमत हुए हैं जो समावेशी एवं जिम्मेदार एआई को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा, यह पहल एआई के काम करने के तरीके पर ग्लोबल साउथ नीत

दृष्टिकोण के निर्माण में भारत को अग्रणी बनाएगी जो नवाचार को समानता एवं वास्तविक प्रभाव के साथ संतुलित करती है। मंत्री ने बताया कि इस संकल्प के तहत कंपनियों ने दो महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं की हैं। पहली, वास्तविक दुनिया में एआई के उपयोग की समझ को बढ़ाना। इसके लिए गुमनाम एवं समेकित आंकड़ों के आधार पर रोजगार, कौशल व आर्थिक बदलाव जैसे विषयों पर साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण का समर्थन किया जाएगा। वहीं दूसरी प्रतिबद्धता है, एआई प्रणालियों के बहुभाषी व संदर्भ-आधारित मूल्यांकन को मजबूत करना, ताकि एआई विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों एवं वास्तविक उपयोग परिदृश्यों में प्रभावी ढंग से काम कर सके, खासकर ग्लोबल साउथ (विकासशील) देशों में। वैष्णव ने कहा कि ये प्रयास मिलकर ऐसे एआई के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं जो केवल शक्तिशाली ही नहीं बल्कि समावेशी, विकासोन्मुखी और वैश्विक रूप से प्रासंगिक भी हो।

उपराज्यपाल और सीएम ने 25 नई अटल कैंटीनों का किया शुभारंभ

अटल कैंटीन से प्रवासी मजदूरों और छात्रों को मिल रहा बड़ा सहारा: उपराज्यपाल

- सीएम रेखा गुप्ता ने कहा: दिल्ली में अब कुल 71 अटल कैंटीन, जल्द 100 का लक्ष्य
- अंत्योदय के संकल्प को जमीन पर उतार रही है दिल्ली सरकार: आशीष सूद

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राजधानी में 25 नई अटल कैंटीनों की शुरूआत की। कृष्णा नगर की नर्सरी बस्ती से डिजिटल माध्यम से इन कैंटीनों का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही दिल्ली में अटल कैंटीनों की कुल संख्या बढ़कर 71 हो गई है। उद्घाटन के बाद उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने कैंटीन में बैठकर आम लोगों के साथ भोजन किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि 25 नई अटल कैंटीन शुरू होने से दिल्ली में इनकी संख्या 71 हो गई है। यह योजना गरीबों और जरूरतमंदों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अटल

कैंटीन मेहनतकश और जरूरतमंद लोगों को 5 रुपये में सम्मानजनक व पौष्टिक भोजन देने की पहल है। योजना पारदर्शिता के साथ संचालित हो रही है और यह सरकार के गरीबों के कल्याण व समावेशी विकास के संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता और स्वाद में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, कृष्णा नगर के विधायक डॉ. अनिल गोयल सहित वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) द्वारा संचालित ये कैंटीनें विशेष रूप से श्रमिक वर्ग और जरूरतमंद नागरिकों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराएंगी। इस अवसर पर उप राज्यपाल वी. के. सक्सेना ने कहा कि यह दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण दिन है। 25 नई अटल कैंटीन शुरू होने के बाद अब राजधानी में कुल 71 अटल कैंटीन अलग-अलग जगहों पर चल रही हैं। यहां लोगों को कम कीमत पर साफ और पौष्टिक भोजन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि यह पहल पिछले साल 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री ह्यभारत रत्नह्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर शुरू की गई थी। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, प्रवासी मजदूरों, बाहर से पढ़ने आए छात्रों, रिक्शा चालकों, सफाई कर्मचारियों, घरेलू सहायकों और मजदूरों के लिए बहुत मददगार साबित हो रही है। उप राज्यपाल ने कहा कि दिल्ली सरकार हर थाली पर 25 रुपये की सब्सिडी दे रही है ताकि जरूरतमंद लोगों को सम्मान के साथ खाना मिल सके। कैंटीनों में खाने की गुणवत्ता पर नियमित नजर रखी जाती है और साफ-सफाई व पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी टीम को इस पहल के लिए बधाई दी और कहा कि इस योजना को आगे भी इसी तरह सफलतापूर्वक चलाया जाना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अटल कैंटीन उन लोगों के लिए हैं, जो प्रतिदिन कठिन परिश्रम करते हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें सस्ती कीमत पर सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन मिले। यह योजना केवल खाना देने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीबों, मजदूरों, रेहड़ी-पटरी वालों, निर्माण श्रमिकों और रिक्शा चालकों के जीवन में सम्मान और सुरक्षा का एहसास भी देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ह्यसबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासह्न के सिद्धांत पर काम कर रही है ताकि कोई भी भूखा न

एआई में पारदर्शिता जरूरी, बने सबके हित और सुख का साधन: प्रधानमंत्री

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एआई शिखर सम्मेलन में विश्व के समक्ष भारत का सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय का बेंचमार्क प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि एआई को कुछ देश और कंपनियां रणनीति के तौर पर इस्तेमाल करने की सोच रही हैं। भारत का मानना है कि एआई के लिए पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा, हमें आज यह संकल्प करना चाहिए कि एआई को वैश्विक भलाई (ग्लोबल कॉम गुड) के रूप में विकसित किया जाएगा। दुनिया के 20 देशों के नेताओं और 45 देशों के मंत्रियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने एआई से जुड़ा मानव विजन प्रस्तुत किया। मानव विजन का अर्थ है एम (मोरल एंड एथिकल सिस्टम), ए (अकाउंटेबल गवर्नेंस) एन (नेशनल सॉवरेन्टी) ए (एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिव) वी (वैलिड एंड लेजिटीमेट)। प्रधानमंत्री ने वर्तमान में सामने आई एआई चुनौतियों जैसे डीप फेक का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार खाने के सामानों पर उसके अंदर उपयुक्त सामग्री का लेबल होता है, इसी तरह डिजिटल दुनिया में भी लेबलिंग बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने एआई को मानव इतिहास का आज तक का सबसे परिवर्तनकारी नवाचार बताया और कहा कि इसकी तेजी और स्तर, अब तक हुए सभी नवाचार से कहीं ज्यादा है। ऐसे में इसके विनाशकारी प्रभाव भी हो सकते हैं जिससे बचाना जरूरी है। ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें एआई को लोकतांत्रिक करने और इसे समावेशी और सशक्त बनाने का माध्यम बनाने पर जोर देना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस से मुलाकात कर द्विपक्षीय वार्ता की। यह मुलाकात एआई इम्पैक्ट समिट के इतर हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक एआई इम्पैक्ट समिट के इतर हुई इस वार्ता में दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के सफल निष्कर्ष का स्वागत किया। यह समझौता जनवरी 2026 में हुए 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में हुआ था। बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की गई। सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण में सहयोग पर चर्चा हुई। भविष्य की तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसमें ई-गवर्नेंस, साइबर सुरक्षा, स्टार्टअप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल हैं। शिक्षा और कौशल विकास में सहयोग की संभावनाओं पर भी बात हुई।

दिल्ली के तीन विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल से मिली

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कम से कम तीन विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी बृहस्पतिवार सुबह ईमेल के जरिए दी गई, जिसके बाद आपातकालीन एजेंसियों ने तुरंत विद्यालयों को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। डीएफएस अधिकारी ने बताया, ह्रहमें द्वारका स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल तथा पश्चिम एन्क्लेव स्थित डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल को बम की धमकी वाले ईमेल मिलने के बारे में जानकारी मिली। एहतियात के तौर पर दमकल की गाड़ियां और बचाव दल तुरंत संबंधित स्थानों पर भेजे गए। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस दल, बम निरोधक दस्ते, खोजी कुत्ते और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को विद्यालयों में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर, स्कूल प्रशासन ने तलाशी अभियान के दौरान छात्रों और कर्मचारियों को परिसर से बाहर निकाल दिया। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और परिसर की व्यापक तलाशी ली जा रही है। पुलिस ने बताया कि साइबर टीम को सतर्क कर दिया गया है और ईमेल कहां से भेजा गया था, इसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ईमेल के स्रोत और प्रामाणिकता का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। हम यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या इस तरह की धमकियां अन्य संस्थानों को भी भेजी गई हैं।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की याचिका पर 9 मार्च को सुनवाई करेगा दिल्ली हाईकोर्ट

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत अन्य के खिलाफ ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट 9 मार्च को अगली सुनवाई करेगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को मामले में गांधी परिवार और दूसरों को जवाब फाइल करने के लिए समय दिया। इसके साथ ही, 9 मार्च को सुनवाई के लिए ईडी की याचिका को लिस्ट कर दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आरोपी पक्ष को और समय दिए जाने पर आपत्ति जताई। मेहता ने कहा कि उन्हें दो महीने पहले नोटिस दिया गया था। 22 दिसंबर 2025 को, हाईकोर्ट ने गांधी परिवार और अन्य को मुख्य पिटीशन के साथ-साथ ईडी की उस याचिका पर भी नोटिस जारी किया था, जिसमें 16 दिसंबर के ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगाने की मांग की गई थी। इस मामले में ईडी ने चार्जशीट खारिज करने के निचली अदालत के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और दूसरों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

डेटा स्वायत्त, नियम पारदर्शी और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो एआई : प्रधानमंत्री

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई एम्पैक्ट शिखरवार्ता में गुरुवार को वैश्विक नेताओं के समक्ष एआई के नैतिक उपयोग को लकेर तीन सुझाव दिए। इसमें डेटा स्वायत्तता, पारदर्शी नियम और मानवीय मूल्य शामिल रहे। विश्व नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन के दौरान पूर्ण सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शुरूआती वक्तव्य में विश्वास जताया कि यह सम्मेलन वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर इस डिसरप्शन को मानवता के

सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है। नैतिक उपयोग के समुझों पर उन्होंने कहा कि डाटा के मालिकाना हक को सम्मान मिलना चाहिए। एआई ट्रेनिंग के लिए एक डाटा फ्रेमवर्क बनाना चाहिए। डाटा सुरक्षित संतुलित विश्वसनीय होना चाहिए। इसलिए ग्लोबल ट्रस्टेड डाटा फ्रेमवर्क जरूरी है। उन्होंने कहा कि एआई प्लेटफार्म अपने सेफ्टी रूल्स बहुत क्लियर और ट्रांसपेरेंट रखें। हमें ब्लैक बॉक्स के बदले ग्लास बॉक्स अप्रोच चाहिए। जहां सेफ्टी रूल्स देखें और वेरीफाई किए जा सके तब अकाउंटेबिलिटी भी क्लियर होगी और बिजनेस में एथिकल बिहेवियर को भी बूस्ट मिलेगा। एआई रिसर्च में पेपर क्लिप प्रॉब्लम का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई को क्लियर ह्यूमन वैल्यूस और गाइडेंस की जरूरत है। टेक्नोलॉजी पावरफुल है लेकिन डायरेक्शन हमेशा मानव ही तय करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई में नैतिक व्यवहार का दायरा बहुत बड़ा है। ऐसे में एआई के लिए हमें एथिकल बिहेवियर और नॉर्म्स का दायरा भी असीमित बनाना होगा।

पिचाई ने कहा कि सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण..................

एआई में तेजी से प्रगति करने वाला युग लाने की क्षमता है: गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने बृहस्पतिवार को कृत्रिम मेधा (एआई) को तीव्र प्रगति के युग की शुरूआत करने वाली प्रौद्योगिकी करार दिया जिसमें नई वैज्ञानिक खोजों को संभव बनाने एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं को विकास के पारंपरिक चरणों को पार करने में मदद करने की क्षमता है। उन्होंने साथ ही कहा कि कृत्रिम मेधा जितना किसी भी प्रौद्योगिकी ने उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित नहीं किया। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को संबोधित करते हुए गूगल एवं अल्फाबेट के सीईओ ने एआई के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की, इसे हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा बदलाव बताया और सरकारों, कंपनियों एवं संस्थानों से इस प्रौद्योगिकी को साहसपूर्वक एवं जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा वैश्विक बदलाव है। हम तीव्र प्रगति और नई खोजों के मुहाने पर हैं जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं को पुरानी कमियों को दूर करने में मदद कर सकती हैं। हालांकि यह परिणाम न तो निश्चित है और न ही स्वचालित। ऐसी एआई

बनाने के लिए जो वास्तव में सभी के लिए उपयोगी हो, हमें साहसपूर्वक प्रयास करना होगा, जिम्मेदारी से काम लेना होगा और इस निर्णायक क्षण में मिलकर काम करना होगा। पिचाई ने कहा कि गूगल भारत में अपने पहले से घोषित 15 अरब अमेरिकी डॉलर के अवसंरचना निवेश के तहत आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक पूर्ण-स्तरीय एआई केंद्र स्थापित कर रहा है। इस सुविधा में गीगावाट स्तर की कंप्यूटिंग क्षमता और एक नया अंतरराष्ट्रीय सब सी केबल गेटवे होगा, जिसका उद्देश्य पूरे देश में रोजगार और एआई तक पहुंच का विस्तार करना है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी से अविश्वसनीय लाभ मिलते हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी को इनका लाभ मिले। हम डिजिटल विभाजन को एआई विभाजन में बदलने नहीं दे सकते। इसका मतलब है कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और संपर्क में निवेश करना। उन्होंने विशाखापट्टनम में किए गए निवेश के साथ-साथ थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों में किए गए निवेश का भी उदाहरण दिया। पिचाई ने कहा कि एआई निस्संदेह कार्यबल को नया रूप देगा, कुछ भूमिकाओं को स्वचालित करेगा, कुछ को विकसित करेगा और पूरी तरह से नए रोजगर के अवसरों का सृजन करेगा। 20 साल पहले, पेशेवर यूट्यूब क्रिएटर की अवधारणा मौजूद नहीं थी और आज दुनिया भर में लाखों क्रिएटर हैं। उन्होंने गूगल डीपमाइंड द्वारा विकसित अल्फाफोल्ड जैसी एआई की अभूतपूर्व प्रगति का उल्लेख किया जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने प्रोटीन संरचना अनुसंधान के दशकों को एक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ह्यडेटाबेसह्न में सीमित कर दिया है जिसका उपयोग दुनिया भर के लाखों शोधकर्ता करते हैं। प्रौद्योगिकी अपनाने में भरोसे को आधार बताते हुए पिचाई ने सरकार, कंपनियों और नवोन्मेषकों सहित सभी हितधारकों से मिलकर काम करने का आह्वान किया, ताकि कृत्रिम मेधा के पूर्ण लाभ हासिल किए जा सकें।

समुद्री डकैती, आतंकवाद, साइबर समस्या बड़ी चुनौतियां, अकेले कोई नौसेना सामना करने में अक्षम : राजनाथ सिंह

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को विशाखापत्तनम में आयोजित नौसेना के अभ्यास मिलन 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि आज समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, साइबर कमजोरियां और जरूरी आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं वैश्विक समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों की आवश्यकता अधिक बार और व्यापक रूप से पड़ रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एक नौसेना, चाहे वह कितनी भी सक्षम क्यों न हो, इन सभी चुनौतियों का अकेले सामना नहीं कर सकती। इसलिए नौसेनाओं के बीच सहयोग

अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। इस वर्ष 74 देशों की भागीदारी के साथ मिलन 2026 अब तक का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी आयोजन बन गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक समुद्री समुदाय भारत को एक भरोसेमंद और जिम्मेदार समुद्री भागीदार के रूप में देखता है। आज की विशिष्ट जिम्मेदारियां अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपेक्षा करती हैं कि वह परस्पर सम्मान की भावना से मिलकर चुनौतियों का समाधान करे। उन्होंने कहा कि जब विभिन्न देशों के युद्धपोत साथ-साथ समुद्र में चलते हैं, जब नाविक एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं, और जब कमांडर सामूहिक विचार-विमर्श करते हैं, तब भौगोलिक और राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर साझा समझ विकसित होती है। मिलन जैसे मंच पेशेवर विशेषज्ञता को एक साथ लाते हैं, आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं, संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता बढ़ाते हैं, और साझा चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया देने में मदद करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिलन इस साझा भावना को व्यवहार में उतारने का सशक्त माध्यम है। सभी भागीदार देशों के प्रयासों से यह क्षेत्रीय स्तर की पहल से आगे बढ़कर विश्व के प्रमुख बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यासों में शामिल हो चुका है। यह भारत की सबसे विश्वसनीय तथा निरंतर चलने वाली समुद्री पहलों में से एक बन गया है।

संचार राज्य मंत्री ने यूके के संसदीय अवर सचिव संग की द्विपक्षीय बैठक

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान बुधवार को संचार राज्य मंत्री डॉ पेम्मासानी चंद्रशेखर ने डाक भवन में यूनाइटेड किंगडम के कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं ऑनलाइन सुरक्षा के संसदीय अवर सचिव कनिष्क नारायण के साथ द्विपक्षीय बैठक की। यह बैठक भारत-यूके के 2030 रोडमैप तथा यूके-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) के तहत दूरसंचार, डिजिटल नवाचार तथा उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-यूके सहयोग की बढ़ती गहराई की पुनः पुष्टि करती है। चर्चा के दौरान राज्य मंत्री ने जोर दिया कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दूरसंचार के भविष्य का केंद्रीय तत्व मानता है। उन्होंने कहा कि भारत के पैमाने को यूनाइटेड किंगडम की अनुसंधान क्षमताओं के साथ जोड़कर एआई-नेटिव नेटवर्क्स, ओपन आरएएन तथा 6जी में वैश्विक मानकों को आकार दिया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मंडी में दुकानों का बढ़ाया गया किराया

काशीपुर, एजेंसी। मंडी समिति परिसर में स्थित आढ़तियों की दुकानों के किराए में वृद्धि की गई है। प्रत्येक पांच साल में दुकानों के किराए में 20 फीसदी की वृद्धि की जाती है। समिति में अनाज, फल, सब्जी के आढ़तियों की 60 से 70 दुकानें है। मंडी समिति के सचिव योगेश तिवारी ने बताया कि मंडी समिति में दुकानों के किराए में वृद्धि की गई है। यह किराया वृद्धि उन दुकानदारों की गई है जिनकी दुकान पर पांच साल पहले किराया वृद्धि हुई थी। मंडी में दुकानों को किराया एक हजार रुपये से 3500 रुपये तक हैं। बताया कि मंडी की आय को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। मंडी समिति में किसान बाजार बनाया जा रहा है, जो तीन से चार माह में बनकर तैयार हो जाएगा। किसान बाजार से मंडी की आय में वृद्धि होगी, वहीं किसानों को भी बाजार में हर प्रकार की वस्तुएं मिलेंगी।

जर्जर बिजली पोल टूटने से लाइनमैन घायल, हायर सेंटर रेफर

अल्मोड़ा, एजेंसी। चौखुटिया क्षेत्र में जर्जर बिजली पोल अचानक बीच से टूट गया। पोल पर चढ़कर कार्य कर रहा लाइनमैन नीचे गिर गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया विकासखंड के सिमलखेत के नवाण में जर्जर विद्युत पोल अचानक बीच से टूट गया। पोल पर चढ़कर कार्य कर रहा लाइनमैन नीचे गिर गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उप जिला चिकित्सालय चौखुटिया पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेस अस्पताल अल्मोड़ा रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर यूपीसीएल के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। सोमवार को सिमलखेत के नवाण गांव की विद्युत लाइन में फॉल्ट के कारण गांव में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई थी। इसकी सूचना पर विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची। लाइनमैन चंदन जोशी पोल पर चढ़कर फॉल्ट दुरुस्त करने के लिए तार खींच रहे थे। इस दौरान पोल मध्य जॉइंट अचानक टूट गया। पोल टूटते ही चंदन जोशी का संतुलन बिगड़ गया और पोल के साथ ही जमीन पर गिरे पड़े। इस दौरान उनके कमर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आ गई। मौके पर मौजूद अन्य साथियों ने ग्रामीणों की मदद से घायल को निजी वाहन से उप जिला चिकित्सालय चौखुटिया पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों ने अंदरूनी चोट की आशंका को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर बेस अस्पताल अल्मोड़ा रेफर कर दिया। यूपीसीएल के अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी।

ग्रामीणों ने कटखने बंदरों से जल्द निजात दिलाने की उठाई मांग

अल्मोड़ा, एजेंसी। स्याल्दे विकासखंड के चंपानगर, भाकूडा, ग्वाली, नगरगांव में कटखने बंदरों लोगों की परेशानी का सबब बन चुके हैं। बंदर अब तक कई लोगों को काटकर घायल कर भी कर चुके हैं। बंदरों के खौफ के चलते अभिभावक भी अपने बच्चों को स्कूल भेजने से भी कतराने लगे हैं। हालात ये हैं कि बंदर झुंड में लोगों के खेतों तक पहुंचकर उनकी फसलों का बर्बाद कर रहा है। बंदर व्यापारियों की दुकानों में धावा बोलकर फल, सब्जियों सहित दूसरे खाद्य सामग्री पर हाथ साफ कर उन्हें काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से बंदरों को आबादी क्षेत्र से दूर भेजने की मांग उठाई है। वन बीट अधिकारी शंकर सिंह बोरा ने बताया कि भोजन की तलाश में बंदर आबादी की तरफ रुख कर रहे हैं। शिकायत मिलने पर विभाग बंदरों को पकड़ने के लिए गांव में पिंजरे लगाएगा। ताकि लोगों को राहत पहुंच सके।

धूराफाट में पेयजल संकट, ठंड में झेलनी पड़ रही परेशानी

अल्मोड़ा, एजेंसी। व्यवस्था से नाराज धूराफाट किसान विकास संघर्ष समिति ने स्थिति में सुधार न होने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन ने दो टूक कहा कि गांवों की उपेक्षा अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रिची थापल पंपिंग पेयजल योजना से हिडाम, मुसोली, पुनोली, बलियाली और बयेडी गांव के 100 से अधिक परिवारों को पानी की आपूर्ति की जाती है लेकिन लंबे समय से अनियमित आपूर्ति के कारण ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि लोग दूर-दराज के प्राकृतिक स्त्रोतों से सिर पर पानी ढोने को मजबूर हैं। धूराफाट किसान विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष पूरन चंद्र पांडेय ने आरोप लगाया कि 2.86 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद योजना से पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे गंभीर लापरवाही बताया। संगठन ने चेतावनी दी है कि 16 फरवरी को जल निगम के रामनगर स्थित कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद भी समाधान न होने पर 22 फरवरी से हिडाम गांव में ग्रामीणों के साथ क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा।

पिटकुल के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे प्रकाश चंद्र ध्यानी की नियुक्ति रद्द, हाईकोर्ट का आदेश

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड हाईकोर्ट नैनीताल ने पिटकुल के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे प्रकाश चंद्र ध्यानी की नियुक्ति को निर्धारित नियमों के विपरीत बताते हुए रद्द कर दिया है. न्यायमूर्ति आशीष नैथानी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने बुधवार को इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया.

प्रकाश चंद्र ध्यानी का पिटकुल प्रबंध निदेशक पद पर अतिरिक्त प्रभार रद्दः मुख्य अभियंता राजीव गुप्ता और अन्य की ओर से दायर याचिका में 10 सितंबर 2022 को जारी सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें प्रकाश चंद्र ध्यानी को पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार का आदेश दिया गया था.

याचिकाकर्ताओं ने लगाए थे ये आरोपः याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था, कि नियमित चयन प्रक्रिया लंबित होने के कारण, यह पदभार सबसे वरिष्ठ पात्र अधिकारी को सौंपा जाना चाहिए था. उन्होंने दलील दी कि उत्तराखंड प्रबंध निदेशक एवं निदेशकों के चयन एवं नियुक्ति प्रक्रिया निर्धारण नियम, 2021 के नियम 9-ए के तहत इस पद के लिए इंजीनियरिंग स्नातक की योग्यता अनिवार्य है. ये योग्यता कथित तौर पर प्रकाश चंद्र ध्यानी के पास नहीं है.

याचिका स्वीकार करते हुए पीठ ने माना कि नियुक्ति में नियम 9-ए का उल्लंघन हुआ है. हाईकोर्ट ने कहा कि 2021 के नियमों में निर्धारित शैक्षणिक योग्यताएं तब तक अनिवार्य हैं, जब तक कानूनी रूप से वैध छूट न दी जाए. इस मामले में उत्तराखंड सरकार यह स्पष्ट रूप से साबित करने में विफल रही, कि नियम 9-ए के तहत छूट का उचित उपयोग किया गया था.

हाईकोर्ट ने अतिरिक्त प्रभार रद्द कियाः हाईकोर्ट नैनीताल ने पाया कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई ठोस या तर्कसंगत आधार नहीं है, जिससे यह सिद्ध हो सके कि किसी वैकल्पिक योग्यता को आवश्यक डिग्री के समकक्ष स्वीकार किया गया था. इसलिए नियुक्ति को कानूनी रूप से वैध नहीं माना जा सकता है.

आदेश में कहा गया है कि सरकार इस मामले पर पुनर्विचार करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन कोई भी नया निर्णय 2021 के नियमों के सख्त अनुपालन में होना चाहिए. इसमें कहा गया कि यदि दोबारा छूट दी जाती है, तो सरकार को वस्तुनिष्ठ और दस्तावेजी आधार प्रस्तुत करना होगा. इसके साथ ही स्पष्ट करना होगा, कि योग्यता की समतुल्यता कैसे निर्धारित की गई.

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने प्रतिवादी की योग्यता, नेतृत्व क्षमता या पद के लिए उपयुक्तता पर कोई टिप्पणी नहीं की है. फैसले में कहा गया कि नयी नियुक्ति होने तक उत्तराखंड सरकार कानून के अनुसार अंतरिम व्यवस्था कर सकती है.

कूड़ा वाहन की चपेट में आने से मासूम बच्ची की मौत चालक मौके से फरार, सदमे में परिवार

रामनगर, एजेंसी। बुधवार दोपहर रामनगर के ग्राम पूछड़ी बिहारी टप्पर क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया. घर के पास खेल रही 6 वर्षीय मासूम बालिका आलिया की कूड़ा वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया. जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार, आलिया अपने गांव के अन्य बच्चों के साथ घर के समीप खेल रही थी. इसी दौरान तेज गति से आया एक कूड़ा वाहन उसे टक्कर मारता हुआ निकल गया. प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि वाहन चालक नाबालिग था. लापरवाही से वाहन चला रहा था. हादसा इतना गंभीर था कि बालिका ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. बताया जा रहा है कि मृतका को उसकी नानी और मामा पाल रहे थे. घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे. ग्रामीणों ने भी घटना का विरोध करते हुए चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की. सूचना पर कोतवाल सुशील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. जब पुलिस शव को पोस्टमार्टम के

लिए अस्पताल ले जाने लगी तो परिजनों और ग्रामीणों ने इसका विरोध किया. कई लोग पुलिस वाहन के आगे खड़े हो गए. वाहन को जाने से रोक दिया. इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई. ग्रामीणों का कहना था कि पहले आरोपी चालक और वाहन को पकड़कर कार्रवाई की जाए. उसके बाद ही शव को ले जाया जाये. काफी समझाइश और मशक्कत के बाद पुलिस ने भीड़ के बीच से सरकारी वाहन निकालकर शव को अस्पताल पहुंचाया. कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि घटना में शामिल वाहन और चालक की तलाश की जा रही है.

पांखू में बेची शराब तो होगा सामाजिक बहिष्कार जुर्माना भी पड़ेगा भारी, शादी समारोह में भी बैन

बेरीनाग, एजेंसी। पिथौरागढ़ जिले के पांखू में शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ स्थानीय महिलाओं ने ही मोर्चा खोल दिया है. महिला मंगल दल ने साफ किया है कि यदि अवैध रूप से शराब की बिक्री करते हुई कोई पाया गया है तो उस पर 35 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा.

इसके अलावा महिलाओं ने कहा कि क्षेत्र में होने वाले शादी समारोह और धार्मिक स्थलों पर शराब का सेवन प्रतिबंधित किया जाएगा.

उनका कहना है कि मजदूरी करने वाले परिवार शराब का दंश झेल रहे हैं. इसके चलते परिवारों में आए दिन कलह और हिंसा हो रही है. साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति भी लगातार कमजोर हो रही है.

महिलाओं ने कहा कि शराब की लत से युवा पीढ़ी नशे की आदी होती जा रही है, जो समाज के लिए गंभीर समस्या है. इसी को लेकर बुधवार 18 फरवरी को पांखू के पंचायत घर में क्षेत्र की महिला मंगल दल, सामाजिक कार्यकर्ताओं और महिला जनप्रतिनिधियों ने बैठकी की. इस दौरान साफ किया गया है कि पांखू क्षेत्र में अवैध रूप से बिक रही शराब पर पूरी तरह के पाबंदी रहेगी. यदि कोई व्यक्ति वाहनों के माध्यम से शराब लाकर बेचेगा तो उसका भी समाजिक बहिष्कार किया जाएगा.

महिलाओं ने बताया कि थल और कोटमन्या से पांखू में अवैध रूप से शराब लाई जा रही है. आबकारी विभाग के साथ-साथ पुलिस को भी मामले की सूचना दी गई है, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. अब अंतिम चेतावनी के बाद भी क्षेत्र में शराब की अवैध बिक्री बंद न हुई तो वे ऐसे लोगों की पहचान कर उनका सामाजिक बहिष्कार करते किया जाएगा. साथ ही जुर्माना भी लगाया जाएगा.

बता दें कि इससे पहले ही भी उत्तराखंड कई गांवों में महिलाओं ने शराब के खिलाफ बड़े निर्णय लिए है, जहां शादी-पार्टियों में शराब पीना और पिलाना पूरी तरह से बंद है. क्षेत्र की महिलाओं का कहना है कि वो लंबे समय से नशे के खिलाफ अभियान चला रहे है. फिर भी कुछ लोग क्षेत्र में अवैध शराब बेच रहे है, जिससे इलाके का माहौल खराब हो रहा है. इसीलिए अब उन्होंने कुछ सख्त कदम उठाए है.

यमुना व दून घाटी में प्रस्तावित सड़क परियोजना में 7 हजार पेड़ कटान केस में सुनवाई, हाईकोर्ट ने इनसे मांगा

नैनीताल, एजेंसी। यमुना और दून घाटी में प्रस्तावित सड़क निर्माण परियोजना में लगभग 7 हजार पेड़ों के कटान से पर्यावरण, वन्यजीवों समेत प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर पड़ने वाले असर को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी, जैव विविधता बोर्ड, वन विभाग, राज्य सरकार समेत केंद्र सरकार से 3 हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है.

क्या है मामला दरअसल, देहरादून की समाजसेवी रेनू पाल ने नैनीताल हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर कहा है कि यमुना और दून घाटी में आशारोड़ी व झाझरा के बीच गतिमान ग्रीन प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण के लिए लगभग 7 हजार पेड़ों का कटान किया जाना प्रस्तावित है. याचिका में कहा गया है कि ग्रीन प्रोजेक्ट के तहत गतिमान सड़क निर्माण से पहले उत्तराखंड बायो डायवर्सिटी बोर्ड से कोई अनुमति नहीं ली गई है.

जीव जंतु के साथ पर्यावरण को खतराः याचिकाकर्ता का कहना है कि बड़ी संख्या में पेड़ों के कटान से

पर्यावरण के साथ ही वन्यजीवों पर इसका विपरीत असर पड़ेगा. क्योंकि, इन जंगलों में 300 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियां पाई जाती है. इसके अलावा हाथियों का बफर जोन होने के साथ ही आसन बैराज भी यहां पर है. जिसमें हर साल कई देशों से विभिन्न प्रजाति के पक्षी आते हैं.

कोर्ट ने इनसे मांगा जवाबः खास कर सर्दियों के मौसम में विदेशी प्रवासी पक्षी आते हैं. जिनका सुरक्षित और मुफीद आशियाना भी यहां पर है. ऐसे में इन पर खतरा मंडरा सकता है. वहीं, मामले को सुनने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से लेकर तमाम संबंधित विभाग और सरकार से जवाब तलब किया है. अब मामले की अगली सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी. मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई.

बेतालघाट कंबल वितरण भगदड़ मामला, पुलिस ने लिया एक्शन, आयोजकों पर मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी, एजेंसी। नैनीताल जिले के बेतालघाट मिनी स्टेडियम में कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ के मामले में पुलिस ने सख्त एक्शन ले लिया है. एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर आयोजकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि बिना प्रशासनिक अनुमति के आयोजित कार्यक्रम में भीड़ के बेकाबू होने से स्टेडियम की दीवार गिर गई थी. हादसे में 6 लोग घायल हो गए थे.

16 फरवरी 2026 को नैनीताल जिले के बेतालघाट स्थित मिनी स्टेडियम में 'बाबा हेल्प देम फाउंडेशन' द्वारा विधानसभा सम्मेलन 2027 कार्यक्रम आयोजित किया गया था. आरोप है कि मुख्य आयोजक शीलू कुमार और तारा भंडारी ने बिना सक्षम प्रशासनिक अनुमति के कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 6 हजार लोगों को आमंत्रित किया. कार्यक्रम में लोकगायन के साथ कंबल वितरण का कार्य किया जा रहा था, लेकिन स्टेडियम में भीड़ अधिक होने के अराजकता फैल गई. जिस कारण स्टेडियम में अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया. स्टेडियम में भीड़ ज्यादा होने से स्टेडियम की बाउंड्री दीवार दबाव नहीं झेल पाई और भरभरा कर गिर गई.

इस दौरान कई लोग इसकी चपेट में आने से घायल हो गए. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए राहत बचाव रेस्क्यू चलाकर आधा दर्जन घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया. उधर, आज क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी कुंदन कुमार बेतालघाट की तहरीर पर बेतालघाट पुलिस ने आयोजकों के खिलाफ लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत 125(क)(ख)/190/292 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है.प्रशासनिक अनुमति के कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 6 हजार लोगों को आमंत्रित किया. कार्यक्रम में लोकगायन के साथ कंबल वितरण का कार्य किया जा रहा था, लेकिन स्टेडियम में भीड़ अधिक होने के अराजकता फैल गई. जिस कारण स्टेडियम में अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया. स्टेडियम में भीड़ ज्यादा होने से स्टेडियम की बाउंड्री दीवार दबाव नहीं झेल पाई और भरभरा कर गिर गई.

एसएसपी मंजू नाथ टीसी ने बताया कि बेतालघाट स्टेडियम में कंबल वितरण के कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम में अराजकता का माहौल हो गया थ. जिस कारण स्टेडियम की दीवार गिर गई थी. कुछ लोग के घायल होने की सूचना मिली थी. जांच में पाया गया कि आयोजकों द्वारा कार्यक्रम के लिए किसी भी तरह की परमिशन नहीं ली गई थी. साथ ही भीड़ नियंत्रण और अन्य एहतियात नहीं बरते गए थे. तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है. उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े आयोजन से पूर्व सक्षम प्रशासनिक अधिकारी से कार्यक्रम की अनुमति लेना अनिवार्य है. साथ ही कार्यक्रम में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा मानकों का पालन करना आवश्यक है. अन्यथा आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

क्राइम कैपिटल बना रहा उत्तराखंड, हरीश रावत ने धामी सरकार को घेरा, त्रिवेंद्र के बयान पर भी दी प्रतिक्रिया

रामनगर, एजेंसी। उत्तराखंड में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बाद विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर हो रखा है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने एक बार फिर से सरकार पर निशाना साधा है. हरीश रावत ने रामनगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सरकार पर तीखा हमला बोला है.

हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्थिति बेहद चिंताजनक होती जा रही है. राजधानी देहरादून ही नहीं, बल्कि पूरा प्रदेश अपराध की चपेट में है. महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि, मानव तस्करी, नशाखोरी और भ्रष्टाचार जैसे मामलों ने राज्य की छवि को धूमिल किया है.

हरीश रावत ने दावा किया है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो (हृष्टक्रक्च) की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं से जुड़े अपराधों में उत्तराखंड शीर्ष राज्यों में गिना जा रहा है. अंकिता हत्याकांड का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है. महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. वहीं हरीश रावत ने पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जब भाजपा के वरिष्ठ नेता ही सरकार को कानून-व्यवस्था और खनन जैसे मुद्दों पर नसीहत दे रहे हैं, तो हालात की गंभीरता समझी जा सकती है. देहरादून में हाल में हुए विक्रम शर्मा हत्याकांड को लेकर भी हरीश रावत ने सवाल किया. उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज थे, उसे लाइसेंसी हथियार और व्यवसाय की अनुमति कैसे मिली. उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता से जुड़े कुछ लोग अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं, जिससे पुलिस प्रभावी कार्रवाई करने में असमर्थ हो रही है. वहीं हाल ही में लक्सर क्षेत्र में पुलिस हिरासत में अपराधी विनय त्यागी की भी गोली मारी गई थी. इस घटना को हरीश रावत ने संगठित अपराध का बताया है. वहीं खनन के मुद्दे पर हरीश रावत ने प्रदेश की नदियों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है और खनन माफिया नए-नए रास्ते बनाकर संसाधनों की लूट में लगे हैं. हरीश रावत का कहना है कि अपराध से धन कमाने वालों के लिए उत्तराखंड स्वर्ग बनता जा रहा है. अवैध नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताते हुए रावत ने कहा कि सूखे नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है. प्रदेश उड़ता पंजाब की तर्ज पर उड़ता उत्तराखंड बनता जा रहा है.

कपिल मिश्रा ने किया अटल कैंटीन का शुभारंभ

प्रधानमंत्री के संकल्प कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए, को साकार कर रही है दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा, पर्यटन और श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने गुरुवार को करावल नगर विधानसभा क्षेत्र के चौहान पट्टी बस टर्मिनल पर अटल कैंटीन का शुभारंभ किया। श्रम मंत्री ने जरुरतमंदों को थाली परोसी और उनके साथ भोजन कर उसकी गुणवत्ता भी परखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प ह्यकोई भी व्यक्ति भूखा न सोएह्व की दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में यह योजना चलाई जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि दिल्ली में 25 नई अटल कैंटीन का शुभारंभ हुआ है और अब तक 71 अटल कैंटीन शुरू हो चुकी हैं। यह अटल कैंटीन गरीब, श्रमिक और जरूरतमंद वर्ग को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराएगी। इसका उद्देश्य गरीब एवं वंचित वर्ग को भरपेट भोजन के साथ पोषण उपलब्ध कराना भी है। यहां बैठने की उचित व्यवस्था है और टोकन व बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। श्रम मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ दिल्लीवासियों को नहीं मिल पाया। अब आयुष्मान आरोग्य योजना से अस्पतालों में निःशुल्क इलाज के अलावा घर के नजदीक ही आरोग्य मंदिरों में निःशुल्क इलाज, जांच और दवा की सुविधा मिल रही है। कपिल मिश्रा ने कहा कि करावल नगर में दो आयुष्मान मंदिर पहले ही शुरू हो चुके हैं। नये आरोग्य मंदिर और अटल कैंटीन भगत सिंह कॉलोनी, खजूरी, सोनिया विहार ब्लॉक ए, मुकुंद विहार एवं अंकुर एन्क्लेव में शुरू करने की योजना है। कपिल मिश्रा ने कहा कि जनहित में नये मास्टर प्लान में करावल नगर के क्षेत्रों को ओ-जोन से बाहर लाने की योजना है। इससे क्षेत्र के विकास और लोगों का जीवन स्तर बेहतर करने में मदद मिलेगी। कपिल मिश्रा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में यमुनापार क्षेत्र में विकास का बुरा हाल रहा। ट्रांस यमुना क्षेत्र विकास बोर्ड जैसे महत्वपूर्ण विभागों का काम पूरी तरह से ठप पड़ा रहा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार के पहले ही साल में 728 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उपहार यमुना पार क्षेत्रों को दिया है। साथ ही दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के जरिये 1000 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे हैं। करावल नगर में भी सीएम विकास निधि, विधायक निधि और अनधिकृत कॉलोनियों के विकास के लिए मिली निधि से पहले ही साल में 300 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। कपिल मिश्रा ने कहा कि जितना विकास पिछली सरकार में मुख्यमंत्री की विधानसभा में भी नहीं हुआ, उतना विकास मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में अब दिल्ली की हर विधानसभा में होगा। कपिल मिश्रा ने कहा कि सभी सरकारी स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड से पढ़ाई होगी। साथ ही विधायक निधि से स्कूलों में आधुनिक खेल सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं, जिससे छात्रों में फिटनेस और खेलों में करियर को लेकर जागरुकता बढ़े। श्रम मंत्री ने कहा कि सोनिया विहार में इस समय सीवर का काम तेजी से चल रहा है। हमारा प्रयास है कि इसे 7-8 महीनों में पूरा किया जाए। सीवर डालने के बाद जो गलियां टूटी हुई हैं या कच्ची हैं, उन्हें पुनः बनाया जाएगा। सभापुर का सीवर भी स्वीकृत हो चुका है। सीवर व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि भविष्य में घर नीचे नहीं बैठेंगे, यह वर्षों पुरानी समस्या समाप्त हो जाएगी। करावल नगर और खजूरी में जहां सीवर पहले डाला गया था लेकिन चालू नहीं हुआ,उसकी सफाई का काम शुरू हो चुका है।

रमजान के महीने में दिल्ली के अंदर बंद हों शराब की दुकानें, एआईएमआईएम नेता ने की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के नेता शोएब जमई ने मांग की है कि रमजान के महीने में दिल्ली के अंदर सभी शराब की दुकानों को बंद किया जाना चाहिए। एआईएमआईएम की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष शोएब जमई ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारी दिल्ली सरकार से अपील है कि रमजान के पवित्र महीने में दिल्ली के अंदर सभी शराब की दुकानों को बंद किया जाए। सार्वजनिक जगहों पर शराब की बिक्री एवं खपत की पाबंदी लगाई जाए। जब आप सावन के महीने में नॉन वेज की दुकान बंद कराकर सम्मान चाहते हैं तो हमारे पवित्र महीने में भी आपको सम्मान करना चाहिए। बता दें कि गुरुवार से रमजान का महीना शुरू हो रहा है। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद से शाही इमाम सैयद शाबान बुखारी ने पिछले दिन घोषणा की। रमजान के महीने में मुसलमान सुबह से शाम तक रोजा रखते हैं और नमाज पढ़ते हैं। यह महीना रहमत (दया), मगफिरत (माफी) और नजात (मोक्ष) का महीना माना जाता है। रमजान के दौरान मुस्लिम समुदाय में इफ्तार और सहरी की परंपरा विशेष रूप से देखी जाती है। लोग गरीबों को दान देते हैं, तरावीह की नमाज अदा करते हैं और कुरान की खतम करते हैं। इस महीने में चैरिटी और सामाजिक सद्भाव पर जोर दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों को रमजान की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, रमजान मुबारक। यह महीना हमारे समाज में एकता की भावना को और बढ़ाए। हर जगह शांति और खुशहाली हो। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रमजान पर बधाई दी है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, रमजान मुबारक। यह महीना सभी के लिए शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

शिवाजी महाराज वीर योद्धा ही नहीं, उत्कृष्ट प्रशासक और जननायक थे : सत्या शर्मा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर आज दिल्ली नगर निगम ने शिवाजी पार्क, जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित प्रतिमा स्थल पर समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में निगम की स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्या शर्मा मुख्य अतिथि तथा निगम के अधिकारी, स्थानीय पार्षद एवं स्थानीय नागरिक थे। स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्या शर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और सुशासन के आदर्शों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज केवल एक वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट प्रशासक और जननायक थे। उन्होंने सुशासन, साहस और राष्ट्र सम्मान की जो मिसाल स्थापित की, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

एक साल दिल्ली बेहाल, याद आ रहे केजरीवाल होर्डिंग से डरी भाजपा सरकार : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली । दिल्ली में भले ही भाजपा की सरकार है, लेकिन उसे अरविंद केजरीवाल के नाम से डर लगता है। इसी डर के चलते भाजपा सरकार ने दिल्ली में ह्यएक साल दिल्ली बेहाल, याद आ रहे केजरीवालह्व की लगी करीब 150 होर्डिंग को फाड़ दिया है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कनॉट प्लेस में लगी होर्डिंग और फाड़ी गई होर्डिंग की फोटो सोशल मीडिया पर साझा कर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आप ने रेखा गुप्ता सरकार के एक साल पूरे होने वेंडर को पैसे देकर वैध होर्डिंग लगाई थी, लेकिन भाजपा के अंदर अरविंद केजरीवाल का इतना खौंफ है कि वेंडर्स को अरविंद केजरीवाल की लगी होर्डिंग को नहीं हटाने पर उन्हें ब्लैकस्टि में डालने की धमकी दे रही है। गुरुवार को ह्लआपह्व मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह होर्डिंग इसलिए बर्दाश्त नहीं हो रही है, क्योंकि यह सच है और भाजपा को सच चुभ रहा है। इस होर्डिंग पर जो बात लिखी है, वह हर दिल्ली वाले की जुबान पर है। रेखा गुप्ता कितनी ही नौटंकी कर लें, कितने ही मोहल्ला क्लीनिक को पोतकर आरोग्य मंदिर बना दें, कितने ही स्कूलों के ऊपर से बाबा साहब अंबेडकर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का नाम हटाकर सीएम श्री रख लें, या कितने ही एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन पर पानी छिड़क लें, मगर दिल्ली वाले अरविंद केजरीवाल को ही याद कर रहे हैं। यह बात सच है और रेखा गुप्ता में यह तिलमिलाहट, झुंझलाहट और खौफ आज दिखाई दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को अब अरविंद केजरीवाल के नाम से भी डर लगने लगा है। वैसे तो सीएम रेखा गुप्ता अपनी हर सभा में अरविंद केजरीवाल और आप सरकार का नाम जरूर लेती हैं। एक साल बाद भी केजरीवाल शब्द से भाजपा को बहुत डर लग रहा है। मामला यह है कि आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में एक होर्डिंग लगाई है। उस होर्डिंग में लिखा है कि एक साल, दिल्ली बेहाल, याद आ रहे केजरीवाल। इसमें आम आदमी पार्टी ने भाजपा के बारे में कोई बात नहीं की। न ही उसमें रेखा गुप्ता या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो लगाई है। सौरभ भारद्वाज ने याद दिलाया कि भाजपा, आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ हर रोज भद्दे होर्डिंग लगाकर मीडिया को भेजती थी कि सुबह जाकर उसे कवर कर लें। वे इंडिया गेट, कनॉट प्लेस और सेंट्रल दिल्ली के अंदर बाकायदा अवैध होर्डिंग लगाते थे। रोज भद्दे, घटिया और गाली-गलौज वाले होर्डिंग लगाने वाली भाजपा को आज यह साधारण होर्डिंग भी बर्दाश्त नहीं हो रही कि एक साल, दिल्ली बेहाल, याद आ रहे केजरीवाल। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली के अलग-अलग इलाकों जैसे कनॉट प्लेस, साउथ दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली, ईस्ट दिल्ली, नॉर्थ दिल्ली और एनडीएमसी के तमाम इलाकों में आम आदमी पार्टी ने वैध होर्डिंग लगवाए थे। ये अवैध नहीं, बल्कि पूर्णतः वैध होर्डिंग थे। बुधवार को एमसीडी और एनडीएमसी के वेंडर्स को बाकायदा पैसे देकर वैध स्थलों पर ये होर्डिंग लगवाए गए थे। लेकिन आज अगर जाकर देखें, तो हर जगह एमसीडी और एनडीएमसी के लोग इन होर्डिंग को फाड़ रहे हैं। वेंडर्स को अलग-अलग फोन नंबरों से धमकियां दी जा रही हैं कि अगर उन्होंने होर्डिंग नहीं हटाए तो उन्हें दिल्ली सरकार का काम नहीं दिया जाएगा, या उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इतनी गुंडागर्दी और डर यह दिखाता है कि रेखा गुप्ता के लिए अरविंद केजरीवाल नाम ही काफी है। अभी तो वे मैदान में उतरे ही नहीं हैं और प्रेस वार्ता करने भी नहीं आते, फिर भी उनसे इतना डर है। भाजपा सरकार द्वारा हर तरीके से जनता और विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि आज सुबह हमने एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिसमें दिखाया गया था कि कनॉट प्लेस के अंदर एक होर्डिंग लगा हुआ है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर नगर निगम ने किया समारोह का आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर गुरुवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शिवाजी पार्क, जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित प्रतिमा स्थल पर एक समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्या शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सत्या शर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और सुशासन के आदर्शों को स्मरण किया। स्थायी समिति अध्यक्षा सत्या शर्मा ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट प्रशासक और जननायक थे। उन्होंने सुशासन, साहस और राष्ट्रसम्मान की जो मिसाल स्थापित की, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए जनता की सेवा और पारदर्शी प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर निगम के अधिकारी, पार्षद एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

जामिया ने जामिया प्रेस का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अपनी हाई-क्वालिटी किताबों, रिसर्च और पब्लिसिटी मटीरियल की एकेडमिक पब्लिशिंग को बढ़ावा देने और इंस्टीट्यूशनल ऑटोनॉमी और एग्जामिनेशन से जुड़े काम की कॉन्फिडेंशियलिटी की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने यूनिवर्सिटी के कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन (सीईओई) ऑफिस में ह्यजामिया प्रेसह्ल नाम से अपना प्रिंटिंग प्रेस डेवलप किया है। इस फैसिलिटी का उद्घाटन जेएमआई के वाइस-चांसलर, प्रो. मजहर आसिफ, और जेएमआई के रजिस्ट्रार, प्रो. मो. महताब आलम रिजवी ने कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन, प्रो. एहतेशामुल हक की मौजूदगी में किया। अपने स्वागत संबोधन में सीओई प्रो. हक ने वाइस चांसलर की डायनामिक लीडरशिप और रजिस्ट्रार के लगातार गाइडेंस की तारीफ की, जिसके नतीजे में यूनिवर्सिटी ने एकेडमिक इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और इंस्टीट्यूशनल रेप्युटेशन में जबरदस्त ग्रोथ देखी है। प्रो. हक ने कहा कि उनकी दूर की सोच और कमिटमेंट जामिया को लर्निंग और रिसर्च का एक सेंटर बना रहा है। कॉन्फिडेंशियल एग्जामिनेशन मटीरियल, एकेडमिक पब्लिकेशन, ऑफिशियल डॉक्यूमेंट, प्रॉस्पेक्टस, रिपोर्ट और रिसर्च आउटपुट की बढ़ती हुई मात्रा को प्रिंट करने की जरूरतों को पूरा करने के लिए जामिया प्रेस बनाने की बहुत जरूरत थी। इन सभी वजहों से हमारे लिए एक सुरक्षित, कुशल और आत्मनिर्भर प्रिंटिंग सिस्टम होना जरूरी हो गया था। बाहरी एजेंसियों पर डिपेंडेंस ने न सिर्फ.लॉजिस्टिक चैलेंज पैदा किए, बल्कि कॉन्फिडेंशियलिटी, टाइमलाइन और कॉस्ट-इफेक्टिवनेस से जुड़ी चिंताएं भी पैदा कीं। समय पर एग्जाम कराने और समय पर रिजल्ट घोषित करने में जेएमआई की कुशलता पर जोर देते हुए प्रो. हक ने यूनिवर्सिटी के सभी फैकल्टी मेंबर्स के सहयोग और खासकर ऑफिस के स्टाफ की कड़ी मेहनत की तारीफ की, जिससे यह टारगेट हासिल किया जा सका। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी ने ऑफिस में ऑटोमेशन लाने और प्रश्न पत्रों की प्रिंटिंग, ओएमआर स्कैनिंग और डिग्री प्रिंटिंग जैसी पूरी तरह से इन-हाउस एडमिशन और एग्जामिनेशन सुविधाएं बनाने के लिए चल रहे डेवलपमेंट काम की तारीफ की। यह कहते हुए कि बहुत जल्द जेएमआई दूसरी यूनिवर्सिटीज के लिए एक रोल मॉडल बन जाएगा। प्रो. रिजवी ने जामिया प्रेस स्थापित करने के सराहनीय काम के लिए प्रो. एहतेशामुल हक और उनकी टीम को बधाई दी और कहा कि लेटेस्ट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी से लैस, जामिया प्रेस फैकल्टी मेंबर्स और जेएमआई की बड़ी रिसर्च कम्युनिटी को कम टर्नअराउंड टाइम में और बाहरी पब्लिशिंग एजेंसियों पर निर्भर हुए बिना अपने एकेडमिक योगदान को दिखाने के लिए एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म देगा।

कृष्णा नगर सहित 24 स्थानों पर अटल कैंटीन खुली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर 24 अटल कैंटीन का शुभारंभ किया गया। इन कैंटीन के खुलने से राजधानी में अब इनकी संख्या 70 हो गई है। उदघाटन के बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैंटीन में बैठकर आम लोगों के साथ भोजन किया। उपराज्यपाल ने कहा कि यहां लोगों को कम कीमत पर साफ और पौष्टिक भोजन मिल रहा है। यह पहल बीते 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर शुरू की गई थी। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, प्रवासी मजदूरों, बाहर से पढ़ने आए छात्रों, रिक्शा चालकों, सफाई कर्मचारियों, घरेलू सहायकों और मजदूरों के लिए बहुत मददगार साबित हो रही है। दिल्ली सरकार हर थाली पर 25 रुपये की सब्सिडी दे रही है, ताकि जरूरतमंद लोगों को सम्मान के साथ खाना मिल सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी जरूरतमंदों को सस्ती कीमत पर पौष्टिक भोजन देने की है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल खाना देने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीबों, मजदूरों, रेहड़ी-पटरी वालों, निर्माण श्रमिकों और रिक्शा चालकों के जीवन में सम्मान और सुरक्षा का अहसास भी देती है। आने वाले समय में सरकार का लक्ष्य 100 अटल कैंटीन शुरू करने की है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें। शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने कहा कि 25 दिसंबर से प्रारंभ हुई अटल कैंटीन योजना के अंतर्गत अब तक 57 दिनों में 14,58,301 लोग भोजन कर चुके हैं। समाज की भागीदारी से बढ़ेगी योजना मुख्यमंत्री ने बताया कि व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु रखने के लिए डिजिटल टोकन सिस्टम और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की गई है। भोजन स्टील की थाली में दिया जाता है और बिलिंग पूरी तरह कंप्यूटराइज्ड है। समाज की भागीदारी बढ़ाने के लिए अटल कैंटीन का कॉर्पस फंड बनाने का सुझाव भी दिया गया है, ताकि समाजसेवी विशेष अवसरों पर भोजन प्रायोजित कर सकें।

गोपाल कृष्ण गोखले की पुण्यतिथि पर अमित शाह समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक उदारवादी राजनीतिक नेता और समाज सुधारक गोपाल कृष्ण गोखले की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गोपाल कृष्ण गोखले ने आजादी के आंदोलन से युवाओं को जोड़कर स्वाधीनता के लिए उन्हें प्रेरित किया, वहीं अस्पृश्यता उन्मूलन व समाज सुधार के लिए भी निरंतर कार्य किए। देशहित के विषयों पर गोखले जी अपनी स्पष्टवादिता के लिए जाने जाते थे। गोपाल कृष्ण गोखले जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर पोस्ट किया, कानूनी राजनीति के मार्ग से स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखने वाले कुशल राजनेता, सामाजिक नेता और महान समाज सुधारक गोपाल कृष्ण गोखले को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोपाल कृष्ण गोखले को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक दिशा देने और सामाजिक सुधार के लिए आपका योगदान राष्ट्र निर्माण की अमूल्य धरोहर है। आपके आदर्श और विचार सदैव लोकतांत्रिक चेतना को प्रेरणा देते रहेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने पोस्ट में लिखा, भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के विचारशील नेतृत्वकर्ता और प्रमुख समाज सुधारक गोपाल कृष्ण गोखले जी ने संवैधानिक सुधार, शिक्षा विस्तार और सामाजिक न्याय के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण की दिशा को सुदृढ़ किया। सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, बौद्धिक स्पष्टता और नैतिक उत्तरदायित्व को उन्होंने राष्ट्रीय चेतना का आधार बनाया। उनकी पुण्यतिथि पर उनके विचारों और राष्ट्रसेवी योगदान का सम्मानपूर्वक स्मरण। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गोपाल कृष्ण गोखले को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े नेताओं में से एक और महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु के रूप में याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई में उनका अमूल्य योगदान आज भी पीढ़ियों को न्याय, स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर प्रेरित करता है।

द्वारका में अंतर्राज्यीय अवैध शराब सप्लायर गिरफ्तार, 2,000 क्वार्टर बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय अवैध शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बिक्री के लिए ले जाई जा रही 40 कार्टन यानी 2,000 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि डीसीपी द्वारका के निदेशों पर एएटीएस की टीम लगातार बॉर्डर पर चेकिंग अभियान चलाकर अंतर्राज्यीय अवैध शराब तस्कर के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस टीम में एचसी संदीप कुमार, एचसी घनश्याम, एचसी मनोज कुमार, एचसी हेमचंद, एसआई धनंजय कुमार और एएसआई दिनेश कुमार शामिल थे। 12 फरवरी को टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर टीम ने नजफगढ़ रोड स्थित मेट्रो यार्ड, ककरोला गांव, सेक्टर-16ए, द्वारका के पास एक संदिग्ध कमर्शियल थ्री-व्हीलर टेंपो को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में भारी मात्रा में अवैध शराब की पेटियां बरामद हुईं। मौके पर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान भगवान दास (63), निवासी वीणा एन्क्लेव, नांगलोई, दिल्ली के रूप में हुई है। वह पेशे से ड्राइवर है। जांच में पता चला कि वह ट्रांजिट के दौरान शक से बचने के लिए कमर्शियल मालवाहक वाहन का उपयोग करता था। आरोपी के खिलाफ पहले भी दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत पंजाबी बाग और निहाल विहार थानों में मामले दर्ज हैं। इस संबंध में थाना द्वारका नॉर्थ में एफआईआर दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अधिक मुनाफे के लालच में अंतर्राज्यीय बॉर्डर इलाकों से अवैध शराब खरीदकर दिल्ली में सप्लाई करता था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी भगवान दास से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि यह कहां-कहां पर शराब की सप्लाई करता था और इसके साथ मिलकर बॉर्डर पर आता-जाता है। इससे पहले 7 जनवरी को पश्चिम दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने 31 कार्टन अवैध शराब जब्त की, जिसमें कुल 1,550 क्वार्टर शराब शामिल थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरियाणा के नंबर प्लेट की एक गाड़ी केशवपुरम रिंग रोड से जेजे कॉलोनी, ख्याला की तरफ अवैध शराब लेकर आने वाली है, जिसके बाद स्पेशल स्टाफ टीम ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक सफेद रंग की हुंडई आई-20 कार (हरियाणा नंबर) आती हुई दिखाई दी, जिसमें आरोपी सुनील को गिरफ्तार किया गया था। कार की तलाशी में 23 कार्टन संतरा देसी शराब (प्रत्येक कार्टन में 50 क्वार्टर) और 8 कार्टन रेस-7 विदेशी शराब (प्रत्येक में 50 क्वार्टर) बरामद हुई थी।

महिला की हत्या के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में 15 फरवरी को घर में घुसकर महिला की हत्या करने की गुत्थी को ज्योति नगर थाना पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान नंद नगरी निवासी उमेश (21) और विपिन (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से लूटे गए जेवरात के अलावा वारदात में इस्तेमाल बाइक व चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में दोनों आरोपितों ने खुलासा किया है कि वह कर्ज से परेशान थे। उससे छुटकारा पाने के लिए दोनों ने लूटपाट की योजना बनाई। घटना वाले दिन वारदातताके दौरान महिला ने विरोध किया तो उनकी हत्या कर दी गई। उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि मूल रूप से एटा, यूपी की रहने वाली विमला देवी परिवार के साथ अमर कालोनी, ज्योति नगर में रहती थीं। इनके परिवार में पति महावीर के अलावा दो बेटे हैं। एक बेटा राजस्थान में रहता है जबकि दूसरा बेटा घर अलग रहता है। कुछ दिनों से इनके पति एटा, यूपी गए हुए थे। पति एक निजी कंपनी से रिटायर हैं। 15 फरवरी की रात अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर विमला की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज के अलावा टेक्निकल सर्विलांस की मदद ली गई। इसके आधार पर पुलिस ने उमेश की पहचान कर उसे नंद नगरी से दबोच लिया। पूछताछ के दौरान उसने हत्या की बात स्वीकार की। बाद में उमेश से पूछताछ के बाद विपिन को दबोचा गया। दोनों ने बताया कि इन लोगों ने कई बैंक से लोन लिया हुआ था। लोन न चुका पाने की वजह से यह परेशान थे। इसलिए लूटपाट की योजना बनाई थी।

फूल विक्रेता की हत्या के मामले में आरोपी बरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। तीस हजारी अदालत ने वर्ष 2017 में पश्चिम विहार इलाके में हुई हत्या के एक मामले में मुख्य आरोपी राहुल कुमार को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में विफल रहा है। यह मामला फरवरी 2017 का है। फूल विक्रेता पुष्पेंद्र सात फरवरी की शाम मुल्तान नगर से लगभग 30 हजार रुपये लेकर लौटने की बात कहकर घर से निकला था। जब वह रात तक घर नहीं पहुंचा तो परिवार के सदस्यों ने तलाश शुरू की। अगली सुबह ज्वालाहेड़ी चौक के पास एक पार्क में उसकी मोटरसाइकिल खड़ी मिली और कुछ दूरी पर उसका शव बरामद हुआ। सिर पर गंभीर चोटें थीं और चेहरा कुचला हुआ था। मोबाइल लोकेशन के आधार पर राहुल को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में संजय झील के पास मिला युवक का शव, हत्या का मामला दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली के पांडव नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह संजय झील के पास शौचालय के नजदीक एक व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आज सुबह थाना पांडव नगर को सूचना मिली कि संजय झील के शौचालय क्षेत्र के पास एक व्यक्ति गंभीर हालत में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। उसके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। जांच में मृतक की पहचान जवाहर मोहल्ला शशि गार्डन निवासी लुखा चौधरी उर्फ विक्रम (36) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में हत्या की बात सामने आई है। घटना स्थल का निरीक्षण क्राइम टीम ने किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार इस संबंध में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपत्ति फ्रीहोल्ड प्रकिया शुरू करने की मांग

नई दिल्ली। बीते डेढ़ महीने से डीडीए की संपत्तियों को ऑनलाइन माध्यम से फ्रीहोल्ड कराने की प्रकिया बंद पड़ी है। इस संबंध में बीते कई दिनों से डीडीए के कार्यालयों में नागरिक लगातार संपत्तियों को फ्रीहोल्ड कराने की प्रकिया शुरू करने की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में डीडीए अधिकारियों ने बताया कि संपत्तियों को फ्रीहोल्ड कराने की प्रक्रिया को जल्द शुरू कर दिया जाएगा। राज्य सरकार ने राजधानी में सर्कल रेट को बढ़ाने का फैसला लिया है। इस फैसले को डीडीए भी अपनाएगा। इसे लेकर केंद्रीय शहरी विकास व आवास मंत्रालय के अधिकारियों के साथ इस महीने बैठक भी होगी। बैठक में इस संबंध में जल्द कोई निर्णय लिया जाएगा। दिल्ली के प्रॉपर्टी डीलरों ने कहा कि संपत्ति को फ्रीहोल्ड कराए बिना उसे बेचना या उस पर बैंक से लोन लेना कठिन हो जाता है। इसके अतिरिक्त निर्धारित समय अवधि पर संपत्ति फ्रीहोल्ड कराने के लिए कन्वर्जन शुल्क जमा न कराने पर हर साल पेनल्टी भी बढ़ती है।

रेखा गुप्ता मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बुधवार को 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मातृश्री अवॉर्ड समिति के संयोजक चेतन शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री को जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को भारत माता की प्रतिमा और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विवेक शर्मा, महामायी सेवा न्यास के दीपक बजाज तथा समिति सदस्य बिट्टी मौजूद रहे। ज्ञात हो कि मातृश्री अवॉर्ड की शुरूआत वर्ष 1975 में वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय दिनेश शर्मा ने की थी। इससे पहले लालकृष्ण आडवाणी, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा, रजत शर्मा, खुशवंत सिंह और सरला माहेश्वरी सहित अनेक गणमान्य हस्तियों को मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

हत्या के मामले में सात माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने जनकपुरी हत्याकांड में फरार चल रहे भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार कर सनसनीखेज साजिश का पर्दाफाश किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गाजियाबाद निवासी मोहम्मद नसीम उर्फ मोनू के रूप में हुई है। वह मुख्य आरोपी इरफान का साला है। अदालत ने 10 सितंबर को उसे भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक, एक जून को इरफान ने अपने जीजा इरफान और अन्य साथियों के साथ मिलकर मोहम्मद कादिर की सुनियोजित हत्या की थी। कादिर और इरफान एक ही अस्पताल में काम करते थे। इरफान को शक था कि कादिर के उसकी पत्नी से अवैध संबंध हैं। रंजिश में कादिर को शराब में नींद की गोलियां मिलाकर पिलाई गई। बेहोश होने पर गला घोंटकर हत्या कर दी थी। बाद में शव को मेरठ की जानी नहर में फेंक दिया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि पेशे से कैब चालक नसीम गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार पहचान बदलता रहा। उसने रिश्तेदारों के नाम पर कई मोबाइल और 30 से अधिक सिम कार्ड इस्तेमाल किए। तकनीकी सर्विलांस व खुफिया सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने आखिरकार उसे दबोच लिया।

मॉडल टाउन के लालबाग क्षेत्र में अटल कैंटीन का उद्घाटन सिरसा ने स्थानीय निवासियों के साथ बैठकर किया भोजन

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 5 रुपए में भरपेट एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने की पहल को मिला नया विस्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार द्वारा जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए मॉडल टाउन के लालबाग क्षेत्र में ह्यअटल कैंटीनह्ण का शुभारंभ किया गया। कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कैंटीन का उद्घाटन किया और स्थानीय निवासियों के साथ बैठकर भोजन भी किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री सिरसा ने दिल्ली की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है। लोगों ने अपने वोट से यहां एक ऐसी सरकार बनाई जो दिल्ली के विकास और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अटल कैंटीन गरीब और मेहनतकश वर्ग के सम्मान से जुड़ा संकल्प है। सिरसा ने कहा कि हमने चुनाव के समय वादा किया था कि पांच रुपये में भरपेट भोजन देंगे। आज लालबाग में भी यह वादा पूरा हुआ है। केवल पांच रुपये में इतना स्वादिष्ट, इतना साफ-सुथरा भोजन, इतनी अच्छी व्यवस्था, यह अपने आप में पूरे देश के लिए एक मिसाल है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के अंदर खासतौर से पिछले ग्यारह-बारह साल में भ्रष्टाचार और घोटालों की बीमारी ने दिल्ली को नुकसान पहुंचाया। आपने ऐसी भ्रष्ट सरकार को हटाकर विकास की सरकार बनाई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कार्यशैली की सराहना करते हुए सिरसा ने कहा कि रेखा गुप्ता आपकी बेटी, आपकी बहन के रूप में मुख्यमंत्री बनी हैं, जो गरीब का, जरूरतमंद का, और उनके रोजगार की चिंता करती है। जरूरतमंद को भोजन मिले, मुफ्त इलाज मिले, बच्चों को बेहतर स्कूल मिले, इसी दिशा में सरकार निरंतर काम कर रही है। राशन कार्ड के मुद्दे पर भी सिरसा ने स्पष्ट आश्वासन देते हुए कहा कि मैं आपको आश्वासन देकर जाता हूं, विधायक महोदय के माध्यम से जो भी वास्तविक जरूरतमंदों की जानकारी आएगी, उन्हें हर हाल में राशन उपलब्ध करवाया जाएगा। जरूरत पड़ेगी तो नए राशन कार्ड भी बनाए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सिरसा ने उपस्थित माताओं, बहनों और स्थानीय नागरिकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार केवल दिल्ली के विकास के लिए नहीं, बल्कि दिल्ली के जरूरतमंद लोगों, बस्ती में रहने वाले लोगों और उन परिवारों के लिए खड़ी है, जिनको आज सबसे ज्यादा सरकारी मदद की जरूरत है। हम निरंतर आपकी सेवा में काम करते रहेंगे। कार्यक्रम में मॉडल टाउन के विधायक अशोक गोयल, संगम विहार से पार्षद जोंटी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

ईडी ने अनिल अंबानी को 26 फरवरी को पेश होने के लिए ताजा समन जारी किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के इस सप्ताह उसके समक्ष उपस्थित नहीं होने के बाद उन्हें 26 फरवरी को पूछताछ के लिए पेश होने का ताजा समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उनकी पत्नी और पूर्व अभिनेत्री टीना अंबानी भी ईडी द्वारा दूसरी बार समन जारी किए जाने के बावजूद 17 फरवरी को एजेंसी के सामने पेश नहीं हुई थीं। उन्हें संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए पहला समन 10 फरवरी को जारी किया गया था लेकिन वह उपस्थित नहीं हुईं जिसके बाद उन्हें नया नोटिस दिया गया था। यह स्पष्ट नहीं है कि ईडी ने उन्हें भी अगली तारीख दी है या नहीं। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके अलग-अलग बयान दर्ज करने के लिए उन्हें बुलाया है। अनिल अंबानी अगस्त 2025 में एक बार ईडी के सामने पेश हुए थे। ऐसा समझा जा रहा है कि टीना अंबानी को न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी आवासीय संपत्ति की खरीद से जुड़े धन के लेन-देन के संबंध में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी ने हाल में इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशन (आरकॉम) के पूर्व अध्यक्ष पुनीत गर्ग को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने पहले एक बयान में आरोप लगाया था कि आरकॉम की कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के दौरान 2023 में न्यूयॉर्क स्थित इस संपत्ति को गर्ग ने धोखाधड़ी से बेचा था। समझा जाता है कि आरकॉम ने धोखाधड़ी से की गई इस बिक्री की जानकारी 2025 में शेयर बाजार को दी थी।

एआई केवल एक तकनीक नहीं है विकसित भारत का मजबूत इंजन है: चहल

सरोजनी नगर के नवयुग स्कूल में एआई प्रदर्शनी की हुई शुरूआत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। एआई केवल एक तकनीक नहीं है, बल्कि विकसित भारत का मजबूत इंजन है, जो नागरिकों को सशक्त करता है, शासन को मजबूत बनाता है और विकास को गति देता है। यह बात नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने नवयुग स्कूल, सरोजिनी नगर में आयोजित एआई फॉर विकसित भारत प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कही। इस अवसर पर निदेशक (शिक्षा) कृतिका चौधरी, विद्यालय की प्रधानाचार्या मृदुला, तथा एनडीएमसी अटल आदर्श एवं नवयुग विद्यालय के अनेक शिक्षक और विद्यार्थी ने भाग लिया। उद्घाटन के बाद चहल ने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व का विषय है कि भारत इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने समिट के मूल मंत्र ह्लह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्ण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह लोग, पृथ्वी और प्रोग्रेस के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह समिट भारत की तकनीकी ताकत और वैश्विक नेतृत्व को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। यह समिट भारत की एआई यात्रा में एक ऐतिहासिक पड़ाव साबित होगा।

इस मौके पर चहल ने छात्रों से संवाद किया और उन्हें एआई तथा समिट के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि यह प्रदर्शनी समिट के दौरान आयोजित की जा रही है, जिससे छात्र नई तकनीक को देश के विकास से जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि एआई फॉर विकसित भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप एनडीएमसी का शिक्षा विभाग स्कूलों में एआई को चरणबद्ध तरीके से शामिल कर रहा है, ताकि विद्यार्थी भविष्य के लिए तैयार बन सकें।

अगस्त-सितंबर 2025 में 300 छात्रों और 240 शिक्षकों को मिला एआई प्रशिक्षण

चहल ने जानकारी दी कि अगस्त-सितंबर 2025 में 300 छात्रों और 240 शिक्षकों को एआई का आधारभूत प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 15 से अधिक एआई टूल्स, एआई की मूल जानकारी तथा तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग पर प्रशिक्षण दिया गया। आज की यह प्रदर्शनी उसी प्रशिक्षण का परिणाम है। एनडीएमसी अब एआई आधारित लेसन मॉड्यूल, आकलन प्रणाली और डिजिटल कंटेंट विकसित कर रहा है, जिससे छात्रों को नए और रोचक तरीकों से सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सरकारी स्कूलों के छात्रों को पहली बार एआई की व्यावहारिक शिक्षा से जोड़ रहा है, जिससे वे नई खोज कर सकें और जीवन की समस्याओं के समाधान खोज सकें।

विवाद में पत्नी का गला रेता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में विवाद होने के बाद एक युवक ने अपनी पत्नी का गला रेत दिया। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गया। पीड़िता कविता शर्मा (30) को नजदीकी जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत को देखते हुए उसे जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल कविता की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने जांच के बाद हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपित सोनू शर्मा की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक कविता शर्मा, सी-ब्लॉक भजनपुरा में अपने माता पिता के साथ रहती हैं। करीब 15 साल पहले कविता ने अपनी मर्जी से प्रेम विवाह किया था। उनके दो बच्चे है। लेकिन बाद में विवाद होने के बाद कविता ने पति से तलाक ले लिया था। इसके बाद करीब 6 साल पहले कविता ने दूसरी बार सोनू से प्रेम विवाह किया। दोनों के यहां तीन बच्चे हुए। कविता का आरोप है कि सोनू को शराब की लत लग गई। वह नशे की हालत में उसको पीटने लगा। करीब 6 माह पूर्व विवाद के बाद सोनू ने उस पर तेजाब भी डाल दिया था। उस मामले में जांच चल रही है। पीड़िता ने बताया कि पिछले करीब एक माह से वह अपने मायके में रह रही है। कविता का आरोप है कि 16 फरवरी को उनकी मौसेरी बहन का जन्मदिन था।

हमदर्द बोनांजा के 13 साल पूरे किए, रिटेल ग्रोथ और विज़िबिलिटी को मिला मजबूत आधार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, Hamdard Laboratories (India) ने अपने 13वें वार्षिक देशव्यापी रिटेल प्रोग्राम हमदर्द बोनांजा को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस पहल का उद्देश्य रिटेल पार्टनर्स को सशक्त बनाना, दुकानों पर ब्रांड की मौजूदगी बढ़ाना और पूरे भारत में सेकेंडरी से प्राइमरी सेल्स को प्रोत्साहित करना है। यह स्कीम हर वर्ष आयोजित की जाती है, जिसमें उत्तर, पूर्व, दक्षिण, पश्चिम, यूपी-पूर्व और यूपी-पश्चिम जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल होते हैं। कार्यक्रम का लक्ष्य अधिक से अधिक रिटेलर्स तक पहुंच बनाना, दुकानों पर ब्रांड की पहचान मजबूत करना और हमदर्द के संपूर्ण प्रोडक्ट रेंज—जिसमें नए उत्पाद भी शामिल हैं—की बिक्री को बढ़ावा देना है। वित्त वर्ष 2025-26 में इस पहल के तहत कंपनी ने अपने रिटेल नेटवर्क में उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज किया। इस प्रोग्राम ने बाजार में बढ़ती जेनेरिक दवाइयों की प्रतिस्पर्धा का सामना करने में भी अहम भूमिका निभाई। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि मरीजों और उपभोक्ताओं तक हमदर्द की गुणवत्ता वाली दवाएं और वेलनेस प्रोडक्ट्स आसानी से उपलब्ध हों। कंपनी ने इस पहल में बड़ा निवेश करते हुए अपने कुल मार्केटिंग बजट का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा हमदर्द बोनांजा पर खर्च किया, जो रिटेल सेक्टर पर उसके विशेष फोकस को दशार्ता है। कार्यक्रम के समापन पर चेयरमैन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी श्री अब्दुल मजीद ने कहा, हमदर्द बोनांजा हमारे उन ट्रेड और हेल्थकेयर पार्टनर्स को समर्पित है, जो हमारे उत्पादों को देशभर के घरों तक पहुंचाते हैं। इस स्कीम से दुकानों पर हमारी मौजूदगी बढ़ी है, प्रोडक्ट रेंज की बिक्री में सुधार हुआ है और रिटेलर्स के साथ हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। यह पहल हमदर्द से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स—डॉक्टर्स, हकीम, वैद्य, आरएमपी, स्टॉकिस्ट और डिस्ट्रीब्यूटर्स—को एक मंच पर लाकर स्वस्थ भारत के लक्ष्य की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। रिटेल गतिविधियों के अतिरिक्त, कंपनी आयुष प्रैक्टिशनर्स के साथ भी सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। इसके तहत Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) और यूनानी व आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से सीएमई (CME) प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं, ताकि यूनानी चिकित्सा के अकादमिक और क्लिनिकल ज्ञान को और सुदृढ़ किया जा सके। हमदर्द बोनांजा की 13 वर्षों की निरंतर सफलता यह दशार्ती है कि कंपनी रिटेल नेटवर्क को मजबूत कर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को व्यापक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है

सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण विभिन्न एयरलाइन के यात्रियों को आगमन संबंधी परेशानी हुई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण विभिन्न एयरलाइन के यात्रियों को बृहस्पतिवार सुबह आगमन संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि यह समस्या करीब 40 मिनट से अधिक समय तक बनी रही। सूत्रों ने बताया कि इस समस्या के कारण दिल्ली, मुंबई और अन्य हवाई अड्डों पर इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अकासा एयर प्रभावित हुईं। सॉफ्टवेयर में खराबी के कारण ह्यचेक-इन सिस्टमह्ण सुबह लगभग छह बजकर 45 मिनट से सात बजकर 28 मिनट तक बंद रहा। सूत्रों में से एक ने बताया कि समस्या का समाधान कर लिया गया है और सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया कि सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण एयरलाइन को ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा। एयरलाइन की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया।

दिल्ली में लाल किले के पास से पकड़ा गया कश्मीरी व्यक्ति, फर्जी एनआईए अधिकारी बनकर करता था ठगी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के एक व्यक्ति को लाल किले के पास से पकड़ा है, जो खुद को कथित रूप से केंद्रीय एजेंसी का अधिकारी बता कर नौकरी दिलाने के बहाने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ ठगी करता था। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलवामा निवासी मुदस्सर नामक आरोपी को कोतवाली थाने की एक टीम ने गश्त के दौरान पकड़ा। पुलिस ने बताया कि लाल किले के पीछे दिल्ली चलो पार्क के पास जम्मू कश्मीर की पंजीकरण संख्या वाली एक काली हुंडई सैंट्रो कार संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ी मिली। पुलिस अधिकारियों को कार के अंदर मुदस्सर और एक नाबालिग मिला। पूछताछ करने पर मुदस्सर ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के पहचान पत्र से मिलता-जुलता एक पहचान पत्र प्रस्तुत किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, कार्ड संदिग्ध प्रतीत हुआ और दोनों को विस्तृत पूछताछ के लिए थाने लाया गया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को दिल्ली में रोजगार दिलाने का वादा करके उनसे कथित रूप से पैसे ऐंठता था। अधिकारी ने बताया, मुदस्सर ने नाबालिग लड़के के परिवार को उसके लिए नौकरी का इंतजाम करने का आश्वासन दिया था और उसे दिल्ली लाने से पहले अग्रिम भुगतान भी ले लिया था। पुलिस ने बताया कि वे 12 फरवरी को कश्मीर से निकले और 13 फरवरी की रात को दिल्ली पहुंचे तथा जामा मस्जिद इलाके के एक गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे। आरोपी ने दावा किया कि उसने नाबालिग को नौकरी दिलाने के लिए कुछ लोगों से संपर्क किया था, लेकिन वह इसका कोई दस्तावेजी सबूत पेश नहीं कर सका। विशेष प्रकोष्ठ, गुप्तचर ब्यूरो और संबंधित केंद्रीय एजेंसी की संयुक्त पूछताछ में यह साबित हुआ कि पहचान पत्र जाली था और ऐसा कोई कार्ड जारी नहीं किया गया था। पुलिस ने कहा कि इस बाबत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस वीक के तहत 1.25 करोड़ से ज्यादा कीमत के 580 चोरी-खोए हुए मोबाइल फोन किए गए हैंडओवर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। 79 वां दिल्ली पुलिस वीक 2026 मनाने के लिए दिल्ली पुलिस की ट्रांसपोर्ट रेंज, जिसमें मेट्रो, रेलवे और आईजीआई एयरपोर्ट शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो में मोबाइल चोरी से निपटने के लिए टारगेटेड ऑपरेशन और इनेबल्ड ट्रेसिंग बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस की ट्रांसपोर्ट रेंज ने मिशन रीकनेक्ट 3.0 - योर फोन्स जर्नी बैक होम के साथ चोरी हुए मोबाइल फोन रिकवर करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसके नतीजे में 580 (जिसमें मेट्रो यूनिट के 266, रेलवे के 188 और आईजीआई एयरपोर्ट के 126) चोरी,खोए हुए मोबाइल फोन रिकवर हुए, जिनकी कीमत 1.25 करोड़ से ज्यादा है। इसके अलावा, इससे पहले मिशन रीकनेक्ट और मिशन रीकनेक्ट 2.0 के दौरान लगभग 1.50 करोड़ कीमत के 800 से ज्यादा चोरी,खोए हुए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए थे। दिल्ली पुलिस के ट्रांसपोर्ट रेंज ने डीसीपी मेट्रो ऑफिस कॉम्प्लेक्स, कश्मीरी गेट में ऑफिशियली एक फंक्शन ऑर्गनाइज किया, जिसका टाइटल था मिशन रीकनेक्ट 3.0-आपके फोन की घर वापसी की जर्नी के साथ 79 वां दिल्ली पुलिस वीक-2026 सेलिब्रेट करना। इसमें लगभग 155 पीड़ित,शिकायतकर्ता मौजूद थे।इस मौके पर मिलिंद महादेव जॉइंट सीपी ट्रांसपोर्ट रेंज, कुशल पाल सिंह डीसीपी मेट्रो और विचित्र वीर,डीडीपी आईजीआई एयरपोर्ट की मौजूदगी में ये 155 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे गए। यह पहल सिर्फ.कानून लागू करने की कोशिश नहीं है,बल्कि दिल्ली पुलिस सेवा करने, सुरक्षा करने और न्याय को उसके असली रूप में बनाए रखने के अपने मिशन में पक्की है।

भारत ने वो बनाया जो किसी और ने नहीं किया, एआई समिट में मैक्रों ने शेयर की मुंबई के स्ट्रीट वेंडर की कहानी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

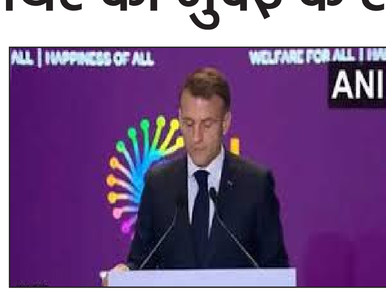

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक दिलचस्प कहानी सुनाई। उन्होंने मुंबई के एक स्ट्रीट वेंडर का जिक्र कर भारत के डिजिटल बदलाव के बारे में सबको बताया। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति एक दशक पहले बैंक अकाउंट नहीं खोल पाता था, वह अब आसानी से ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम का इस्तेमाल करता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन की शुरूआत नमस्ते से की और अपने होस्ट का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, इस शानदार शहर और इस शानदार देश में हमारा स्वागत करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। 2024 के अपने राजकीय दौरे के बाद आपके द्वारा होस्ट किए गए इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट समिट के लिए वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है। इसके बाद मैक्रों ने भारत की टेक्नोलॉजी में हुई तरक्की को बताने के लिए एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा, मैं एक कहानी से शुरू करना चाहता हूं। दस साल पहले, मुंबई में एक रेहड़ी वाला बैंक अकाउंट नहीं खोल सकता था, कोई पता नहीं, कोई कागजात नहीं, कोई एक्सेस नहीं। आज, वही वेंडर देश में किसी से भी अपने फोन पर तुरंत और मुफ्त में पेमेंट लेता है। यह सिर्फ एक टेक कहानी नहीं है। यह एक सिविलाइजेशन की कहानी है। इमैनुएल मैक्रों ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के स्केल पर जोर देते हुए कहा, भारत ने कुछ ऐसा बनाया है जो दुनिया के किसी और देश ने नहीं बनाया है। 140 करोड़ लोगों के लिए एक डिजिटल पहचान। एक पेमेंट सिस्टम जो अब हर महीने 20 बिलियन ट्रांजैक्शन प्रोसेस करता है और एक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर जिसने 500 मिलियन डिजिटल हेल्थ आईडी जारी किए हैं। पिछले साल के संयुक्त पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, पिछले साल, जब फ्रांस और भारत ने पेरिस में एआई एक्शन समिट को-होस्ट किया था, तो हमने उन तकनीक के लिए एक ग्लोबल गाइडिंग प्रिंसिपल तय किया था जो हमारे समाज और हमारी अर्थव्यवस्था को बदल देंगी। हम कहते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी इंसानियत को तेजी से नवाचार करने, स्वास्थ्य सुविधा, एनर्जी, मोबिलिटी, एग्रीकल्चर और पब्लिक सर्विसेज में इंसानियत की भलाई के लिए बदलाव लाने में मदद करेगा। हम दोनों इस क्रांति में विश्वास करते हैं। एआई स्ट्रेटजिक कॉम्पिटिशन का एक बड़ा फील्ड बन गया है और बड़ी तकनीक और भी बड़ी हो गई हैं। उन्होंने कहा, पिछले एक साल में एआई स्ट्रेटजिक कॉम्पिटिशन का फील्ड बन गया है, लेकिन इनोवेशन, आत्मनिर्भरता और स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी पर फोकस करने वाला एक रास्ता अभी भी बना हुआ है। भारत ने छोटे, टास्क-स्पेसिफिक लैंग्वेज मॉडल विकसित करके और स्टार्टअप्स का समर्थन करने के लिए सस्ती दरों पर 38,000 सरकारी फंडेड जीपीयूएस लगाकर सॉवरेन चॉइस बनाई हैं। आखिर में मैक्रों ने कहा, मैंने मुंबई के एक स्ट्रीट वेंडर की कहानी से शुरूआत की थी। दस साल पहले, दुनिया ने भारत से कहा था कि 1.4 बिलियन लोगों को डिजिटल इकॉनमी में नहीं लाया जा सकता। भारत ने उन्हें गलत साबित कर दिया। आज कुछ लोग कहते हैं कि एआई एक ऐसा खेल है जिसे सिर्फ बड़े लोग ही खेल सकते हैं।

हरदीप पुरी ने 8 माह पहले ही डिजिटल इंडिया के भारत आने की एपस्टीन को दे दी थी जानकारी : संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने एपस्टीन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कई सवालों के जवाब मांगें है। उन्होंने पीएम से कहा कि जब मैंने संसद में एपस्टीन का मामला उठाया तो आप नाराज हो गए। इसलिए मेरे कुछ सवाल हैं। डिजिटल इंडिया लाने से 8 महीने पहले हरदीप पुरी, एपस्टीन से इस योजना के बारे में कैसे बात कर रहे थे? क्या आपने उन्हें बताया था? क्या यह देश के साथ धोखा नहीं है? हरदीप पुरी ने कहा कि उनकी एपस्टीन से सिर्फ.4 बार मुलाकात हुई, जबकि वे 14 बार मिले। आखिर उन्होंने झूठ क्यों बोला? क्या आपकी और इसराइल के प्रधानमंत्री की मुलाकात में एपस्टीन की कोई भूमिका थी? यह देश आपसे इन सवालों पर जवाब चाहता है। संजय सिंह ने कहा कि जब मैंने एपस्टीन फाइल का मामला देश की संसद में उठाया तो भाजपा के सांसद बहुत उत्तेजित और नाराज हो गए। वे हल्ला मचाने लगे और उसके बाद देश के प्रधानमंत्री आए। उन्होंने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर हमला किया। मेरे बारे में भी तमाम टीका-टिप्पणी की। आखिर एपस्टीन फाइल का नाम लेने से भाजपा नेता इतना घबराए क्यों? एपस्टीन फाइल में ऐसा क्या है जिसके कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतने ज्यादा दबाव में हैं कि उन्होंने ट्रंप से एक ऐसी ट्रेड डील की जो भारत के करोड़ों लोगों के खिलाफ है? उस एपस्टीन फाइल में ऐसा क्या है जिसे प्रधानमंत्री छिपाना चाहते हैं? संजय सिंह ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने एक प्रेस वार्ता में बताया था कि उन्होंने एपस्टीन से तीन से चार बार मुलाकात की है। लेकिन अब जो खुलासे सामने आए हैं, उनमें यह निकल कर आ रहा है कि हरदीप पुरी ने एपस्टीन से 14 बार मुलाकात की है। उन्होंने उस वक्त भी मुलाकात की है जब वे किसी सरकारी पद पर नहीं थे, यानी भारत सरकार के किसी पद पर नहीं होने के दौरान उन्होंने यह मुलाकात की है। संजय सिंह ने आगे कहा कि लोगों को यह जानकर हैरानी होगी कि डिजिटल इंडिया भारत में आठ महीने के बाद आता है, लेकिन डिजिटल इंडिया के बारे में जानकारी हरदीप पुरी को पहले हो जाती है, जो उस वक्त न तो मंत्री थे और न ही किसी सरकारी पद पर थे। सरकार आठ महीने बाद डिजिटल इंडिया लेकर आती है, यह कैसे हो गया? यह तो देश की संप्रभुता के साथ धोखा है, यह तो देश के साथ विश्वासघात है। सरकार की एक योजना जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ महीने बाद लेकर आने वाले थे, उसके बारे में हरदीप पुरी को पहले से जानकारी कैसे हो गई? और हरदीप पुरी एपस्टीन जैसे बाल यौन शोषण के अपराधी और दरिंदे को उसकी जानकारी क्यों दे रहे थे? वे उससे इस बारे में चर्चा क्यों कर रहे थे? संजय सिंह ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरदीप पुरी ने इस देश को धोखा नहीं दिया?

संक्षिप्त समाचार

डिजिटल क्लासरूम बनाने में पिछड़ा मध्यप्रदेश

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग व्यक्तिगत शिक्षण, बुद्धिमान ट्यूटरिंग सिस्टम, और प्रशासनिक कार्यों के स्वचालन के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बना रहा है। यह तकनीक छात्रों की जरूरतों के अनुसार सामग्री को अनुकूलित करती है और वास्तविक समय में फीडबैक प्रदान करती है, जिससे शिक्षकों का बोझ कम होता है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने पिछले पांच साल में प्रदेश को 318.52 करोड़ रुपए दिए, ताकि स्कूलों को डिजिटल बनाया जा सके। लेकिन राज्य इस फंड का 85 प्रतिशत उपयोग नहीं कर पाया है। इसका परिणाम यह देखने को मिल रहा है कि प्रदेश के 62 प्रतिशत सरकारी स्कूल लैब्स और स्मार्ट क्लासरूम नहीं होने के कारण एआई शिक्षा से दूर हैं।

केंद्र से मिले फंड का पांच साल में 85 प्रतिशत उपयोग नहीं

मप्र में सरकार का दावा है कि वह सरकारी स्कूलों में निजी स्कूलों की तरह डिजिटल क्लासरूम बनाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बच्चों को शिक्षित करने की कोशिश में लगी हुई है। लेकिन सरकार के दावों की हकीकत यह है कि प्रदेश में 62 प्रतिशत सरकारी स्कूल एआई शिक्षा से बेहद दूर हैं। बिना इंटरनेट और आईसीटी लैब या डिजिटल क्लासरूम के एआई शिक्षा संभव नहीं है और प्रदेश का हाल ये है कि यहां लैब्स और स्मार्ट क्लासरूम बनाने के लिए मिला फंड पांच साल में भी 85 फीसदी खर्च नहीं हो सका है। प्रदेश के जिन सरकारी स्कूलों में इंटरनेट है, वहां भी तस्वीर पूरी नहीं है। इन 12,933 स्कूलों में से केवल 2,610 स्कूल ऐसे हैं, जहां कंप्यूटर लैब या स्मार्ट क्लास सही तरीके से चल रही है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 यह भी संकेत देता है कि जहां इंटरनेट पहुंच भी है, वहां डिजिटल पढ़ाई की बुनियादी तैयारी पूरी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे में सिर्फ 34 प्रतिशत छात्रों के पास घर पर लैपटॉप या टैबलेट है। केंद्र सरकार ने पिछले पांच साल में प्रदेश को 318.52 करोड़ रुपए दिए, ताकि स्कूलों को डिजिटल बनाया जा सके। लेकिन राज्य इस फंड का सिर्फ 49.15 करोड़ रुपए यानी 15 प्रतिशत ही खर्च कर पाया। प्रदेश में 8,489 कंप्यूटर लैब और 12,573 स्मार्ट क्लास बनाने की मंजूरी तो मिली, लेकिन ज्यादातर आज भी फाइलों तक सीमित हैं। कक्षा 6वीं और उससे ऊपर वाले 34,152 सरकारी स्कूलों में से सिर्फ 12,933 स्कूलों तक ही इंटरनेट पहुंच पाया है। यानी हर तीन में से करीब दो स्कूल आज भी डिजिटल दुनिया से कटे हुए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डिजिटल उपकरण और नियमित उपयोग के बिना एआई जैसी शिक्षा सिर्फ नीति दस्तावेजों तक सिमट कर रह जाती है।

नगरीय निकायों में होंगी नियुक्तियां, एल्डमैन की सूची पहुंची संगठन को

स्थानीय नेताओं को किया जाएगा उपकृत

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र में नगर निगमों और नगर पालिकाओं में एल्डरमैन के पद पर राजनीतिक नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। सबसे पहले भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, जबलपुर और उज्जैन संभाग के जिलों में आने वाले निकायों में नियुक्तियां होंगी। सत्ता व संगठन ने इन नियुक्तियों के लिए नाम तय कर लिए हैं। संभावना जताई जा रही है की इस महीने से नगरीय निकायों में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। मप्र में निकायों के चुनाव में बमुश्किल एक साल बचा है। उसके पहले सत्ता व संगठन को एल्डरमैन नियुक्त करने की याद आई है। नियुक्ति के पहले ही कई पदाधिकारी इसका विरोध कर रहे हैं। इनका कहना है कि जब नियुक्ति देना ही थी तो दो साल पहले दी जानी थी, लेकिन अब चुनाव का समय नजदीक है, ऐसे में केवल नाम के लिए नियुक्ति दिए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। बताया जा रहा है कि

भाजपा कार्यकर्ताओं को पद देने और सरकार व संगठन के बीच समन्वय बनाने प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डमैन की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा नेतृत्व ने संभावित नामों की सूची बनाने का जिम्मा जिला प्रभारियों को सौंपा था। प्रदेश के सभी जिला प्रभारियों ने जिलों का दौरा कर एल्डमैन के लिए संभावित नामों की लिस्ट संगठन को सौंप दी है। जल्द ही एल्डरमैन की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। दरअसल भाजपा संगठन और सरकार के बीच हुए समन्वय में यह बात भी स्पष्ट हुई है कि इन नियुक्तियों के माध्यम से भाजपा के स्थानीय नेताओं को उपकृत किया जाएगा, खासकर ऐसे नेताओं को जो संगठन में लगातार सक्रिय रहे हैं, लेकिन प्रदेश कार्यकारिणी और जिला कार्यकारिणी में जगह नहीं पा सके हैं। ऐसे सक्रिय कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन का पद देकर जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। भाजपा इस प्रक्रिया को एक राजनीतिक रणनीति के रूप में देख रही है। संगठनात्मक नियुक्तियों में स्थान नहीं मिलने से कार्यकर्ताओं में अंदरूनी नाराजगी को दूर किया जा सके। राजनीतिक रूप से इन नियुक्तियों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि जमीनी स्तर पर सक्रिय हर कार्यकर्ता को संगठन या निकाय स्तर पर भूमिका मिले, जिससे चुनाव के समय मजबूत नेटवर्क तैयार रहे। कुल मिलाकर एल्डरमैन नियुक्तियां भाजपा के लिए केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संगठनात्मक संतुलन, कार्यकर्ता संतुष्टि और चुनावी तैयारी का अहम राजनीतिक कदम मानी जा रही हैं।

समन्वय से बनाई गई सूची

सूत्र बताते हैं कि इस बार सूची तैयार करने में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद को प्राथमिकता दी गई है। जिन जिलों में संगठनात्मक विवाद रहे हैं, वहां विशेष सावधानी बरती गई है, ताकि नियुक्ति यां संतुलित और स्वीकार्य बन सकें। नियुक्ति यों की दृष्टि से प्रदेश के बड़े नगर निगमों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े नगर निगमों में 12-12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। वहीं मुरैना, सिंगरौली, रीवा, सतना, छिंदवाड़ा, उज्जैन, सागर, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, रतलाम और कटनी नगर निगमों में 8-8 एल्डरमैन नियुक्त किए जाने का प्रावधान है। इसके अलावा प्रदेश की लगभग 99 नगर पालिकाओं में से करीब 70 नगर पालिकाओं में 6-6 एल्डरमैन नियुक्त किए जाने हैं, जबकि 264 नगर परिषदों में से लगभग 180 परिषदों में 4-4 एल्डरमैन नियुक्त करने की तैयारी चल रही है। जनसंख्या के आधार पर भी संख्या तय की जाती है। दस लाख से अधिक आबादी वाले नगर निगमों में अधिकतम 12 एल्डरमैन नियुक्त किए जा सकते हैं। भाजपा संगठन के अनुसार नियुक्ति से पहले संभाग स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी और जिला अध्यक्ष संभावित नामों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद सूची प्रदेश अध्यक्ष की मंजूरी के लिए भेजी जाएगी। अंतिम स्वीकृति के बाद ही नामों की औपचारिक घोषणा होगी।

नियमों की सरेआम उड़ रहीं धज्जियां, कार्रवाई से कतरा रही पुलिस

मंत्री-सांसद और विधायक का नहीं छूट रहा हूटर मोह

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

राजधानी में आपको हूटर प्रेमी बहुत दिख जाएंगे, जो खुलआम अपने वाहनों में हूटर लगाकर कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से वीवीआईपी कल्चर खत्म करने को लेकर कई बार अलग-अलग मंचों से कह चुके हैं। इसके साथ ही इस कल्चर को खत्म करने के लिए कई नियमों में बदलाव भी किया गया। इसके बावजूद नेताओं और अधिकारियों का लाल बत्ती के साथ हूटर के लिए जो प्यार है, खत्म होने का नाम नहीं लेता है। मंत्री-विधायक और सांसदों के वाहन सांय-सांय की आवाज करते सड़कों पर दौड़ते नजर आ जाते हैं।

हूटर नियम के बाद नहीं उतर रहे हैं। करीब 8 साल पहले केंद्र सरकार की ओर से मंत्री अफसर समेत सभी जनप्रतिनिधियों के वाहनों पर हूटर लगाने के नियम को बंद कर दिया गया था। इसके बाद से गाड़ियों पर लगे हूटरों को उतारना शुरू भी कर दिया गया था। ज्यादातर गाड़ियों से हूटर और लाल बत्ती को प्रशासन द्वारा उतरावा भी दिया गया था, लेकिन मध्य प्रदेश में जनप्रतिनिधि हों या बड़े अधिकारी अब भी हूटर का उपयोग कर रहे हैं। केंद्र सरकार की मंशा ये थी की हूटर से काफी तेज आवाज निकलती है और ऐसे में सामान्य तौर पर उसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

हूटर लगाकर फर्राटा भर रहे नेतागण

वर्तमान में विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के साथ ही अन्य राजनीतिक दलों के पदाधिकारी बेखौफ होकर हूटर लगाकर अपना जलवा बिखेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यातायात पुलिस की चालानी कार्रवाई 2 पहिया वाहनों, सीट बेल्ट व वाहनों के दस्तावेज चेक करने तक ही सिमट कर रह गई है। अनाधिकृत रूप से हूटर लगाकर शहर और मुख्य मार्गों में दौड़ने वाले वाहनों के विरुद्ध अब तक यातायात पुलिस ने भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है।

इन वाहनों में हूटर लगाने की छूट

अगर कोई इन नियमों के खिलाफ जाकर अपने वाहन पर हूटर लगाता है, तो उस पर 5000 रुपये तक का चालान किया जा सकता है। केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1989 के नियम 119(3) के तहत इन वाहनों को हूटर और साइरन के लिए छूट दी गई है, जिसमें एंबुलेंस, फायर बिग्रेड, आपातकालीन सेवा में चलने वाली गाड़ी और परिवहन विभाग के अफसरों की गाड़ियां शामिल हैं।

नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

इस मामले में पुलिस कमिश्नर संजय सिंह ने कहा कि यातायात पुलिस की ड्यूटी है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करें। जरूरत पड़ी तो हूटर के खिलाफ अभियान भी चलाया जाएगा। हूटर के अलावा प्रेशर हॉर्न, ब्लैक फिल्म, फ्लैशर लाइट और मॉडिफाइड साइलेंसर लगाना केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1989 के खिलाफ है। ऐसा करने पर भी जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसीलिए वाहन चलाते वक्त इन नियमों का ध्यान रखना काफी जरूरी है।

वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगाने की अनुमति नहीं

केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के तहत इस तरह का कोई भी प्रेशर हॉर्न किसी वाहन में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, लेकिन पहले वीआईपी लोगों को इसकी इजाजत थी। केन्द्र सरकार के आदेश के बाद वीआईपी लोगों के वाहनों पर भी हूटर लगाना बंद कर दिया गया था। हूटर लगाने की इजाजत सिर्फ आपातकालीन सेवा में इस्तेमाल होने वाले वाहन जैसे एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस के वाहन शामिल हैं। इन वाहनों के अलावा अगर और कोई हूटर इस्तेमाल करता हुआ पाया जाता है,

उच्च शिक्षा विभाग केंद्र सरकार को भेजेगा प्रस्ताव

तीन कॉलेजों को मिलेगा डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा!

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र के तीन कॉलेजों को डीम्ड डूनिवर्सिटी का दर्जा दिया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। बताया जाता है कि राजधानी का एक्सीलेंस कालेज, रीवा का ठाकुर रणमत सिंह (टीआरएस) कालेज और जबलपुर का आदर्श साइंस कालेज डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने जा रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग तीनों कालेजों को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजेगा। केंद्र से स्वीकृति मिलने के बाद उक्त कालेजों को डीम्ड यूनिवर्सिटी करने की शेष प्रक्रिया विभाग करेगा। बता दें कि प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत कालेजों में एनईपी लागू कर दिया है। अब कालजों को आटोनोमी देने का काम चल रहा है। इसी के चलते उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश में तीन बड़े कालेजों को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने का निर्णय लिया है। राजधानी के एक्सीलेंस कालेज, रीवा के टीआरएस कालेज और जबलपुर के आदर्श साइंस कालेज का रिसर्च वर्क बेहतर है। यहां फैकल्टी और विद्यार्थियों के साथ अधोसंरचना भी मापदंडों के मुताबिक है। सभी मापदंड पूरे होने पर केंद्र सरकार तीनों डीम्ड यूनिवर्सिटी के प्रस्ताव को खारिज नहीं कर पाएगी। इसीलिए कॉलेजों से प्रस्ताव तैयार कराए जा रहे हैं। लोकभवन में होने वाली समन्वय समिति की बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद एक्सीलेंस कालेज भोपाल को आवेदन प्रक्रिया यूजीसी के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन करनी होगी। इसमें विनियामक निकायों से एनओसी भी लेनी होगी।

यह रहेगी सुविधा

डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने से तीनों कॉलेज को कई सुविधाएं मिलेंगी। इनको संबंधित पारंपरिक विवि से संबद्धता लेने की जरूरत नहीं होगी। ये अपना सिलेबस स्वयं तैयार कर पाएंगे। आटोनोमस की फीस देने से मुक्ति मिलेगी। आटोनोमस लेने के लिए निरीक्षण नहीं कराना होगा। डीम्ड यूनिवर्सिटी सीधे यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की देखरेख में चलेंगे। राज्य सरकार का सीधा दखल नहीं होता। डीम्ड विवि का दर्जा प्राप्त संस्थान कोर्स, फीस आदि तय करने के लिए स्वतंत्र होते हैं।

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : आबकारी विभाग के पूर्व सहायक आयुक्त नवीन कुमार तोमर गिरफ्तार

28 फरवरी तक रहेंगे EOW की रिमांड पर

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में जांच तेज हो गई है। आबकारी विभाग के पूर्व सहायक आयुक्त (ष्ट) नवीन कुमार तोमर को 27 लाख रुपये के कथित लेन-देन से जुड़े प्रकरण में गिरफ्तार कर आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें 28 तारीख तक ईओडब्ल्यू रिमांड पर भेज दिया है। रिमांड अवधि में उनसे नेटवर्क, फंड फ्लो और भूमिका को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तोमर के करीबी व्यक्ति को हिरासत में लिया था और प्रारंभिक जांच के बाद मामला आगे की कार्रवाई के लिए ईओडब्ल्यू को सौंप दिया था। ईओडब्ल्यू ने जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य एकत्र करने के बाद नवीन कुमार तोमर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के पश्चात उन्हें ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के बाद विशेष न्यायालय ने तोमर को 28 तारीख तक ईओडब्ल्यू रिमांड पर भेज दिया है। अब रिमांड अवधि के दौरान ईओडब्ल्यू की टीम उनसे कथित लेन-देन, नेटवर्क और अन्य संबंधित पहलुओं को लेकर गहन पूछताछ करेगी। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी पूरे मामले की वित्तीय परतें खंगालने में जुटी है और आने वाले दिनों में इस प्रकरण में और भी खुलासे संभव हैं। राज्य के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इससे जांच की दिशा

और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

जानिए क्या है शराब घोटाला

ईडी ने ACB में दर्ज FI में 3200 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले का जि किया है। एजेंसी का दावा है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में एक कथित सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया। जांच में जिन नामों का उल्लेख है, उनमें दिव्य भास्कर अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के तत्कालीन एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर शामिल बताए गए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, कथित घोटाले को ए, बी और सी – तीन श्रेणियों में अंजाम दिया गया।

ए : डिस्टलरी संचालकों से कमीशन वसूली

बताया गया कि 2019 में डिस्टलरी संचालकों से प्रति पेटी 75 रुपये और बाद के वर्षों में 100 रुपये तक कमीशन लिया जाता था। संचालकों को नुकसान न हो, इसके लिए नए टेंडर में शराब की कीमतें बढ़ाई गईं। साथ ही ओवर बिलिंग की कथित छूट देकर लागत समायोजन का रास्ता बनाया गया।

बी : नकली होलोग्राम के जरिए सरकारी दुकानों से बिक्री

जांच में सामने आया कि डिस्टलरी मालिकों से अतिरिक्त शराब बनवाई गई और उस पर नकली होलोग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से बि ी कराई गई। आरोप है कि होलोग्राम सप्लायर विधु गुप्ता को तैयार किया गया। खाली बोतलों की आपूर्ति और परिवहन की जिम्मेदारी अरविंद सिंह और उसके भतीजे अमित सिंह को दी गई। प्रदेश के 15 जिलों को शराब खपाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। दुकानदारों को कथित तौर पर निर्देश दिया गया कि बि ी का रिकॉर्ड सरकारी दस्तावेजों में दर्ज न किया जाए। शुरुआत में प्रति पेटी 2880 रुपये की एमआरपी रखी गई, जिसे बाद में 3840 रुपये तक बढ़ाया गया। डिस्टलरी मालिकों को सप्लाई पर शुरुआत में 560 रुपये और बाद में 600 रुपये प्रति पेटी दिए जाने की बात भी सामने आई है। ACB को जांच में 40 लाख पेटी से अधिक शराब की बि ी के साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है।

सीः सप्लाई जोन में हेरफेर से अवैध उगाही

देशी शराब की बि ी के लिए ष्टस्ञ्जरु की दुकानों को 8 जोन में विभाजित किया गया। आरोप है कि टेंडर प्रि या में सप्लाई जोन का निर्धारण कमीशन के आधार पर किया जाने लगा। एपी त्रिपाठी द्वारा जोन-वार विश्लेषण उपलब्ध कराए जाने की बात कही गई, ताकि क्षेत्र कम-ज्यादा कर अवैध धन वसूली की जा सके। ईओडब्ल्यू की जांच में तीन वित्तीय वर्षों में देशी शराब सप्लाई के नाम पर 52 करोड़ रुपये 'पार्ट सी' के तौर पर सिंडिकेट को दिए जाने के साक्ष्य मिलने का दावा है।

सट्टा खाईवाल 'किंग लाला' को बड़ा झटका, कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

मुंगेली, प्रातःकिरण संवाददाता।

जिला सत्र न्यायालय ने फरार चल रहे सट्टा खाईवाल योगेंद्र शर्मा उर्फ 'किंग लाला' की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। थाना चिल्फी में धारा 6 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत दर्ज मामले में सुनवाई के बाद न्यायाधीश गिरजा देवी मेरावी ने आरोपी के आपराधिक इतिहास और संगठित अपराध में उसकी कथित संलिप्तता को गंभीर मानते हुए यह आदेश पारित किया है।

बता दें कि मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक रजनीकांत सिंह ठाकुर ने प्रभावी पैरवी की। इससे पूर्व भी आरोपी की जमानत याचिका निरस्त कराने में उनकी अहम भूमिका रही है। अदालत के इस फैसले के बाद पुलिस को आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वैधानिक कार्रवाई में पूरी स्वतंत्रता मिल गई है।

2 नवंबर की रेड से खुला नेटवर्क

प्रकरण की शुरुआत 2 नवम्बर 2025 को हुई, जब थाना चिल्फी पुलिस ने ग्राम रैतरा खुर्द स्थित हनुमान मंदिर के पास छापेमारी की। इस दौरान संजय साहू को आम लोगों को रुपये-पैसे का लालच देकर मोबाइल और कागज के माध्यम से सट्टा पट्टी लिखाते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। तलाशी में उसके कब्जे से 75,700 रुपये नकद, सट्टा पट्टी से जुड़े दस्तावेज, एक डॉट पेन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, व्हाट्सएप के जरिए सट्टा संचालित किया जा रहा था। आरोपी के खिलाफ धारा 6 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पूछताछ में संजय साहू ने खुलासा किया कि वह सट्टा से प्राप्त रकम का 7 प्रतिशत कमीशन योगेंद्र शर्मा को देता था। लगातार अपराध की पुनरावृत्ति और वित्तीय लेन-देन के साक्ष्य मिलने के बाद मामले को संगठित अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया।

सामने आए अहम तथ्य

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार योगेंद्र शर्मा आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ जुआ अधिनियम समेत अन्य धाराओं में कई प्रकरण दर्ज हैं।

वित्तीय लेन-देन के प्रमाणः आरोपी और उसके सहयोगियों के बैंक खातों में लाखों रुपये के संदिग्ध ट्रांजैक्शन पाए गए हैं।

सराफा व्यापारी से लूट: छत्तीसगढ़ पुलिस ने यूपी से पकड़े पांच आरोपी

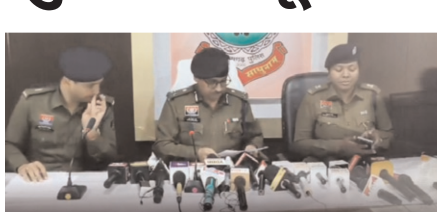

बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

बिलासपुर में सराफा व्यवसाय से हुई लूट के मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने उत्तर प्रदेश से पांच आरोपियों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है. घटना के मास्टरमाइंड और गिरोह के सरगना विजय लांबा पर 70 से अधिक मामले दर्ज हैं. इस पूरी अभियान में उत्तर प्रदेश की पुलिस ने छत्तीसगढ़ पुलिस की मदद की. आईजी रामगोपाल गर्ग ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि सरकंडा क्षेत्र अंतर्गत राजकिशोर नगर में 17 फरवरी की रात महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक संतोष तिवारी के साथ हथियारबंद बदमाशों ने लूट की वारदात की थी. आरोपी करीब 2 किलो सोना, 200 ग्राम सोने के जेवर, 350 ग्राम कच्चा सोना, 100 ग्राम फाइन गोल्ड, ?3,50,000 नगद लेकर भाग निकले थे. पुलिस की जांच में आरोपियों के उत्तर प्रदेश में होने की पुष्टि होने पर छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम उत्तर प्रदेश पहुंची, जहां शॉर्ट एनकाउंटर कर आरोपियों को पकड़ा गया. आरोपी के पैर में गोली लगी है. आरोपियों से लूटे गए जेवर, मशरुका और घटना में उपयोग किए गए फायर आर्म्स बरामद कर लिए गए हैं. मामले में मुख्य आरोपी विजय लांबा ओम बिहार उत्तम नगर द्वारका उत्तरी दिल्ली, मोनू उर्फ राहुल उर्फ रोहित सोरखा सेक्टर 113 कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश, विनोद उर्फ बीनू प्रजापति दादाबाड़ी कोटा राजस्थान, करीम खाम, चकमहमूद, सकलेन नगर बरेली उत्तर प्रदेश और ईरफान अली उम्र 32 वर्ष टिकरा पारा बिलासपुर को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ धारा 126(2), 109, 309(6), 311 बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

डीएमएफ घोटाला

ACB-EOW की बड़ी कार्रवाई

आरोपी सतपाल सिंह छाबड़ा गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर भेजा

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के चर्चित डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) घोटाले मामले म एसीबी-ईओडब्ल्यू ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सतपाल सिंह छाबड़ा को गिरफ्तार कर जांच एजेंसी ने कोर्ट में पेश किया। अदालत ने आरोपी को पूछताछ के लिए 6 दिन की (25 फरवरी तक) पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

डीएमएफ घोटाले की विवेचना में प्राप्त साक्ष्यों एवं दस्तावेजों के आधार पर पाया गया कि डीएमएफ फंड से संचालित कृषि अनुदान के कार्यों में नियमों का उल्लंघन करते हुए वित्तीय अनियमितताएं की गई, जिससे शासन को गंभीर आर्थिक क्षति हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने सिंडिकेट के

साथ मिलकर, जिसमें शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी थे आदि के साथ आपराधिक षड्यंत्र कर कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया की अनदेखी की। गिरफ्तार आरोपी ने कई करोड़ की अवैध कमीशन को नगद एवं अपने नातेदारों के बैंक खातों में प्राप्त किया।

जांच के दौरान वित्तीय लेन-देन, डिजिटल साक्ष्य एवं संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की गई, जिसमें आरोपी की संलिप्तता के पर्याप्त प्रमाण प्राप्त हुए। इसी आधार पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर आज 19 फरवरी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। ब्यूरो के इस प्रकरण में आरोपी सतपाल छाबड़ा को न्यायालय ने 25 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। इस प्रकरण में शामिल अन्य व्यक्तियों एवं संबंधित पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

एप्सटीन फाइल्स : यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निर्मल रानी

इनदिनों एप्सटीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एप्सटीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालांकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फाइल्स जारी की। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ, 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्सटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई। गौरतलब है कि जेफरी एप्सटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एप्सटीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एप्सटीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एप्सटीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद यह सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है। दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियाँ यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ? निश्चित रूप से एप्सटीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी, या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दर्शाता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साज़िश है। इसलिये एप्सटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों का मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है

असम : चुनावी खेल में संविधान तार-तार

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मुस्लिम विरोधी अपने बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। भाजपा ने उन्हें असम में मुख्यमंत्री क्यों बनाया है और क्यों वो मोदी-शाह की आंखों के तारे बने हुए हैं, यह समझना कठिन नहीं है। हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार-बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था। और जहां तक घुसपैठियों को बाहर करने या उन पर कार्रवाई करने का सवाल है, तो यह काम भी कानून के दायरे में होना चाहिए। अगर सत्ता पर बैठा शख्स हाथ में बंदूक लेकर इंसाफ करने निकल पड़े तो फिर देश में अदालतों की जरूरत ही क्या होगी। अफसोस इस बात का है कि सुप्रीम कोर्ट की राय इस बारे में अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिमंत बिस्वासरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक चलन बनता जा रहा है। असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है। इस बात पर कोई दो राय नहीं है कि चुनावों में विरोधी पर वार करने के लिए कई बार कानूनी लड़ाइयों का सहारा लिया जाता है। बल्कि मोदी के शासनकाल में तो जांच एजेंसियों का भी खुला इस्तेमाल होने लगा है। लेकिन असम का यह मामला कल्पना से उपजा आरोप नहीं है, बल्कि हिमंता बिस्वासरमा ने जिस तरह मुसलमान को बंदूक की नोक पर रखा है, वह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इसमें न केवल कानून और संवैधानिक पद की मयार्दा का मखौल उड़ाया गया है, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्षता के चिथड़े-चिथड़े करने की मानसिकता झलकी है। गौरतलब है कि 8 फरवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम भाजपा के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वासरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत ने इस वीडियो को शेयर करते हुए पूछा था कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं ? वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है।

चीन की नई कूटनीति या पुरानी चाल ? भारत के लिए भरोसा या भविष्य का धोखा

दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया। चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह संकेत मिले हैं कि चीन अपने सामरिक ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया। चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक तनाव, तकनीकी प्रतिबंध और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने उसे नए संतुलन की तलाश में डाल दिया है। भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। एशिया में स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए भारत के साथ टकराव चीन के हित में नहीं है। इसलिए संभव है कि वह सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की नीति अपनाए, ताकि वह एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बच सके। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चीन की नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है। उसकी सैन्य तैयारियों और परमाणु ढांचे के विस्तार को लेकर अक्सर बाहरी दुनिया को सीमित जानकारी ही मिलती है। यदि उपग्रह तस्वीरों में दिखाई देने वाले निर्माण सचमुच सामरिक क्षमताओं के विस्तार का संकेत हैं, तो यह भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। एक ओर संवाद और व्यापार की बातें, दूसरी ओर पहाड़ों के भीतर बनते ठिकान यह दोहरी तस्वीर सहज भरोसा पैदा नहीं करती। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह चीन के इरादों को कैसे परखे। केवल बयानों के आधार पर विश्वास करना रणनीतिक भूल हो सकती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संवाद के द्वार खुले रखने होंगे। कूटनीति में संतुलन और सैन्य तैयारी में सतर्कता दोनों समान रूप से जरूरी हैं। चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह टकराव की दिशा में ले जाना भी समझदारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों देश एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और परस्पर निर्भरता भी बढ़ी है। चीन की नियति को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि वह वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसकी बेल्ट एंड रोड पहल, तकनीकी निवेश और वैश्विक संस्थाओं में बढ़ती भूमिका इस दिशा का संकेत देती है। ऐसे में वह भारत को प्रतिस्पर्धी भी मानता है और संभावित साझेदार भी। यदि भारत उसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए चुनौती बनता है, तो प्रतिस्पर्धा तीखी हो सकती है। लेकिन यदि भारत संतुलित और आत्मविश्वासी नीति अपनाता है, तो सहयोग के अवसर भी बन सकते हैं। भरोसे का निर्माण केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से होता है। सीमा पर शांति, समझौतों का पालन और पारदर्शिता ये वे कसौटियां हैं जिन पर चीन को परखा जाएगा। यदि वह सचमुच स्थिर और सकारात्मक संबंध चाहता है, तो उसे ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, इतिहास का अनुभव यही बताता है कि रणनीतिक मित्रता के पीछे छिपी चालों को समझने में देर नहीं लगती। भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। चीन न तो पूरी तरह भरोसेमंद मित्र है और न ही अनिवार्य शत्रु। वह एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर राष्ट्र है, जिसकी प्राथमिकता उसके अपने हित हैं। भारत के साथ उसके संबंध भी इन्हीं हितों की कसौटी पर तय होंगे। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि चीन सहयोग की राह चुनता है या प्रतिस्पर्धा और दबाव की नीति पर कायम रहता है। भारत के लिए जरूरी है कि वह सतर्कता, आत्मनिर्भरता और संतुलित कूटनीति के सहारे हर संभावित परिस्थिति के

विकास का संकल्प : ट्रिपल इंजन से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर

सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित ह्लट्रिपल इंजन सरकारह्व का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरूआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। ह्यदिल्ली लखपति बिटिया योजनाह्न, मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे।

ललित गर्ग
(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

हर वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में दिल्ली के लिए 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का प्रावधान केवल एक आर्थिक घोषणा नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की रूपरेखा है। सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित ह्लट्रिपल इंजन सरकारह्व का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरूआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। ह्यदिल्ली लखपति बिटिया योजनाह्न, मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे। उनका यह भी कहना है कि ट्रिपल इंजन की व्यवस्था-अर्थात केंद्र, राज्य और नगर निकाय में एक ही राजनीतिक नेतृत्व के कारण विकास कार्यों में समन्वय और गति दोनों आई है। ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है। आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ अब राजधानी के अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की ठोस गारंटी मिल रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के संकेत अवश्य दिखाई दिए हैं। मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर उठे प्रश्नों और अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाओं के बीच नई सरकार ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, बेड क्षमता बढ़ाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यदि यह प्रयास निरंतरता से जारी रहा तो दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी के अनुरूप विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का दावा किया गया है। पिछले वर्षों में शिक्षा मॉडल को लेकर जहां एक ओर प्रशंसा हुई, वहीं भवनों की गुणवत्ता, संसाधनों के उपयोग और परिणामों पर सवाल भी उठे। नई सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर वास्तविक गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य करे। परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी गति लाने का प्रयास हुआ है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, बस बेड़े के आधुनिकीकरण और सड़कों के सुधार की योजनाएं केंद्र और राज्य के समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। दिल्ली मेट्रो पहले से ही राजधानी की जीवनरेखा रही है, अब किराए में राहत या छात्रों के लिए विशेष प्रावधान जैसे कदम यदि लागू होते हैं तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान देना आवश्यक है। एक वर्ष में कुछ परियोजनाओं को गति मिली है, किंतु राजधानी जैसे विशाल महानगर में ठोस परिणामों के लिए निरंतर प्रयास अपेक्षित हैं। सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण और वायु प्रदूषण की है। बीते दशक में दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का संकट है। मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं का उल्लेख किया है-जैसे हरित आवरण बढ़ाना, निर्माण कार्यों पर निगरानी, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय। परंतु यह भी सत्य है कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्या का समाधान केवल घोषणाओं से संभव नहीं, इसके लिए कठोर क्रियान्वयन, क्षेत्रीय सहयोग और जनसहभागिता की आवश्यकता होगी। यमुना की सफाई भी दिल्ली की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर योजनाएं बनती रहीं, बजट खर्च होता रहा, पर परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। वर्तमान सरकार ने यमुना को स्वच्छ और पर्यटन योग्य बनाने का संकल्प दोहराया है। यदि सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और नदी तट के पुनर्विकास की योजनाएं समयबद्ध तरीके से लागू होती हैं, तो यह दिल्ली की छवि को नया आयाम दे सकती हैं। यमुना का पुनर्जीवन केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी अवसर है।

विवेकवान क्रांति की दहलीज पर मानवता जब क्रांति औजार नहीं, चेतना बन जाए

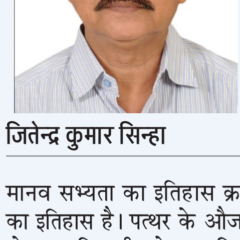

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

मानव सभ्यता का इतिहास क्रांतियों का इतिहास है। पत्थर के औजारों से लेकर अग्नि की खोज, कृषि क्रांति से औद्योगिक क्रांति और फिर सूचना क्रांति तक, हर चरण में मनुष्य ने प्रकृति को समझा, साधा और अपने अस्तित्व को सुरक्षित किया। इन सभी क्रांतियों में एक बात समान रही रही है वह है कि मनुष्य निर्णायक था और तकनीक साधन। लेकिन पिछले दो दशकों में जिस क्रांति ने आकार लेना शुरू किया है, वह इस ऐतिहासिक प्रवृत्ति से भिन्न है। यह केवल औजार नहीं है, यह विवेकवान, निर्णयक्षम और आत्म-अध्ययनशील है। यह न केवल मानव की सहायता कर रही है, बल्कि मानव निर्णय प्रक्रिया में हस्तक्षेप भी कर रही है। यही वह बिंदु है जहाँ आशा और भय एक-दूसरे में विलीन हो जाता है। प्रारंभिक मानव ने जब पत्थर को धार दी, तब उसने प्रकृति पर पहला सचेत हस्तक्षेप किया। यह क्रांति शारीरिक क्षमता का विस्तार थी, न कि बौद्धिक प्रतिस्थापन। कृषि क्रांति ने मानव को खानाबदोश से नागरिक बनाया। समाज, संस्कृति, परंपरा, सबका जन्म यहीं से हुआ। लेकिन निर्णय फिर भी मानव मस्तिष्क के अधीन था। भाप, मशीन और कारखानों ने उत्पादन बढ़ाया, लेकिन मशीनें निदेशों का पालन करती थीं, निर्णय नहीं लेती थीं। कंप्यूटर और इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, परंतु अब भी कंप्यूटर निर्जीव गणनाकार ही था। यह पहली बार है जब मानव ने ऐसी प्रणाली बनाई है जो स्वयं सीख सकती है। पैटर्न पहचान सकती है। भविष्य का अनुमान लगा सकती है और विकल्पों में से निर्णय सुझा सकती है, यहीं से यह क्रांति अप्रत्याशित बन जाती है। आज एल्गोरिद्म यह बता सकता है कि क्या खरीदेंगे। किस विचारधारा की ओर झुकेंगे। किससे प्रेम करेंगे और किससे भयभीत होंगे, यह केवल डेटा नहीं पढ़ता है बल्कि मानवीय व्यवहार पढ़ते हैं। जब कोई प्रणाली भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को समझने लगे, तब वह केवल तकनीक नहीं रहती है बल्कि वह मनोवैज्ञानिक शक्ति बन जाती है। आज न्यायालयों में सजा की अवधि तय करने से लेकर युद्ध में लक्ष्य चयन तक, एल्गोरिद्म सुझाव दे रहे हैं। प्रश्न यह नहीं कि वे सही हैं या गलत। प्रश्न यह है कि अंतिम निर्णय कौन ले रहा है? यदि मनुष्य केवल ह्लस्वीकृति बटनह्व बन जाए, तो क्या वह अभी भी निर्णयकर्ता है? मानव इतिहास गवाह है कि शक्ति जब भी केंद्रीकृत हुई है, उसका दुरुपयोग हुआ है। यदि विवेकवान प्रणाली सत्ता का संरक्षण करने लगे। असहमति को जोखिम माने और नैतिकता को बाधा समझे, तो परिणाम केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सभ्यतागत होंगे। मानव की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदना है। परंतु कोई भी कृत्रिम विवेक दर्द नहीं महसूस करताहै वह केवल उसका विश्लेषण करता है। फिर भी मनुष्य होना निराश होना नहीं सिखाता है। इतिहास यह भी बताता है कि हर नई शक्ति के साथ नई जिम्मेदारी आई है। हर संकट के साथ नया विवेक विकसित हुआ है। यह क्रांति भी विनाश नहीं, रूपांतरण का अवसर हो सकती है। यह क्रांति केवल तेज उत्पादन, अधिक सूचना तक सीमित नहीं है। यह शिक्षा को वैयक्तिक। चिकित्सा को सटीक और संसाधनों को न्यायपूर्ण बना सकती है। मानव संस्कृति स्थिर नहीं रही है। भाषा, कला, नैतिकता, सब समय के साथ बदले हैं। अब पहली बार परिवर्तन का प्रेरक मानव के बाहर से आ रहा है। यदि संतुलन साधा गया, तो यह प्रकृति संरक्षण, संसाधन संतुलन और वैश्विक सहयोग का माध्यम बन सकता है। सबसे बड़ा भय यह नहीं है कि तकनीक शक्तिशाली हो जाएगी। सबसे बड़ा भय यह है कि मनुष्य आलसी, आश्रित और वैचारिक रूप से निष्क्रिय हो जाएगा। जिस दिन मानव ने प्रश्न पूछना छोड़ दिया। असहमति से डरने लगा और निर्णय टालने लगा, उस दिन विकल्प बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। समाधान तकनीक को रोकना नहीं है। समाधान है नैतिक सीमाएँ, मानवीय निगरानी और उत्तरदायित्व आधारित विकास, इसलिए तकनीक को सहचर बनाया जाए, स्वामी नहीं। यह क्रांति द्वार पर नहीं, भीतर प्रवेश कर रही है। यह सोचने, चुनने और मूल्यांकन करने के तरीके को बदल रही है। यदि विवेक को जीवित रखें। करुणा को प्राथमिकता दें और उत्तरदायित्व से पीछे न हटें, तो यह क्रांति मानवता की सबसे महान उपलब्धि बन सकती है। अन्यथा इतिहास में पहली बार मनुष्य स्वयं अपने द्वारा निर्मित व्यवस्था में अप्रासंगिक हो सकता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026

नेचुरल फॉर्मिंग हब बन रहा यूपी : योगी सरकार 298 करोड़ रुपये से करेगी विस्तार

प्रदेश के सभी 75 जिलों में अब तक 94,300 हेक्टेयर तक पहुंची नेचुरल फॉर्मिंग

- बुंदेलखंड पर विशेष फोकस, सातों जिलों में जलधारण क्षमता बढ़ने से खेती अधिक टिकाऊ बनेगी और लागत घटेगी
- जीवामृत और घनजीवामृत के उपयोग से रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। सक्रिय रणनीति बनाकर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 94,300 हेक्टेयर क्षेत्रफल तक प्राकृतिक खेती का विस्तार किया गया है। यह जल्द ही एक लाख हेक्टेयर तक पहुंचने वाला है। इस व्यापक अभियान में बुंदेलखंड पर फोकस रखा गया है, जहां विशेष कार्यक्रम के जरिए इसे सफल मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। योगी सरकार रासायनिक निर्भरता कम कर टिकाऊ कृषि व्यवस्था स्थापित करने के लिए नेचुरल फार्मिंग पर विशेष जोर दे रही है।

बुंदेलखंड में 23,500 हेक्टेयर क्षेत्र में गो-आधारित प्राकृतिक खेती

योगी सरकार ने बुंदेलखंड के सभी जनपदों झांसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट में 23,500 हेक्टेयर क्षेत्र पर गो-आधारित प्राकृतिक खेती का विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर योगी सरकार कृषि को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

योगी सरकार के फोकस में कम लागत, ज्यादा लाभ वाले कृषि मॉडल

जीवामृत और घनजीवामृत के प्रयोग से रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी। इससे खेती की लागत कम होगी और किसानों की आय बढ़ाने का रास्ता मजबूत होगा। योगी सरकार का फोकस कम लागत, ज्यादा लाभ वाले कृषि मॉडल पर है।

कम वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए वरदान

गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की संरचना सुधरती है और जलधारण क्षमता बढ़ती है। बुंदेलखंड के साथ ही कम वर्षा वाले क्षेत्रों में यह पहल खेती को अधिक टिकाऊ बनाएगी। यह कदम क्षेत्रीय कृषि अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है।

प्रशिक्षण से किसानों का सशक्तिकरण

उन्होंने बताया कि योगी सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। इससे प्राकृतिक कृषि प्रणाली को मुख्यधारा में लाने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल रही है।

स्वास्थ्य, पर्यावरण और आय पर सकारात्मक असर

प्राकृतिक उत्पादों की ब्रांडिंग और पर्यावरण-अनुकूल कृषि प्रणाली के प्रसार से किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि योगी सरकार की दूरदर्शी नीति के चलते उत्तर प्रदेश प्राकृतिक खेती की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें बुंदेलखंड परिवर्तन का अग्रदूत बनकर उभर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जौनपुर में कांग्रेसियों ने गांधी प्रतिमा के समक्ष किया धरना-प्रदर्शन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने आज महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। इनका आरोप है कि लखनऊ में शांतिपूर्ण विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं पर लाठीचार्ज किया गया है। धरना-प्रदर्शन में प्रदेश सचिव सत्यबीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष देवराज पांडेय, शेर बहादुर सिंह, विनय तिवारी, राकेश सिंह डब्बू, लाल प्रकाश पाल, अरुण शुक्ला, इरशाद खान, एनएसयूआई शहर अध्यक्ष अमन सिंहा, रोहित पांडेय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानपुर पुलिस ने 151 मोबाइल फोन रिकवर किए, वास्तविक मालिकों को लौटाये

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर सेंट्रल जोन की सर्विलांस टीम ने 151 खोए हुए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को लौटाए हैं। इनकी कुल अनुमानित बाजार कीमत लगभग 31 लाख रुपये है। पुलिस उपायुक्त मध्य अतुल कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को बताया कि सीआर पोर्टल और यूपी कॉप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के आधार पर टीम ने कॉल रिकॉर्ड्स, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन ट्रैकिंग जैसे आधुनिक तकनीकी साधनों का उपयोग कर मोबाइल फोन बरामद किए। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मोबाइल स्वामियों को फोन सौंपे और सर्विलांस टीम को 10 हजार रुपये का पुरस्कार देकर उनकी मेहनत की सराहना की। डीसीपी सेंट्रल, अतुल कुमार श्रीवास्तव ने कहा, यह सफलता हमारी टीम की मेहनत और नागरिकों के सहयोग का परिणाम है। हम इसी तरह आम जनता की समस्याओं का समाधान करते रहेंगे।

केशव प्रसाद मौर्य ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर किया माल्यार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय कालिदास मार्ग पर छत्रपति शिवाजी महाराज व माधव सदाशिव राव गोलवलकर की जयंती पर गुरुवार को उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन दर्शन और उनके जीवन की संघर्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह पराक्रमी योद्धा व कुशल प्रशासक थे। उन्होंने कहा कि अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज का त्याग और समर्पण से देशवासियों को हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी। केशव प्रसाद मौर्य ने माधव सदाशिव राव गोलवलकर की जयंती पर उनके जीवन दर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, संगठन निर्माण एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए समर्पित रहा, जो हम सभी के लिए आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

संघ प्रमुख भागवत से मिले यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को अलग-अलग समय पर यहां निरालानगर में स्थित सरस्वती कुंज पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत से शिष्टाचार भेंट की। सरसंघचालक ने यहां संघ के प्रचारकों के साथ बैठक भी की। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बुधवार को सरसंघचालक डॉ. भागवत से भेंट की थी। दरअसल, सरसंघचालक लखनऊ में तीन दिन से प्रवास पर हैं और आज उनके प्रवास का तीसरा व अंतिम दिन है।

वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं 23 से 27 फरवरी तक

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। वेद पढ़ने वाले छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं 23 फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक होंगी। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड उज्जैन ने प्रयागराज मण्डल के लिए परीक्षा केन्द्र क्रमांक 80 झूंसी स्थित श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय को बनाया है। इस परीक्षा केंद्र पर प्रयागराज मण्डल के करीब 325 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इसमें अनुदानित वेद पाठशाला-इकाई परीक्षार्थियों की संख्या 294 है और अनुदानरहित वाह्य परीक्षा प्रणाली के अन्तर्गत 31 छात्र शामिल हैं। वेद को मुख्य विषय के रूप में पढ़ने वाले इन परीक्षार्थियों की साक्षात मौखिक परीक्षा वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा चयनित वेदाध्यापकों द्वारा सम्पन्न होगी। आधुनिक विषयों में संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विषय कम्प्यूटर, वैदिक साहित्य का इतिहास, भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा, विज्ञान, कौशल विकास 3.0 की लिखित परीक्षा होगी। प्रयागराज केन्द्र पर प्रयागराज के समस्त विद्यालयों समेत प्रतापगढ़, फतेहपुर आदि जिलों के छात्र भी परीक्षा में प्रतिभाग कर रहे हैं। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान ने केन्द्र व्यवस्थापक सामवेदाचार्य एवं प्राचार्य स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय ब्रजमोहन पाण्डेय को नियुक्त किया है। केंद्र व्यवस्थापक ब्रजमोहन पांडेय ने बताया कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षा बोर्ड से संचालित वेद भूषण एवं वेद विभूषण के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ वर्ष की लिखित एवं मौखिक परीक्षा 23 से 27 फरवरी तक होगी। लिखित परीक्षा पहली पाली सुबह 8 बजे से 11 बजे तक होगी। अपरान्ह 11 से 1 बजे तक वेद विषय की मौखिक परिक्षा होगी, दूसरी पाली में वेद की मौखिक परीक्षा दोपहर 2 बजे से सायं 7 बजे शाम तक होगी। जबकि वेद विषय ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की मौखिक परीक्षा अलग-अलग समयानुसार परीक्षकों के पैनल के सामने कराई जायेगी। इसमें कंठस्थीकरण, स्वर संचालन और उच्चारण विधाओं का परीक्षण होगा। केंद्र व्यवस्थापक ने बताया कि पूरे देश में करीब 87 परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं। वहीं प्रयागराज मण्डल में एक मात्र केंद्र इस वेद पाठशाला को बनाया गया है। हमारे केंद्र पर सीसीटीवी की निगरानी में सुचारु परीक्षा सम्पन्न कराने की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। नकल रोकने और अनुचित साधनों का प्रयोग रोकने की पुख्ता व्यवस्था की गई है। प्रयागराज के सेंटर पर परीक्षा सामग्री, कॉपियां और प्रश्न पत्र आदि पहले ही पहुंच चुके हैं। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड ने केंद्र पर्यवेक्षक, सह-केंद्र पर्यवेक्षक, केंद्र व्यवस्थापक, परीक्षकों का पैनल नियुक्त कर दिया है। परीक्षा सामग्री भी निर्धारित केंद्र पर पहुँच चुकी है और सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। परीक्षा की अन्य व्यवस्थाओं के लिये पाठशाला के संस्कृत अध्यापक शिवानंद द्विवेदी, आधुनिक विषय अध्यापक कृष्ण कुमार मिश्र, अवनी सिंह, अंजनी कुमार सिंह को भी अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उप्र के औरैया में नहर में गिरी कार, दंपति-पुत्र समेत तीन की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अछल्दा थाना क्षेत्र में बुधवार/गुरुवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में निचली गंग नहर में कार गिरने से दो पुरुषों और एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा रूराझसैफई मार्ग किनारे स्थित तुरुकपुर गांव के पास हुआ है। घटना की जानकारी गुरुवार सुबह करीब सात बजे राहगीरों ने नहर में कार के टायर दिखाई देने पर अनहोनी की आशंका पर हुई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। अछल्दा थाना प्रभारी पंकज मिश्रा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू कार्य शुरू कराया। ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर के जरिए कार को नहर से बाहर निकाला गया। कार के अंदर दो पुरुष और एक महिला फंसे हुए थे। तीनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अछल्दा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि ग्रामीणों ने नहर में कार को देखा तो तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार को नहर से बाहर निकलवाया। कार के अंदर एक महिला और दो पुरुष मृत अवस्था में मिले। मृतकों की पहचान बाबरपुर के रहने वाले राजीव कुमार पोरवाल (60), उनके पुत्र शिवम (27) तथा पत्नी मधु गुप्ता (55) के रूप में हुई है।

किसानों के मुद्दे पर सपा के सदस्यों ने विधानसभा का किया बहिर्गमन

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के दौरान कृषि और किसान के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने विधानसभा से वॉकआउट किया। प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के प्रश्नों का उत्तर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दिया। सरकार का पक्ष रखते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार है। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। सभी किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में किसानों की हर समस्या का समाधान किया जा रहा है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ में उर्वरक की कमी भी नहीं होने दी जा रही है। सरकार के पक्ष से असहमत होकर विपक्षी समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सदन का बहिर्गमन किया। समाजवादी पार्टी की सदस्य डॉक्टर रागिनी के सवाल पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह जवाब दे रहे थे। इस दौरान वह अपने विभाग द्वारा कराए गए विकास कार्यों को गिना रहे थे। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के विधानसभा क्षेत्र में कराए गए कार्यों का भी उल्लेख किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने पीठ से कहा कि आप वहां काम करने के लिए ही बैठे हैं। आप अपने कार्यों को गिनाते हुए मुझे और मेरे विधानसभा क्षेत्र का नाम ले क्यों ले रहे हैं।

विधान परिषद में मंत्री जयवीर सिंह का विपक्ष पर तंज, पढ़ लेते तो सवाल न करते

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद में वाराणसी की गंगा नदी पर संचालित सरकारी और निजी क्रूजों को लेकर उठे सवालों का विस्तार से जवाब देते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और तथ्यों की अनदेखी कर प्रश्न उठाना उचित नहीं है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने वाराणसी में गंगा नदी पर चल रहे सरकारी व प्राइवेट क्रूजों की संख्या, उनके संचालन के मानक तथा संबंधित विवरण सदन की मेज पर रखने की मांग की थी। मंत्री ने न केवल विस्तृत उत्तर दिया, बल्कि विपक्ष पर पर्याप्त जानकारी के अभाव में सवाल खड़े करने का आरोप भी लगाया। सदस्य ने पूछा कि जनपद वाराणसी में कितने सरकारी और निजी क्रूज संचालित हो रहे हैं, उनके संचालन के मानक क्या हैं और क्या इसका विवरण सदन के पटल पर रखा जाएगा? इसके जवाब में मंत्री ने स्पष्ट किया कि वाराणसी में 05 सरकारी और 02 निजी क्रूज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इनके संचालन के मानक भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण तथा उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किए गए हैं, जिनका पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक विवरण उपलब्ध है और जानकारी साझा करने में कोई आपत्ति नहीं है। जानकारी पढ़ लेते तो सवाल न करते चर्चा के दौरान आशुतोष सिन्हा ने उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थिति पर अतिरिक्त जानकारी मांगी। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 6 दिसंबर 2023 को अधिसूचना जारी कर उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का विधेयक पारित किया गया, जिसमें परिवहन विभाग को नोडल बनाया गया। इसके बाद 6 दिसंबर 2024 से अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गई। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि इस संबंध में अखबारों और न्यूज चैनलों में व्यापक जानकारी दी जा चुकी है, अगर आशुतोष जी थोड़ा पढ़ लेते तो यह सवाल न करते। उनके इस बयान से सदन में राजनीतिक तापमान बढ़ गया। पर्यटन आंकड़ों के जरिए साधा सियासी निशाना मंत्री ने विपक्ष को घेरते हुए पर्यटन के आंकड़े भी पेश किए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले पिछली सरकार के कार्यकाल में वाराणसी में 5 लाख 44 हजार 355 भारतीय और 3 लाख 34 हजार 860 विदेशी पर्यटक आए थे, जबकि वर्तमान समय में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ 27 लाख 52 हजार 631 से अधिक हो चुकी है। उन्होंने इस वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को दिया। मंत्री ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूरे प्रदेश के आध्यात्मिक और धार्मिक नगर पर्यटन के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

विपक्ष की आवाज दबाने के लिए दमनकारी नीतियां अपना रही भाजपा सरकार-अजय राय

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध करना प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है, किंतु प्रदेश की भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए लगातार दमनकारी नीतियां अपना रही है। कांग्रेस कार्यकताओं पर लाठीचार्ज कर सरकार ने अपनी तानाशाही प्रवृत्ति का परिचय दिया है, जिसे कांग्रेस का कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेगा। गौरतलब है कि 17 फरवरी को मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस पार्टी विधानसभा का घेराव करने पहुंचीं थी, तभी प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसजनों पर पुलिस प्रशासन ने लाठीचार्ज किए, जिसमें कांग्रेस के शीर्ष नेताओं समेत कई कार्यकर्ता चोटिल हो गए थे। इसके विरोध में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में कांग्रेसजनों ने आज कांग्रेस मुख्यालय, लखनऊ स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर सत्याग्रह कर प्रदेश की योगी सरकार के बर्बरता के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। इस कार्यक्रम में राज्यसभा में उपनेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी, उ0प्र0 कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ह्यमोनाह्ल, विधायक वीरेन्द्र चौधरी, रूद्र दमन सिंह बबलू, अमित श्रीवास्तव त्यागी शामिल रहे। इस मौके पर श्री राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। आज का यह सत्याग्रह उसी लोकतांत्रिक परंपरा का प्रतीक है। यदि सरकार ने अपनी दमनकारी कार्रवाई बंद नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन छेड़ने को बाध्य होगी। अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार ना सिर्फ किसान मजदूर विरोधी है बल्कि इस देश की मूल लोकतांत्रिक भावना के विरोध में है। अभी सरकार सिर्फ दुर्भावना से ग्रसित होकर मदरसों की जांच करा रही है जो इनकी तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा है। इस मौके पर राज्यसभा में उपनेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार के इशारे पर प्रदर्शन के दो दिन पूर्व से ही पुलिस प्रशासन द्वारा कांग्रेस कार्यकताओं को प्रदर्शन में शामिल न होने देने के लिए कानूनी नोटिस देना, हाउस अरेस्ट करना एवं उन्हें रास्तों में जबरन रोका जाना यह दर्शाता है कि वर्तमान सरकार कांग्रेस से डरी हुई है और तानाशाही रवैया अपनाते हुए अपनी विफलता को छुपाने का कार्य कर रही है। इस मौके पर पूर्व विधायक सतीश अजमानी, इन्दल रावत, फूल कुंवर, पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, कै0 बंशीधर मिश्रा, राजेशसिंह काली, अरशी रजा, मुनीष चौधरी, पुष्पेन्द्र सिंह, निहारिका सिंह, ललन कुमार, जितेन्द्र सिंह, रज्जन आचार्च, एफ0एस0 चर्चिल, राजेन्द्र पाण्डेय उपस्थित रहे।

बलिया में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, पांच आरोपितों पर केस दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र में पांच युवकों पर एक किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पीड़िता के परिजनों की ओर से दी गई तहरीर पर गांव के ही पांच युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि गड़वार थाने की पुलिस को बुधवार शाम को सूचना दी गई कि थाना क्षेत्र के एक गांव में 15 फरवरी की शाम को शौच करने बाहर गई 15 वर्षीय किशोरी के साथ उसके गांव के ही पांच युवक पकड़कर सुनसान स्थान पर ले गए। जहां उन्होंने किशोरी को डरा-धमका कर सामूहिक दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने वाले पांच में से चार युवकों को किशोरी पहचानती है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर चार नामजद और एक अज्ञात के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने फारेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने में लगी है। पीड़िता समेत अन्य लोगों से पूछताछ जारी है। साथ ही आरोपितों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी।

हल्दी, अदरक और बीजीय मसाला उत्पादन के किसानों ने सीखे गुर

प्रात : किरण संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के उद्यान महाविद्यालय द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय, कालीकट द्वारा वित्तपोषित इस कार्यक्रम का आयोजन झांसी के उद्यानिकी प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र, बरुआ सागर में किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य विषय बुंदेलखंड में हल्दी, अदरक एवं बीजीय मसालों की उन्नत खेती रहा। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता बरुआसागर एवं आसपास के गांवों से आए 100 से अधिक प्रगतिशील पुरुष एवं महिला कृषकों की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने आधुनिक खेती के गुर सीखने में विशेष उत्साह दिखाया। मुख्य अतिथि, डॉ. बी.पी. सिंह (प्रभारी केंद्र) ने अपने संबोधन में कहा कि बुंदेलखंड की जलवायु औषधीय और मसाला फसलों के लिए वरदान है। उन्होंने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा, परंपरागत खेती के साथ यदि किसान वैज्ञानिक पद्धति से मसालों की खेती अपनाएं, तो कम लागत और कम पानी में भी अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. निशि राय प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र ने महिला किसानों की बढ़ती संख्या पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि हल्दी और अदरक का प्रसंस्करण कर ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा कर सकती हैं। मुख्य परियोजना अन्वेषक एवं अधिष्ठाता, डॉ. सत्य व्रत द्विवेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य बुंदेलखंड के प्रत्येक किसान तक उन्नत किस्मों को पहुँचाना है। उन्होंने जोर दिया कि हल्दी और अदरक की खेती में वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर किसान कंद सड़न जैसी बीमारियों से बच सकते हैं। सह-परियोजना अन्वेषक, एवं अध्यक्ष कृषि प्रसार विभाग डॉ. भानु प्रकाश मिश्रा ने कहा कि, तकनीक का लाभ तभी है जब वह सीधे किसान के खेत तक पहुँचे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हल्दी, अदरक और बीजीय मसालों (धनिया, सौंफ आदि) की नई किस्मों और तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने की एक कड़ी है। तकनीकी सत्र और विशेषज्ञ परामर्श कार्यक्रम में पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका यादव ने हल्दी और अदरक के बीज शोधन की बारीकियों को समझाया, जबकि कीट वैज्ञानिक डॉ. निर्वेष सिंह ने बीजीय मसालों में लगने वाले कीटों के जैविक नियंत्रण के गुर सिखाए। मंडी आढ़तिया डॉ. मनोज कुमार कुशवाहा ने बाजार की मांग और बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए ग्रेडिंग के महत्व को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण केंद्र के प्रभारी डॉ. श्रीनारायण ने किया।

बरेली में कैंट बोर्ड की पहल : अधिकारी वोकल फॉर लोकल के लिए कुम्हार के घर पहुंचे

प्रात : किरण संवाददाता

बरेली । उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली में स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक कारीगरों को प्रोत्साहन देने की दिशा में गुरुवार को बरेली कैंटोनमेंट बोर्ड की ओर से सराहनीय पहल की गई। बोर्ड की टीम ने शहर के एक कुम्हार परिवार के घर पहुंचकर उनके कार्यस्थल का निरीक्षण किया और मिट्टी के दीयों व अन्य मृद्भांडों के निर्माण कार्य को करीब से देखा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद कारीगर परिवार सैकड़ों दीये तैयार कर रहा है। धूप में सूखते दीयों की लंबी कतारें और पूरे परिवार की मेहनत व लगन ने टीम को प्रभावित किया। अधिकारियों ने निर्माण की पूरी प्रक्रिया समझी और कारीगरों के पारंपरिक हुनर की सराहना की। इस मौके पर अधिकारियों ने कारीगरों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। कारीगरों ने विपणन के अभाव, कच्चे माल की बढ़ती लागत और आर्थिक तंगी जैसी चुनौतियां सामने रखीं। इस पर कैंट बोर्ड की सीईओ तनु जैन ने आश्वासन दिया कि आगामी हस्तशिल्प प्रदर्शनियों, मेलों और सामुदायिक आयोजनों में स्थानीय कारीगरों को प्राथमिकता दिलाई जाएगी, जिससे उन्हें बड़ा बाजार और बेहतर मंच मिल सके। बोर्ड प्रतिनिधियों ने कहा कि पारंपरिक शिल्पकला का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार को भी मजबूती देता है। ह्यवोकल फॉर लोकलह्ल की भावना के अनुरूप शुरू की गई यह पहल कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय स्तर पर मिली इस प्रोत्साहन से कुम्हार परिवारों के चेहरे पर उम्मीद की नई रोशनी दिखाई दे रही है।

वाराणसी:विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में सत्याग्रह

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। मनरेगा बचाने सहित विभिन्न मामलों को लेकर बीते मंगलवार को लखनऊ में विधान भवन का घेराव करने जा रहे कांग्रेस के नेताओं और पदाधिकारियों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर सियासत उबलने लगी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गुरूवार को पूरे प्रदेश में आंदोलन के क्रम में वाराणसी में भी कार्यकताओं ने मैदागिन टाउनहाल में गांधी प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह (धरना)पर बैठे। सत्याग्रह के दौरान पार्टी के स्थानीय जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल और महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि लखनऊ में पार्टी के कार्यकताओं के ऊपर हुई लाठीचार्ज के खिलाफ कार्यकर्ता सत्याग्रह पर बैठे है। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि लखनऊ में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित कार्यकताओं पर पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिसमें कई नेता और कार्यकर्ता घायल हो गए। आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए प्रदेश भर के अलग-अलग जिलों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी लखनऊ पहुंचे। हालांकि, तमाम जिलों में नेताओं को पुलिस ने एहतियातन नजरबंद भी कर लिया था। यह कार्रवाई सरकार के इशारे पर की गई। इस घटना के बाद से पार्टी कार्यकताओं में आक्रोश है। प्रदेश भर में इसके खिलाफ विरोध दर्ज कराया जा रहा है। केन्द्र और प्रदेश सरकार को निशाने पर लेकर महानगर अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार सबको है और शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है, सरकार तानाशाही पर उतर आई है।

बलिया के एक घर में किन्नर और युवक की लाश मिली, हत्या और आत्महत्या के बीच उलझी गुत्थी

प्रात : किरण संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में गुरुवार सुबह एक घर से दो लोगों के शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। पुलिस आशंका जता रही है कि युवक ने पहले एक किन्नर की हत्या की और बाद में आत्महत्या कर ली। पुलिस अब सभी पहलुओं की जांच में जुटी है। गुरुवार सुबह बैरिया थाने की पुलिस को सूचना मिली कि 28 वर्षीय रवि गुप्ता पुत्र विजय गुप्ता निवासी रानीगंज द्वारा अपने घर में आत्महत्या की गई है। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा। वहीं घर की तलाशी के दौरान ऊपरी मंजिल में दो दिनों लापता रानीगंज कस्बा में किराए पर रह रहे 62 वर्षीय रेखा किन्नर की खून से लथपथ लाश मिली। उल्लेखनीय है कि रानीगंज के किन्नरों ने रेखा किन्नर की गुमशुदगी की रिपोर्ट बैरिया थाने पर दर्ज करायी थी। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि 17 फरवरी से लापता किन्नर की तलाश चल ही रही थी कि आज सुबह बैरिया इंस्पेक्टर को जानकारी मिली कि विजय गुप्ता के बेटे रवि गुप्ता ने आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे घर की खोजबीन की तो तीन मंजिले घर की छत पर पालीथीन में लिपटी रेखा किन्नर की भी लाश मिली। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के अनुसार रेखा किन्नर अंतिम बार विजय गुप्ता के घर जाते दिखाई दिए थे लेकिन घर बाहर जाते समय का कोई वीडियो नहीं है। रेखा के साथी किन्नरों ने विजय गुप्ता, उनके आत्महत्या कर लेने वाले पुत्र रवि और बहू समेत परिवार के अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

बिजनौर में गंगा बैराज का रावली तटबंध सुरक्षित रखने की तैयारी तेज, IIT कानपुर की टीम ने किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर। जनपद बिजनौर स्थित गंगा बैराज का रावली तटबंध, जो पिछले वर्ष बरसात के दौरान टूटने की कगार पर पहुंच गया था, इस बार प्रशासन की विशेष तैयारी और तकनीकी निगरानी में सुरक्षित रखने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। तटबंध की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए IIT KÔ >> >> fpur की विशेषज्ञ टीम और बैराज यांत्रिक अनुरक्षण खंड के इंजीनियरों ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। पिछले वर्ष भारी वर्षा और गंगा नदी में बढ़े जलस्तर के कारण तटबंध पर अत्यधिक दबाव बन गया था। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि प्रशासनिक अधिकारियों और तकनीकी टीमों को लगातार मौके पर रहकर आपात कार्य करने पड़े। समय रहते किए गए प्रयासों से तटबंध को टूटने से बचा लिया गया था, जिससे एक बड़े हादसे की आशंका टल गई। विशेषज्ञों ने निरीक्षण के दौरान पाया कि गंगा नदी में लगातार जमा हो रही सिल्ट (गाद) तटबंध के लिए खतरा पैदा कर रही है। सिल्ट के कारण नदी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित होता है और पानी का दबाव तटबंध की ओर बढ़ जाता है। टीम ने तटबंध की संरचना, मिट्टी की स्थिति और जल प्रवाह का गहन अध्ययन करते हुए सिल्ट की नियमित सफाई कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान बैराज के यांत्रिक उपकरणों की भी जांच की गई, ताकि किसी भी आपात स्थिति में उनका सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आगामी बरसात को देखते हुए तटबंध की सुरक्षा के लिए व्यापक योजना तैयार की गई है। इसके तहत नियमित निगरानी, सिल्ट सफाई और आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट रखा जाएगा। साथ ही तटबंध के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को भी सतर्क रहने और किसी भी असामान्य स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग और समय पर किए जा रहे कार्यों से तटबंध की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, जिससे भविष्य में किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सके।

तहसील निरीक्षण में डीएम सख्त, लंबित वादों में देरी पर वेतन रोकने के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। निधि गुप्ता वत्स ने गुरुवार को अमरोहा तहसील का वार्षिक निरीक्षण कर विभिन्न न्यायालयों व अनुभागों की कार्यप्रणाली का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबित राजस्व वादों के निस्तारण में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया।निरीक्षण की शुरूआत न्यायालय तहसीलदार से हुई, जहां धाराओं में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पाया कि कई मामलों की मॉनिटरिंग ठीक ढंग से नहीं की जा रही है। इस पर उन्होंने पेशकार एसडीएम न्यायालय श्री अनिरुद्ध कुमार से स्पष्टीकरण जारी करने तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होने तक उनका वेतन आहरित न करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक फाइल का एक ही नंबर हो और सभी प्रकरण निर्धारित समय-सीमा में निस्तारित किए जाएं। तहसीलदार न्यायालय में भी अभिलेख अद्यतन न मिलने पर संबंधित पेशकार का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। वहीं राजस्व निरीक्षक (कार्यालय) श्री महाराणा प्रताप द्वारा किए जा रहे कार्यों की जिलाधिकारी ने सराहना की। संग्रह अनुभाग में लंबित आरसी वसूली की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पुराने लंबित राजस्व वादों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व मामलों का निपटारा निर्धारित दायरे और समय-सीमा में किया जाना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त सर्विस बुक अपूर्ण पाए जाने पर जिलाधिकारी ने 15 मार्च तक सभी अभिलेख अपडेट करने, प्रत्येक सर्विस बुक पर रंगीन फोटो लगाने और कार्य पूर्ण होने की सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती तहसीलदार, तहसीलदार विजय श्याम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिजनौर में 20-21 फरवरी को लगेगा परिवहन मेला, OTT कर नियमों की मिलेगी जानकारी

बिजनौर। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) बिजनौर ने बताया कि परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद में दो दिवसीय परिवहन मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला दिनांक 20 एवं 21 फरवरी 2026 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक उप-सम्भागीय परिवहन कार्यालय परिसर, बिजनौर में आयोजित होगा। परिवहन मेले में दो पहिया मोटरयान, तिपहिया मोटर कैब, ई-रिक्शा, मोटर कैब, मैक्सी कैब, हल्के भार वाहन (7500 किलोग्राम तक) तथा सन्निर्माण उपस्कर यान एवं विशेष प्रयोजन वाहनों के स्वामियों को एकमुश्त कर (ओटीटी) व्यवस्था से संबंधित नियमों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार मेले में वाहन स्वामियों एवं ट्रांसपोर्ट संगठनों को कर निर्धारण की प्रक्रिया, कर गणना, भुगतान की विधि एवं निर्धारित समय सीमा के बारे में विस्तार से अवगत कराया जाएगा। इसके साथ ही मौके पर उपस्थित वाहन स्वामियों की समस्याओं का नियमानुसार समाधान कर कर भुगतान एवं समायोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने जनपद के सभी वाहन स्वामियों एवं आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर परिवहन मेले का लाभ उठाएं और कर संबंधी आवश्यक जानकारी प्राप्त करें।

रहमतों के साये में शुरू हुए रमजान पहले रोजे पर इबादत में डूबे रोजेदार

अमरोहा। शहर और आसपास के इलाकों में पवित्र रमजान माह का पहला रोजा अकीदत और धार्मिक उल्लास के साथ रखा गया। सुबह सेहरी के बाद रोजेदारों ने पूरे दिन सब्र और परहेज के साथ रोजा रखा तथा इबादत, कुरान पाक की तिलावत और दुआओं में समय बिताया। शाम को अजान होते ही लोगों ने खजूर और पानी से रोजा इफ्तार किया, जिससे पूरे माहौल में धार्मिक उत्साह दिखाई दिया। रमजान के पहले दिन मस्जिदों में तरावीह की नमाज के लिए नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। नमाज के दौरान लोगों ने खुदा की बारगाह में सर झुकाकर देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी। देर रात तक मस्जिदों में इबादत का सिलसिला जारी रहा। जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया।घरों में महिलाओं ने भी पूरी श्रद्धा के साथ नमाज और तिलावत कर परिवार की सलामती और समाज में शांति की दुआ की। बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। कई छोटे बच्चों ने अपना पहला रोजा रखकर रमजान की परंपरा में भागीदारी निभाई, जिस पर परिजनों ने उनका हौसला बढ़ाया। इफ्तार के समय घरों में खजूर, फल, शरबत और विभिन्न व्यंजनों से दस्तरखान सजाए गए। लोगों ने जरूरतमंदों को इफ्तार कराकर इंसानियत और भाईचारे की मिसाल भी पेश की। धार्मिक जानकारों ने रमजान को रहमत, सब्र और नेकी का महीना बताते हुए अधिक से अधिक इबादत, जकात और जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की है।

कोर्ट में गवाही देने पर जान से मारने की धमकी दी, रिपोर्ट दर्ज

लोनी। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक को चाकू मारने के मामले में आरोपी ने कोर्ट में गवाही देने पर जान से मारने व उसकी सैलून की दुकान में आग लगाने की धमकी दी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की अमित विहार कॉलोनी में रहने वाले प्रेम उबर में कार चलाते है। वह 28 जनवरी को शाम के समय कार लेकर घर लौट रहे थे। कॉलोनी स्थित टोल टैक्स के पास बाइक सवार तीन युवकों रिंकू, टिंकू व अंकुर से विवाद हो गया था।

डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा ने दिए आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी के निर्देश

यूपीएचसी स्योहारा में समीक्षा बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा ने बुधवार देर शाम स्योहारा स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में समीक्षा बैठक कर पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने इक्र ऑपरेटर आईडी के माध्यम से कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को ब्लॉक के शेष पात्र लाभार्थियों के कार्ड जल्द से जल्द बनाकर शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नोडल अधिकारी ने बताया कि ब्लॉक स्योहारा में 82,248 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 50,532 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जबकि 31,716 कार्ड अभी बनना शेष हैं।सरकार द्वारा 25 नवंबर 2025 से विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जो अप्रैल 2026 तक जारी रहेगा।बैठक में आशा कार्यकर्ताओं को पुनः प्रशिक्षण देकर मोहल्ला-वार सूची उपलब्ध कराई गई तथा पात्र लाभार्थियों का शीघ्र पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए। पात्र परिवारों में एसईसीसी-2011 सूचीबद्ध परिवार, फैमिली आईडी धारक, अंत्योदय राशन कार्ड धारक, श्रमिक कार्डधारक, पत्रकार, आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। इस अवसर पर यूपीएचसी प्रभारी डॉ. मीनाक्षी सिसोदिया, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, एआरओ आलोक कुमार, आयुष्मान मित्र शिवम चौहान सहित स्वास्थ्य विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

ओरा-2026 में विम्स का शानदार प्रदर्शन 23 पदक जीतकर बढ़ाया मान

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आर्मी मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित चार दिवसीय ऑल इंडिया स्पोर्ट्स एवं कल्चर फेस्टिवल ओरा-2026 में आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज में वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (विम्स) के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 23 पदक अपने नाम किए। इसमें 9 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के 80 से अधिक सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों–जिनमें एम्स, लेडी हार्डिंग, मौलाना आजाद, पीजीआई, यूसीएमएस और आरएमएल जैसे संस्थान शामिल थे–के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही। विम्स के प्रतिभागियों ने सिंगिंग, डिबेट, पेंटिंग, डांसिंग, नुक्कड़ नाटक, भाषण, कार्टून मेकिंग तथा खेलों में वॉलीबॉल, बैडमिंटन और फुटबॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में एकल

नृत्य में अनुजा ने प्रथम, अनिकेत पंत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि युगल नृत्य में अनुजा और अनिकेत की जोड़ी प्रथम रही। एकल पाश्चात्य गायन में नियति तोमर प्रथम रहीं। नुक्कड़ नाटक, फैशन शो और वॉलीबॉल में विम्स टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि फुटबॉल में टीम उपविजेता रही। विजेताओं को समारोह में भारतीय सेना आर्मी मेडिकल कोर की डीन डॉ. शर्मिला डुडानी, मुख्य अतिथि मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. सुरेंद्र मोहन तथा एसीएमएस के कुलसचिव कर्नल डॉ. ए.के. सिंह ने मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने इसे गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि छात्र चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। वहीं प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि विम्स के विद्यार्थी समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और प्रतिभा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

विद्यालय प्रबंध समिति प्रशिक्षण कार्यशाला में बताए गए दायित्व और योजनाओं के क्रियान्वयन के गुर

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। ब्लॉक बुढ़नपुर क्षेत्र में गुरुवार 19 फरवरी को विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) के अध्यक्षों एवं सचिवों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर हर्षवर्धन शर्मा, यादराम सिंह, सपना सक्सेना और आभा शर्मा ने प्रतिभागियों को विद्यालय प्रबंध समिति की भूमिका, जिम्मेदारियों और अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समिति विद्यालय के समग्र विकास, छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने, संसाधनों के सही उपयोग तथा शैक्षिक गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मास्टर ट्रेनरों ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षिक योजनाओं के तकनीकी पहलुओं, उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया और पारदर्शिता बनाए रखने

के तरीकों पर भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए और विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति स्कूल और समुदाय के बीच सेतु का कार्य करती है। उन्होंने समिति सदस्यों को वित्तीय दायित्वों, अभिलेख संधारण तथा योजनाओं के प्रभावी संचालन के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समिति अध्यक्ष, सचिव एवं शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत थाना परिसर में अमन कमेटी की बैठक

● भाईचारे एवं शांतिपूर्वक मनाये त्योहार : डॉक्टर विनीत देवरा

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा।आने वाले होली के पर्व एवं चल रहे माह ए रमजान के त्यौहार को शांति व्यवस्था के साथ सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से थाना स्योहारा प्रांगण में कार्यवाहक थाना प्रभारी एवं इंस्पेक्टर क्राइम दिनेश सिंह व वरिष्ठ पुलिस उपनिरीक्षक सुरजीत सिंह ने अमन कमेटी का आयोजन कराया। अमन कमेटी की मीटिंग की अध्यक्षता शहर इमाम मौलाना मौहम्मद कामिल ने की तथा संचालन पत्रकार इकबाल रूमानी ने किया। थाना क्षेत्र से मीटिंग में आये अपने सभ्रांत लोगो ने अपने अपने वक्तव्य में उपस्थित सभी धर्मों के लोगो तथा क्षेत्र की जनता से कानून व्यवस्था बनाने की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही कानून व्यवस्था बनाई जाती है और भाईचारा कायम कराया जाता है उन्होंने विश्वास जताया कि हर साल की तरह इस बार भी यहां की जनता होली के रंग का जुलूस आपसी भाईचारे और प्रेम के साथ शांतिपूर्वक संपन्न कराएगी। क्योंकि स्योहारा का आपसी भाईचारा पूरे जनपद में मशहूर है। वहीं दूसरी ओर पुलिस अधिकारियों ने असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी ने भी रंग में भंग डालकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की तो उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी जिसको वे हमेशा याद रखेंगे। अमन कमेटी की मीटिंग में उपस्थित हुए व्यक्तियों ने भी शासन प्रशासन को होली और अन्य त्योहारो पर भी पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता डॉक्टर विनीत कुमार देवरा, समाजसेवी एवं सभासद सहसपुर मुईद अहमद, मौलाना अरशद हक्की, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज भटनागर, डॉक्टर यगदत्त गौड़, राजवीर त्यागी, मौ.अकरम सभासद, वसीम अहमद सभासद, मोन्टी बंसल, राजपाल सिंह प्रजापति, मास्टर विजय पाल, अरविंद कुमार, त्रिवेंद्रम शर्मा प्रधान राम खेड़ा, अमित वर्मा, केशव त्यागी ,नवाब अली आदि सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों सहित उपनिरीक्षक राजेश कुमार, उपनिरीक्षक सहसपुर चौकी प्रभारी यश देव शर्मा, उप निरीक्षक उमेश चंद ,उप निरीक्षक असकार खान, उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, चंद्रपाल सिंह इंटेलिजेंस प्रभारी स्योहारा, कानूनगो स्योहारा चंद्र प्रकाश, लेखपाल अनिल कुमार तथा हेड मोहर्रिर अंकित कुमार, कांस्टेबल लोकेश मलिक , कांस्टेबल अमजद अली आदि सहित अन्य पुलिस कर्मचारी गण स्टाफ मौजूद रहा।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, योगी सरकार पर तानाशाही के आरोप

● लाठीचार्ज के विरोध में गांधी प्रतिमा पर धरना, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निर्देश पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी अमरोहा के पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शहर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष एकत्रित कांग्रेस कार्यकताओं ने 17 फरवरी को लखनऊ विधानसभा घेराव के दौरान हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी सदर को सौंपते हुए प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को बर्खास्त करने की मांग की।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी मूर्ति से रेलवे स्टेशन की ओर रेल रोकने के लिए बढ़ रहे थे, जिन्हें पुलिस बल ने बीच रास्ते में रोक दिया। मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर ने ज्ञापन लेकर स्थिति को शांत कराया। जिला अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो जल्द ही रेल रोको आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर ओमकार सिंह कटारिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लोकतंत्र के बजाय तानाशाही चल रही है। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और नौजवान अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सरकार पुलिस बल के सहारे उनकी आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। विरोध प्रदर्शन में चौधरी सुखराज सिंह, फैज आलम राईनी, शाहिद सिद्दीकी, मेराजुल जफर, राजकुमार अरुण, डॉ. मुशर्रफ खान, इमरान प्रधान, अमित गुर्जर, अतिया नकवी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोनी में परवान चढ़ रहा है अवैध रूप से डीजल-पेट्रोल बेचने का गोरखधंधा

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। जिम्मेदारों की ढिलाई के चलते आजकल लोनी क्षेत्र में अवैध रूप से डीजल-पेट्रोल बेचने का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। स्थानीय लोगों ने इस धंधे के परवान चढ़ने का आरोप पुलिस प्रशासन पर लगाया है। उनका कहना है कि उक्त अवैध धंधे से जुड़े लोग पुलिस से सांठगांठ कर खुले पेट्रोलियम पदार्थ को साग-सब्जी की तरह धड़ल्ले के साथ बेच रहे हैं। सूत्रों की माने तो चंद पैसो के लालच में इस धंधे से जुड़े लोग इसमें केरोसिन या ऐसे किसी अन्य पदार्थ का उपयोग करते हैं और इस तरह यह मिलावटी तेल वाहनों के कलपुर्जों को भारी नुकसान पहुंचाने का काम करता है। लोनी क्षेत्र में जहां दिल्ली-सहारनपुर मार्ग के दोनों ओर लगभग 8 किमी दूरी तक अवैध रूप से पेट्रोल और डीजल बेचने वाले ऐसे दुकानदारों की भरमार है वही दूसरी ओर खजूरी पुस्ता या लोनी-बंथला मार्ग की और नजर डालें तो वह भी इससे अछूते नहीं है। पेट्रोल बेचने के उक्त अवैध कारोबार में संलिप्त ऐसे दुकानदार किसी मजबूर वाहन चालक से सरकारी दामों से भी अधिक अपनी मनमर्जी के दाम वसूलने से भी नहीं चूकते हैं. जिनमें नाबालिग भी शामिल है। गुणवत्ता की नहीं होती कोई गारंटी अफसोस की बात तो यह है कि क्षेत्र में गैर कानूनी रूप से पेट्रोलियम पदार्थ बेचने का धंधा करने वाले इन दुकानदारों से जरूरतमंदों द्वारा सरकारी रेट से भी अधिक दाम देकर खरीदे गए इस पेट्रोल की गुणवत्ता की भी कोई गारंटी नहीं होती है। यही कारण है कि ऐसे पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाले लोगों के वाहनों का इंजन अक्सर खराब हो जाता है और इस तरह जहां उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है वहीं दूसरी ओर उनके वाहन समय से पहले ही दम तोड़ देते हैं। पुलिस पर मिली भगत का आरोप पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न मानको को पूरा करते हुए वहां ऐसे संसाधनों की व्यवस्था रखनी होती है ताकि किसी भी आपत्ति के समय उसपर काबू पाया जा सके। मगर लोनी में सभी सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर यहा विभिन्न स्थानों पर पेट्रोलियम पदार्थ बेचने का यह अवैध धंधा खुलेआम संचालित है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यदि आप लोनी में किसी भी स्थान पर पेट्रोलियम पदार्थ बेचने का धंधा करना हैं तो आप बिना किसी डर भय के कर सकते हैं। मगर उसके लिए पुलिस की अनुमति जरूरी है। जिसकी एवज में आपको उन्हें प्रतिमाह एक तय रकम नजराने के तौर पर देनी होगी। -सड़कों के किनारे पेट्रोलियम पदार्थ बेचने का धंधा निश्चित तौर पर गैरकानूनी है। विगत दिनों ऐसे एक दर्जन से भी अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था। इस तरह की शिकायतें फिर मिल रही है, जल्दी ही ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

64 साल बाद कॉलेज की जमीन कब्जा मुक्त : बुलडोजर कार्रवाई भूमाफियाओं से किराया वसूली और मुकदमे की तैयारी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। अफजलगढ़ स्थित राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज अफजलगढ़ की बहुमूल्य भूमि को राजस्व विभाग ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कब्जा मुक्त करा दिया। यह कार्रवाई धामपुर तहसील प्रशासन के नेतृत्व में पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर की गई। कब्जा हटने के बाद जमीन कॉलेज प्रशासन को सौंप दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अफजलगढ़झकालागढ़ मार्ग स्थित गाटा संख्या 355 की इस भूमि पर शमीम अंसारी, रहमतुल्ला अंसारी, अफसार अंसारी, नौशाद अंसारी सहित अन्य लोगों ने पिछले लगभग 64 वर्षों से अवैध कब्जा कर दुकानें बना रखी थीं। इस संबंध में कॉलेज प्रशासन और कब्जाधारियों के बीच न्यायालय में वाद संख्या 118/2015 (शमीम बनाम सरकार) विचाराधीन था, जिसमें 16 अक्टूबर 2025 को न्यायालय ने फैसला कॉलेज के पक्ष में सुनाया था। कॉलेज के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार चौहान, कार्यवाहक प्रधानाचार्य नितिन कुमार चौहान और समाजसेवी हाजी मोहम्मद रिजवान कुरैशी द्वारा लगातार शिकायत और नोटिस देने के बावजूद कब्जाधारियों ने भूमि खाली नहीं की। इसके बाद तहसीलदार धनराज सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग, नगर पालिका और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार धनराज सिंह, अधिशासी अधिकारी एसपी सिंह, कानूनगो योगेंद्र कुमार, लेखपाल गौरव कुमार, प्रमोद कुमार, पुलिस निरीक्षक विजेंद्र सिंह राठी सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। 64 साल का किराया और मुकदमे का खर्च भी वसूला जाएगा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कब्जाधारियों से 64 वर्षों का बकाया किराया, अवैध कब्जे से अर्जित आय और मुकदमे का खर्च भी वसूला जाएगा। साथ ही संबंधित भूमाफियाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वसूली गई धनराशि सरकारी खजाने में जमा कराई जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है, वहीं कॉलेज प्रशासन और स्थानीय लोगों ने भूमि मुक्त कराने पर संतोष व्यक्त किया है।

हाथी के हमले में 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

● अमानगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे गांव की घटना, क्षेत्र में दहशत

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। बिजनौर जनपद के रेहड़ क्षेत्र में गुरुवार को जंगली हाथी के हमले में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। घटना अमानगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे ग्राम छजमलगढ़ वाला की है। हादसे के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम छजमलगढ़ वाला निवासी लगभग 80 वर्षीय बुजुर्ग सुबह अपने घर से खेत की ओर गए थे। इसी दौरान जंगल से निकलकर आए एक जंगली हाथी ने उन पर अचानक हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाथी ने बुजुर्ग को पटक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को जंगल क्षेत्र की ओर अकेले न जाने और सतर्क रहने की सलाह दी है। ग्रामीणों का कहना है कि अमानगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र से जंगली हाथियों का आबादी की ओर आना लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने तथा जंगली हाथियों की आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिजनौर की कंडवाश्रम नर्सरी में दैनिक वन श्रमिक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद बिजनौर के वन विभाग की कंडवाश्रम नर्सरी में कार्यरत एक दैनिक वन श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिजनों ने साथी वन कर्मियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंडवाश्रम नर्सरी पर तीन वन श्रमिक कार्यरत थे। शुक्रवार की रात करीब 10 बजे दैनिक श्रमिक सुरेंद्र सिंह की अचानक गिरने से मौत हो गई। घटना की सूचना साथी वन कर्मियों द्वारा उनके परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन ग्रामीणों के साथ नर्सरी पहुंच गए और वहां मौजूद वन कर्मियों रामगोपाल एवं महेंद्र पर सुरेंद्र सिंह की हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान गुस्साए लोगों ने वन कर्मियों के साथ मारपीट भी की। सूचना पर पहुंचे बिजनौर वन रेंज अधिकारी महेश कुमार गौतम ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए दोनों वन कर्मियों को पुलिस सुरक्षा में दे दिया तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। वन कर्मियों ने बताया कि सुरेंद्र सिंह घर से शराब पीकर आया था और नर्सरी में अचानक गिर गया, जिसके बाद उन्होंने परिजनों को सूचना दी। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सुरेंद्र सिंह की मौत का कारण हृदय गति रुकना बताया गया है, लेकिन परिजन इस रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हुए। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को एंबुलेंस में रखकर बिजनौर वन रेंज अधिकारी कार्यालय के गेट पर पहुंच गए और न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। मामले की सूचना पर कोतवाली शहर प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाकर शांत कराया। पुलिस व वन विभाग के अधिकारियों के समझाने के बाद परिजन शव को अपने गांव ले गए, जहां अंतिम संस्कार की तैयारी की गई। पुलिस का कहना है कि मामले में परिजनों की तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026

'रागिनी 3' में तमन्ना भाटिया संग मिलकर डराएंगे जुनैद खान

फिल्म 'रागिनी 3' को शशांक घोष डायरेक्टेड करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर मेकर्स ने जानकारी साझा की है। इसमें तमन्ना भाटिया के अपोजिट कौन हीरो है? फिल्म में उनकी जोड़ी किसके साथ बन रही है?

आमिर खान के बेटे जुनैद संग बनेगी तमन्ना की जोड़ी

'रागिनी 3' में जुनैद खान तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद ने इससे पहले 'लवयापा' जैसी रोमांटिक फिल्म की थी। अब वह हॉरर फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। इसमें तमन्ना और वह दमदार किरदारों में नजर आएंगे। 'रागिनी' सीरीज की फिल्मों में रोमांस, धोखा और हॉरर का डोज दर्शकों को दिया जाता है, ऐसा ही कुछ तीसरी कड़ी में भी देखने को मिलेगा।

फिल्म 'रागिनी 3' में शामिल उम्दा टीम

तमन्ना भाटिया और जुनैद की इस फिल्म में एक उम्दा टीम शामिल है। साहिर रजा इस प्रोजेक्ट का क्रिएटिव एंगल देखेंगे। शशांक घोष फिल्म के निर्देशक हैं। वह पहले भी बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

कई फिल्म प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं तमन्ना भाटिया?

फिल्म 'रागिनी 3' के अलावा तमन्ना भाटिया 'वी शांताराम' की बायोपिक कर रही हैं। वहीं एक हॉरर फिल्म 'वन' भी कर रही हैं। इसके अलावा 'रेंजर' नाम की फिल्म भी उनके पास हैं।

पीआर के साथ काम करने पर शोभिता धुलिपाला ने की बातचीत

एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में पीआर के साथ काम करने को लेकर बातचीत की। इसमें उन्होंने अपने पब्लिक अपीरियंस को लेकर भी कहा कि वो क्यों ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती। इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल पसंद को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भले ही उन्होंने कभी-कभी पीआर टीम के साथ काम किया है, लेकिन वह खुद को उस सिस्टम से ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस नहीं करतीं। शोभिता ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मैंने थोड़े-बहुत समय के लिए पीआर फर्म के साथ काम किया है। लेकिन मेरी पर्सनैलिटी और जिस तरह की जिंदगी मैं जीना चाहती हूं, उसके हिसाब से मैंने तय किया है कि मुझे इस तरह की 'एम्प्लीफिकेशन' की जरूरत नहीं है। मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती और न ही चाहती हूं कि हर समय मेरे बारे में बातें हों। यह मेरी रुचि नहीं है और मुझे यह अपने लिए जरूरी नहीं लगता।'

पीआर के साथ करने पर बोलीं शोभिता

उन्होंने आगे साफ किया कि वह फिलहाल पीआर के साथ काम नहीं कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि यह हर किसी की अपनी पसंद होती है। उन्होंने कहा, 'मैं पीआर के साथ काम नहीं करती, लेकिन शायद यह किसी और के लिए सही हो। इस मामले में कोई नियम तय नहीं है। हर किसी की अपनी पसंद होती है, और मुझे अपनी पसंद को लेकर पूरी स्पष्टता है।' शोभिता का यह बयान दिखाता है कि वह लाइमलाइट से ज्यादा अपने काम और निजी जीवन को अहमियत देती हैं। शोभिता आखिरी बार लव सितारा में नजर आईं थीं, जो फिलहाल जीफाइव पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले वो 'चीकाटिलो' फिल्म में नजर आईं थीं, जो कि एक सस्पेंस-थ्रिलर है।

पलाश मुछाल की फिल्म में नजर आएंगी डेजी शाह

बीते दिन पलाश मुछाल के लिए काफी मुसीबतों भरे गुजरे। पहले महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना से शादी टूटी फिर उन पर पैसों को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे। मगर अब पलाश अपने विवादों को पीछे छोड़ अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर ध्यान दे रहें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पलाश जल्द ही अपना अपकमिंग प्रोजेक्ट रिलीज कर सकते हैं। अपने पोस्ट में तरण ने बताया कि पलाश एक मुंबई बेस्ड थ्रिलर सीरीज लाने वाले हैं। जिसमें एक्ट्रेस डेजी शाह और एक्टर श्रेयस तलपडे नजर आएंगे। हालांकि अब तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया। मेकर्स ने भी अब तक फिल्म की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी मगर पलाश ने पोस्ट शेयर कर के इन रिपोर्ट्स पर मुहर लगा दी है। पोस्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

क्या होगी फिल्म की कहानी

फिल्म में लीड कैरेक्टर्स के नाम डेजी शाह और श्रेयस तलपड़े सामने आए हैं। रिपोर्टस के मुताबिक श्रेयस एक आम आदमी के किरदार में नजर आएंगें। अब तक फिल्म की सिर्फ इतनी ही जानकारी शेयर की गई है। फिल्म की बाकी कास्ट, स्टोरी लाइन , रिलीज डेट कुछ भी मेकर्स ने रिवील नहीं किया।

'तू या मैं' ने बदली शनाया की सोच

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए खुद को साबित करना और आलोचनाओं से जूझना आसान नहीं होता। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने नई फिल्म 'तू या मैं' और अपने किरदार 'अवनी' को लेकर दिल की बातें रखीं। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शनाया कपूर ने कहा, ''तू या मैं' मेरे जीवन में उस वक्त आई, जब मैं खुद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी और मैं खुद से सवाल करती रहती थी। ऐसे समय में इस फिल्म और इस किरदार का मिलना मेरे लिए किसी सहारे से कम नहीं था। इस फिल्म ने मुझे सिर्फ एक भूमिका नहीं दी, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी सिखाया।'' अपने किरदार के बारे में शनाया ने कहा, ''अवनी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। फिल्म में अवनी एक ऐसी लड़की है, जो मुश्किल हालात में भी हार नहीं मानती और जानलेवा परिस्थितियों का सामना करती है। अवनी मगरमच्छों से लड़ती है। अवनी के इसी अंदाज ने मुझे डर से लड़ना सिखाया। इस किरदार ने मुझे निडर और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। मैं अभी भी अवनी के मजबूत व्यक्तित्व तक पहुंचने की कोशिश कर रही हूं। यह सफर मेरे लिए बेहद खास है।'' अपनी पोस्ट में शनाया ने दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में ही दर्शकों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लोगों की तारीफ, प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं मुझे भावुक कर देती हैं। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे अवनी के रूप में अपनाया। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।'' दर्शकों के अलावा, शनाया ने फिल्म के निर्देशक का भी धन्यवाद दिया।

क्या रणवीर सिंह की जगह अब ऋतिक रोशन निभाएंगे 'डॉन 3' में लीड रोल?

एक्टर ने किया खुलासा

हाल ही में रणवीर सिंह ने 'डॉन 3' मूवी से किनारा कर लिया था। इसके बाद से ही फरहान अख्तर की डॉन 3 फिल्म चर्चाओं में है और ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि रणवीर के बाद अब कौन इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएगा। अब ऋतिक रोशन ने भी फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

फिल्म का हिस्सा होने पर क्या बोले ऋतिक

एक्टर ऋतिक रोशन ने शुक्रवार के दिन खुलासा किया कि उन्हें कभी 'डॉन 3' के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। उनका ये बयान तब सामने आया जब ये खबरें सामने आ रही थी कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह के जाने के बाद उनकी जगह ऋतिक रोशन को रोल देने के लिए अप्रोच किया है। बातचीत में ऋतिक ने कहा, 'जो अफवाहें फैल रही थी, अब उनपर विराम लगाने का समय आ गया है। मैं साफ तौर पर ये बात कह रहा हूं कि मुझे कभी 'डॉन 3' फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। मैं मीडिया से अनुरोध करता कि वे इस तरह की किसी भी अपुष्ट रिपोर्ट से दूर रहें।' हालांकि अबतक फरहान अख्तर और रणवीर सिंह ने इन अटकलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन अफवाहें थीं कि दोनों के बीच किसी मतभेद का असर 'डॉन 3' पर पड़ा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि ऋतिक रोशन ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में डॉन 3 की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है।

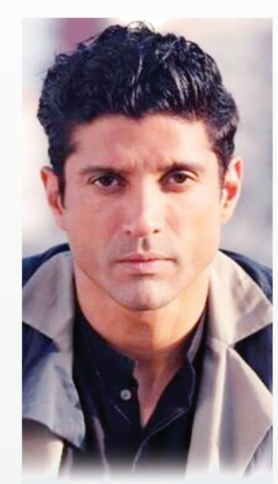

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स, मेरे नाम पर कोई 100 करोड़ की फिल्म नहीं बनाएगा

टीवी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते।

मुझे पता है मैं क्या नहीं चाहती

बातचीत के दौरान मोना सिंह ने अपने करियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है।

पोस्टर पर स्टार लाता है बॉक्स ऑफिस पर पैसा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

'कोहरा 2' में नजर आई हैं मोना सिंह

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोना सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और दिग्गी सिसोदिया द्वारा निर्मित और रणदीप झा द्वारा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर में मोना सिंह मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ बरुण सोबती, रणविजय सिंह, अनुराग अरोरा और पूजा भामर्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

वैश्विक पैनल ने ग्लोबल साउथ में एआई के क्षेत्र में महिला उद्यमशीलता की ओर दृष्टिकोण बदलने का आह्वान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। यहां भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला सशक्तिकरण इकाई ब्रिक्स सीसीआई डब्लूई द्वारा आयोजित एक वैश्विक पैनल में यह महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकला कि नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता के माध्यम से लैंगिक समानता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक है। क्रियान्वयन करने वालों से नवप्रवर्तकों तकः एआई में महिला उद्यमशीलता की दिशा में दृष्टिकोण बदलने का आह्वान विषय पर चर्चा के दौरान उपक्रम लगाने और पारिस्थितिकी नेतृत्व में महिलाओं को केंद्र में रखा गया। इस सत्र में वैश्विक नेता, उद्यमी, निवेशक और पारितंत्र निर्माताओं ने इस बात पर चर्चा की कि कैसे एआई को समावेशी प्रतिभाग और महिलाओं के नेतृत्व में नवप्रवर्तन के जरिए लोकतांत्रिक बनाया जा सकता है। सीसीआई के वाइस चेयरमैन श्री समीप शास्त्री ने एआई में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और समावेशी नवप्रवर्तन पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज भारत वैश्विक एआई पारितंत्र में एक मजबूत आवाज के तौर पर उभर रहा है। एआई को महज शक्तिशाली ही नहीं, बल्कि समावेशी भी होना आवश्यक है। जैसा कि भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करने जा रहा है,। मारा लक्ष्य टेक्नोलॉजी, डिजिटल नवप्रवर्तन, उद्यमशीलता और जिम्मेदार एआई विकास में सहयोग मजबूत करना है। का दृष्टिकोश पेश करते हुए एआई रेगुलेशन एंड इंटरनेशनल कोऑपरेशन, बरबैंक की कार्यकारी निदेशक सुश्री एलविरा शाचे ने कहा, लिंग असमानता दूर करने के लिए यह जरूरी है कि महिलाएं ना केवल उद्यमशीलता के स्तर पर बल्कि विधायी स्तर पर भी मौजूद रहें। ग्लोबल साउस के देशों को महिला नवप्रवर्तकों के लिए समुदायों का गठन करने की जरूरत है ताकि वे डेटा सहित संसाधन साझा कर सकें। हम एआई में महिला उद्यमशीलता की दिशा में धीरे धीरे बदलाव होते देख रहे हैं। उद्योग निकाय और संस्थान अब नवप्रवर्तकों को अनुदान और शुरुआती पूंजी उपलब्ध करा रहे हैं।

चेक करें पेट्रोल-डीजल के रेट

ईरान पर हमले की आहट, 70 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

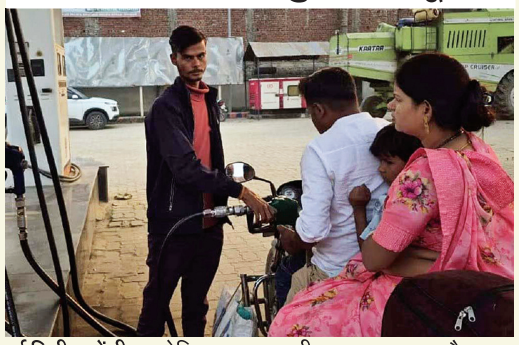

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई की खबरों के बाद तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। पिछले सत्र में 4.6 प्रतिशत की बढ़त के बाद वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 65 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहा है। वहीं, ब्रेंट कच्चा तेल दो सप्ताह से अधिक समय में पहली बार 70 डॉलर के स्तर को पार कर गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि भारत में पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इंडियन ऑयल के पंपों पर पेट्रोल की आज रिटेल कीमत 94.77 प्रति लीटर है। इसी तरह, डीजल का खुदरा मूल्य 87.67 प्रति लीटर है। तेल कंपनियों द्वारा तय बेस प्राइस और एक्साइज ड्यूटी के साथ 74.97 है। डीलर कमीशन 4.40 जुड़ता है। सबसे ऊपर, दिल्ली सरकार का वेट 15.40 लगाया जाता है, जिसके योग से यह कीमत 94.77 बनती है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक इसी तरह, डीजल का खुदरा मूल्य 87.67 प्रति लीटर है, जो 71.81 के बेस प्राइस प्लस एक्साइज ड्यूटी और 3.03 के डीलर कमीशन और 12.83 के वेट को जोड़ने के बाद बनता है। ब्लूमबर्ग ने एक न्यूज वेबसाइट एक्सियोस की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि अमेरिकी सैन्य अभियान की संभावना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक नजदीक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अभियान कई हफ्तों तक चल सकता है और इजरायल सरकार ईरान में शासन परिवर्तन के लक्ष्य वाली स्थिति पर जोर दे रही है।

बीएल कश्यप एंड संस को ग्रेटर नोएडा में मिला 300 करोड़ का ऑर्डर

B L KASHYAP
WE BUILD YOUR WORLD

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएल कश्यप एंड संस लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार, 19 फरवरी को 9 प्रतिशत तक की उछाल देखी गई। कंपनी ने यह जानकारी दी कि उसे सीआरसी ग्रीन्स से 300 करोड़ रुपये का एक नया ऑर्डर मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस परियोजना को पूरा होने में लगभग 42 महीने का समय लगने की उम्मीद है। यह ऑर्डर ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित एक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए सिविल और स्ट्रक्चरल कार्यों के निर्माण और निगरानी से संबंधित है। इस विकास से कंपनी के ऑर्डर बुक में इजाफा होगा और आवासीय निर्माण क्षेत्र में उसकी उपस्थिति मजबूत होगी। कंपनी के शेयर सुबह 52.90 रुपये पर खुले और 54.59 रुपये के डे हाई को टच किए। सुबह 10 बजे के करीब 4.59 पर्सेंट ऊपर 52.39 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले 5 दिन में यह स्टॉक 3 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। जबकि, पिछले एक महीने में 8 फीसद से अधिक की उछाल दर्ज किया है। अगर पिछले छह महीने के इसके प्रदर्शन की बात करें तो यह 26 पर्सेंट से अधिक टूटा है। दूसरी ओर, इस साल अब तक इसमें 1 पर्सेंट की कमी आई है। पिछले 5 साल में यह स्टॉक 300 पर्सेंट का शानदार रिटर्न दिया है। बीएल कश्यप एंड संस लिमिटेड का मार्केट कैप 1179 करोड़ रुपये है। इसका 52 हफ्ते का हाई 80.10 रुपये और लो 42.70 रुपये है। बीएल कश्यप एंड संस ने पिछले फिस्कल ईयर की इसी तिमाही के मुकाबले क्यू3 एफवाय26 में 965.8 प्रतिशत की शानदार कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट बढ़ोतरी दर्ज की, जो 11.83 करोड़ तक पहुंच गई। यह शानदार ग्रोथ ऑपरेशन से रेवेन्यू में 33.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ हुई, जो क्यू3 एफवाय25 के मुकाबले क्यू3 एफवाय26 में बढ़कर 323.87 करोड़ हो गई। भारत का कंस्ट्रक्शन एंड रियल एस्टेट सेक्टर फिलहाल एक जटिल दौर से गुजर रहा है। साल 2026 के लिए अनुमान है कि कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज 7 से 8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जिसकी मुख्य वजह सरकार की इंफ्रा स्ट्रक्चर इनिशिएटिव और खासकर महानगरों में लगातार बनी हुई आवासीय मांग है। हालांकि, इस क्षेत्र के सामने कुछ पुरानी चुनौतियां भी हैं, जैसे निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतें और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव, जो मुनाफे पर दबाव बना सकते हैं। बीएल कश्यप का क्/श्व अनुपात (मूल्य-आय अनुपात) लगभग 283 है, जो मझोली कंपनियों (मिड-कैप) के लिए सामान्य मूल्यांकन सीमा में आता है। यह पीएनसी इन्फ्राटेक जैसी समान कंपनियों के बराबर है, लेकिन लार्सन एंड टुब्रो (लगभग 223) या हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (लगभग 183) जैसी बड़ी कंपनियों से ऊंचे भाव पर कारोबार कर रहा है। इस मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि बाजार को कंपनी को लगातार ऑर्डर मिलते रहने की उम्मीद है।

एक अप्रैल से बड़ा बदलाव

क्रेडिट कार्ड से हुए लेनदेन की जानकारी पेन में दिखेगी

बड़े क्रेडिट कार्ड बिल की जानकारी देनी होगी, पैन आवेदन में काम आएगा क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक अप्रैल 2026 से क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव लागू हो सकते हैं। इसके तहत कार्ड के जरिए हुए सभी बड़े लेनदेन और भुगतान की जानकारी देना अनिवार्य हो सकता है। इसका मतलब यह है कि कोई व्यक्ति लेनदेन के लिए क्रडिट कार्ड का इस्तेमाल करता हैं, तो उसके पैन रिकॉर्ड में उसकी जानकारी दर्ज हो जाएगी।

ये सभी बदलाव नए आयकर नियम-2026 के तहत होंगे, जिसका मसौदा हाल ही में सरकार ने जारी किया है। इन नियमों पर अलग-अलग पक्षों से सुझाव लिए जाएंगे और अंतिम मंजूरी के बाद उन्हें किया जा सकता है। इसके बाद पुराने आयकर नियम-1962 की जगह नए नियम लागू होंगे। मसौदा नियमों के मुताबिक, बड़ी रकम वाले क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान की जानकारी आयकर विभाग को दी जाएगी। अगर कोई व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 10 लाख से ज्यादा का क्रेडिट कार्ड बिल नकद के अलावा किसी भी तरीके से (जैसे यूपीआई, बैंक ट्रांसफर, चेक आदि) चुकाता है, तो बैंक या क्रेडिट कार्ड कंपनी को इसकी जानकारी आयकर विभाग को देनी होगी। इसके अलावा, अगर 1 लाख या उससे ज्यादा का क्रेडिट कार्ड बिल कैश में चुकाया जाता है, तो उसकी जानकारी भी रिपोर्ट होगी। हालांकि यह पूरी तरह नया नियम नहीं है, क्योंकि ऐसा प्रावधान पहले से इनकम टैक्स रूल्स 1962 में मौजूद है। नियमों के अनुसार, पिछले तीन महीनों के क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पैन कार्ड बनवाते समय पते के सबूत के रूप में मान्य होगा। यह बदलाव उन लोगों के लिए काफी मददगार होगा जिनके पास तुरंत कोई और दस्तावेज उपलब्ध नहीं होता। इससे पैन आवेदन प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक बन जाएगी।

अब टैक्स का भुगतान ऑनलाइन करते समय क्रेडिट कार्ड का उपयोग भी किया जा सकेगा। पहले केवल डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग जैसे माध्यम मान्य थे। अब क्रेडिट कार्ड को भी अधिकृत इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड में शामिल कर लिया गया है। इससे करदाताओं को भुगतान के समय एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और वे अपनी सुविधा के हिसाब से भुगतान कर सकेंगे। हालांकि, इसका इस्तेमाल करते समय यह जानना जरूरी होगा कि प्रोसेसिंग फीस या अतिरिक्त चार्जेज किस तरह लागू होंगे, ताकि किसी अतिरिक्त खर्च का अंदाजा पहले से रहे।

अगर किसी कर्मचारी को कंपनी की तरफ से क्रेडिट कार्ड दिया गया है और उस पर किए गए खर्च (जैसे मेंबरशिप फीस या सालाना शुल्क) का भुगतान या रीइम्बर्समेंट कंपनी ही करती है, तो उस पर कर लगेगा। हालांकि टैक्स की गणना करते समय उस लाभ की कुल कीमत में से वह रकम घटा दी जाएगी, जो कर्मचारी ने खुद पहले ही चुका दी हो। अगर खर्च पूरी तरह आधिकारिक काम के लिए किया गया है, तो उस पर टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन इसके लिए कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी। कंपनी को उस खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा।

एआई भले ही काम में बहुत तेज हो

● इंसानी दिमाग से बेहतर कोई नहीं: नारायण मूर्ति

मुंबई, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भले ही काम में बहुत तेज हो, लेकिन इंसानी दिमाग से बेहतर कोई नहीं। ये बातें डीयू में आयोजित 'लीडर्स टॉक' में इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति ने कही। युवा पीढ़ी को सीख देते हुए इंफोसिस के संस्थापक ने कहा कि वे थिंक विद एआई, बिल्ड विद एआई, एआई को सहयोगी बनाएं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, गणितज्ञ और कंप्यूटर प्रोग्रामर स्टीफेन वुलफ्राम का हवाला देते हुए नारायण मूर्ति ने कहा कि एआई एक सहयोगी टूल हो सकता है।

यह उच्च स्तरीय काम कर सकता है। जैसे रिमोट सर्जरी, सही नाप-तौल के साथ उत्पाद तैयार करना, कोड जेरनेट करना और सॉफ्टवेयर बनाना। मगर इसके लिए एआई को बार-बार प्रशिक्षित करना पड़ेगा। इस कारण मानव मस्तिष्क हमेशा बॉस की भूमिका में रहेगा। वह इसे बेहतर करने के लिए नए प्रयोग करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि एआई के आने से मनुष्य की रचनात्मकता रुक जाएगी।

नारायण मूर्ति ने कहा कि व्यापार में कमाई और मुनाफा दूसरे नंबर पर आते हैं। असली पहचान और भरोसा लोगों के साथ आपसी सम्मान से बनता है। उनका लक्ष्य सबसे बड़ा उद्यमी बनना नहीं, बल्कि सम्मान कमाना रहा है। ड्रोन आधारित डिलीवरी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी स्काई एयर मोबिलिटी ने बुधवार को एआई

समिट में एंड-टू-एंड ऑटोनॉमस कॉमर्स डिलीवरी सिस्टम का प्रदर्शन किया। कंपनी ने बताया कि यह पूरी तरह से स्वचालित व्यवस्था है, जो बिना किसी मानवीय मदद के ड्रोन के माध्यम से ग्राहकों के घर तक सामान पहुंचाती है।

इस पहल के तहत स्काई एयर मोबिलिटी ने अराइव एआई और ओटोनॉमी के साथ साझेदारी की है। कंपनी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 36 लाख से अधिक सामान की डिलीवरी की जा चुकी है।

गोल्ड-सिल्वर फ्यूचर पर मार्जिन हटाकर एमसीएक्स ने ट्रेडर्स को दिया तोहफा

एनएसई क्लियरिंग ने भी जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया के शेयर की कीमत में गुरुवार को कारोबार के दौरान 3.32 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार शाम को एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर लगाए गए अतिरिक्त मार्जिन को हटाने की घोषणा की थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया के शेयर की कीमत में गुरुवार को कारोबार के दौरान 3.32 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार शाम को एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर लगाए गए अतिरिक्त मार्जिन को हटाने की घोषणा की थी। इस खबर के बाद एमसीएक्स के शेयर आज एनएसई पर 2,400 रुपये पर खुले। बुधवार के शेयर 2,341 रुपये पर बंद हुए थे।

एमसीएक्स ने बुधवार शाम जारी सर्कुलर में कहा कि वह गोल्ड फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट पर लगा 3 प्रतिशत का अतिरिक्त मार्जिन और सिल्वर फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट पर लगा 7 प्रतिशत का अतिरिक्त मार्जिन वापस ले रहा है। मार्जिन हटाने का यह फैसला गुरुवार, 19 फरवरी से प्रभावी हो गया है। सर्कुलर के अनुसार, गोल्ड फ्यूचर के सभी वेरिएंट और सिल्वर फ्यूचर के सभी वेरिएंट से ये अतिरिक्त मार्जिन हटा लिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर, एनएसई क्लियरिंग ने भी एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर मार्जिन वापस लिए जाने की पुष्टि की है, जो आज से प्रभावी हो गया है। एनएसई ने अपने सदस्यों को सलाह दी है कि वे अपनी पोजीशन को उसी के अनुसार एडजस्ट करें। इस फैसले से गोल्ड और सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट में कारोबार करने वाले ट्रेडर्स के लिए मार्जिन की आवश्यकता कम हो जाएगी। अतिरिक्त मार्जिन हटने का मतलब है कि ट्रेडर्स को अब ट्रेड करने के लिए कम पूंजी की जरूरत होगी। आमतौर पर, मार्जिन की आवश्यकता कम होने से बाजार में सट्टेबाजी (सट्टा) बढ़ती है और इंट्राडे ट्रेडिंग गतिविधि में तेजी आती है। बता दें कि ये अतिरिक्त मार्जिन सोने-चांदी की कीमतों में आई तेज उतार-चढ़ाव (अस्थिरता) पर लगाम लगाने के लिए लगाए गए थे। यह मल्टीबैगर स्टॉक बाजार की उतार-चढ़ाव भरी स्थितियों के बावजूद ज्यादातर हरे निशान में बना हुआ है। पिछले पांच सत्रों में स्टॉक ने 2 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। एमसीएक्स के शेयरों ने पिछले छह महीनों में निवेशकों को 45 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है और पिछले एक साल में 113 प्रतिशत रिटर्न के साथ निवेशकों के पैसे दोगुने कर दिए हैं।

एमसीएक्स के तीसरी तिमाही के नतीजे

कंपनी ने दिसंबर 2026 को समाप्त तिमाही के लिए अपने नतीजे भी जारी किए हैं। एमसीएक्स का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 151 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी के साथ 401 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 160 करोड़ रुपये था। वहीं, क्यू3 एफवाय26 में रेवेन्यू ऑपरेशन 121 प्रतिशत उछलकर 666 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 301 करोड़ रुपये था। मुकाबले भी कंपनी का नेट प्रॉफिट 103 प्रतिशत और राजस्व 78 प्रतिशत बढ़ा है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए भी 144 प्रतिशत बढ़कर 527 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के बुलियन सेगमेंट का एवरेज डेली टर्नओवर में योगदान तिमाही दर तिमाही बढ़कर 69 प्रतिशत हो गया, जिसका श्रेय गोल्ड मिनी और गोल्ड टेन फ्यूचर जैसे नए वेरिएंट को दिया जा रहा है।

टीवीएस मोटर, कोचीन शिपयार्ड समेत 10 शेयरों में हलचल की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सेबी-रजिस्टर्ड रिसर्च एनालिस्ट और लिवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद का मानना है कि भारतीय इक्विटी बाजार आज सपाट से लेकर थोड़ा सकारात्मक रुख के साथ खुल सकता है। यह रुझान निफ्टी के संकेतों से समर्थित है, जो अमेरिकी शेयरों में कल हुई तेजी खासकर टेक्नोलॉजी शेयरों में आई मजबूती और एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों को दर्शाता है।

निफ्टी 50 और सेंसेक्स के निकट भविष्य के परिदृश्य पर बात करते हुए, कोटक सिक्योरिटीज में हेड इक्विटी रिसर्च, श्रीकांत चौहान ने कहा, हमारा मानना है कि अल्पकालिक सपोर्ट 25500/83000 से बढ़कर 25600/83300 हो गया है। जब तक बाजार इस स्तर से ऊपर बना रहता है, तब तक तेजी जारी रहने की संभावना है। ऊपर की ओर, 25950-26000/84700-85000 का स्तर तुरंत रेजिस्टेंस जोन के रूप में काम कर सकता है। दूसरी ओर, 25600/83300 के नीचे आने पर रुझान बदल सकता है; इस स्तर से नीचे आने पर कारोबारी अपने ट्रेडिंग लॉन्ग पोजीशन से बाहर निकलना पसंद कर सकते हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि उसकी प्रमुख सहायक कंपनी, लाइनएज पावर प्राइवेट लिमिटेड, को सऊदी अरब स्थित याकिन केम से 1.35 मिलियन डॉलर का ऑर्डर मिला है। भारत फोर्ज ने ऐलान किया है कि उसने वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ऑटोमोटिव और रक्षा सहित कई प्रौद्योगिकी-केंद्रित क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी की संभावना तलाशी जाएगी।

डॉ. रेड्डीज: फार्मा कंपनी डॉ. रेड्डीज ने घोषणा की कि उसने मर्क्यूरी फार्मा ग्रुप लिमिटेड से भारत में प्रोगाइनोवा और साइक्लोप्रोगाइनोवा ट्रेडमार्क और संबंधित संपत्तियों का अधिग्रहण कर लिया है।

एनसीसी: राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एनसीसी पर नए ऑर्डर लेने पर रोक लगा दी है।

जिंदल सॉ: अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए ऑडिट के दौरान कुछ मुद्दे पाए जाने के बाद कंपनी का सीमलेस पाइप के लिए एपीआई लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

गो डिजिट: गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस ने कहा कि उसने अपने पॉलिसीधारकों को रियायती दरों पर सीनियर केयर सेवाएं देने के लिए अन्वया किन केयर के साथ साझेदारी की है। बीमा कंपनियां पारंपरिक कवरेज से आगे बढ़कर ग्राहक जुड़ाव बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। हिंदुस्तान यूनिलीवर अगले दो वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की योजना बना रहा है। यह निवेश अपने ब्यूटी एंड वेलबीइंग और होम केयर लिक्विड्स पोर्टफोलियो के तहत तेजी से बढ़ रही प्रीमियम श्रेणियों में विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाएगा।

टीवीएस मोटर: कंपनी ने बताया कि उसने इंडोनेशिया में वर्ष 2006 में परिचालन शुरू करने के बाद से अब तक कुल मिलाकर 10 लाख वाहनों का निर्माण कर लिया है।

कोचीन शिपयार्ड: कोचीन शिपयार्ड को फ्रांस की सीएमए सीजीएम समूह से छह एलएनजी-चालित जहाजों के निर्माण और डिलीवरी के लिए लगभग 360 मिलियन डॉलर का नया जहाज निर्माण अनुबंध मिला है।

जायडस लाइफसाइंसेज: फार्मा कंपनी जायडस को अपनी बोसेंटन टैबलेट्स फॉर ओरल सस्पेंशन, 32 मिलीग्राम के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से अंतिम मंजूरी मिल गई है।

सुपर 8 से पहले टीम इंडिया की चिंता

स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने इस बात पर सहमति जताई कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों वाले शीर्ष क्रम के लिए विपक्षी टीमों का सही रणनीति बनाना और फिंगर (उंगलियों के) स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों का संघर्ष टी20 विश्व कप के सुपर आठ में भारत के सामने दो अहम मुद्दे होंगे। डोएशे ने नीदरलैंड के खिलाफ अंतिम लीग मैच में भारत की जीत के बाद पत्रकारों से कहा कि खिताब के प्रबल दावेदार ने अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेला है जिसमें उसका पूरी तरह से दबदबा रहा हो।

भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और तिलक वर्मा शामिल हैं। यह तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और डोएशे ने स्वीकार किया कि इससे विपक्षी टीमों के लिए उनके खिलाफ रणनीति बनाना आसान हो गया है। प्रतिद्वंद्वी टीमें अभिषेक शर्मा सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए हैं जबकि कुछ समय पहले तक वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे।

नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने बुधवार को पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और अभिषेक और किशन को आउट किया। डोएशे का मानना ??है कि भारत को उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत है। घरेलू टीम को दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

उन्होंने कहा, इससे टीमों को भारत के खिलाफ रणनीति बनाने में आसानी हुई है। हमारे पास शीर्ष तीन में ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हमारे पास संजू सैमसन बेंच पर बैठे हैं और आगामी मैचों को देखते हुए अगर हम उंगलियों के स्पिनरों को देखें तो इस मामले में हमारा सामना न्यूजीलैंड से होगा। डोएशे ने कहा, हमारे पास कुछ ऐसे गेंदबाज हैं जो उंगलियों से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के पास भी अगर हम मार्करम को शामिल करें, तो इस तरह के गेंदबाज हैं। लेकिन कुल मिलाकर हमें लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और हम टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों से काम चला लेंगे।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले।

भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पाक में भारतीय समयानुसार 14ः30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16ः00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

000

होप के कमाल से वेस्टइंडीज की इटली पर आसान जीत

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया।

वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। ग्रुप सी से सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम इंग्लैंड है। होप की पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा रोस्टन चेज (25 गेंद पर 24), शेरफेन रदरफोर्ड (15 गेंद पर नाबाद 24) और मैथ्यू फोर्डे (आठ गेंद पर नाबाद 16)

ही कुछ उपयोगी योगदान दे पाए।

पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल थी लेकिन इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। इटली की तरफ से बेन मनेंटी (37 रन देकर दो) और कृशान कालुगामगे (25 रन देकर दो) ने दो दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को अंतिम ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बनाने दिए। अगर ग्रांट स्टीवर्ट ने 19वें ओवर में 19 रन नहीं लुटाए होते तो वेस्टइंडीज की स्थिति और भी खराब हो सकती थी।

इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन बनाए। एंथनी मोस्का (19) ने अकील हुसैन की गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला लेकिन मैथ्यू फोर्डे (19 रन देकर तीन विकेट) ने अपने पहले ओवर में ही जस्टिन मोस्का (02) को आउट कर दिया। एंथनी मोस्का ने हुसैन पर दो छक्के लगाए लेकिन इस स्पिनर ने इसी ओवर में उन्हें पवेलियन भेज दिया। फोर्डे ने इसके बाद सैयद नकवी (06) को आउट करके इटली को संकट में डाल दिया। जेजे स्मट्स (27 गेंद पर 24) ने क्रीज पर बने रहने को प्राथमिकता दी लेकिन कप्तान हैरी मैनेंटी (08) के आउट होने से उन पर दबाव बन गया।

स्मट्स ने जोसेफ पर लगातार दो चौके लगाने के बाद गुडाकेश मोती (24 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर स्वीप करके बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर आसान कैच दिया। इससे इटली का स्कोर पांच विकेट पर 78 रन हो गया। बेन मैनेंटी ने जोसेफ पर दो चौके लगाकर इटली का स्कोर तिहरे अंक में पहुंचाया लेकिन इस तेज गेंदबाज ने इसी ओवर में ग्रांट स्टीवर्ट (12) को आउट करके साझेदारी नहीं बनने दी। बेन मैनेंटी ने मोती पर छक्का लगाया लेकिन अगली गेंद पर उनके आउट हो जाने से इटली की संभावना समाप्त हो गई।इससे पहले होप ने सहजता से बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन रोस्टन चेज़ की धीमी पारी ने उनकी लय को बिगाड़ दिया। इसका वेस्टइंडीज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। होप ने भले ही कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन चेज स्ट्राइक रोटेट करने के लिए संघर्ष करते हुए दिखे और डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोवमैन पॉवेल (09) भी जल्दी आउट हो गए। इस तरह से अनुभवी ऑफ स्पिनर मैनेंटी और श्रीलंका मूल के लेग स्पिनर कालुगामगे ने इटली के पक्ष में पासा पलट दिया। मैनेंटी ने लगातार ओवरों में विकेट लिए जिसमें पॉवेल का अहम विकेट भी शामिल था।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनीं

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रच दिया है क्योंकि वह अब महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की इस अनुभवी क्रिकेटर ने गुरुवार को यह उपलब्धि हासिल की, जब वह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी-20 के लिए टीम की कप्तानी करने उतरीं।

हरमनप्रीत ने 19 फरवरी को अपने 356वें ??इंटरनेशनल मैच में पर उतरकर न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बेट्स को पीछे छोड़कर महिला इंटरनेशनल खेल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गईं। हरमनप्रीत और सूजी बेट्स के बाद एलिस पेरी (349 मैच, ऑस्ट्रेलिया) सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटरों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। भारत की पूर्व क्रिकेटर मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं जबकि शार्लेट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। सोफी डिवाइन (305, न्यूजीलैंड), हीथर नाइट (303, इंग्लैंड), और डैनी वायट-हॉज (302, इंग्लैंड) भी महिला क्रिकेट में सबसे ज़्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मैच में बने ढेर सारे रिकॉर्ड्स, अभिषेक-हार्दिक सुर्खियों में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराकर सुपर एट्स में बिना हारे रिकॉर्ड के साथ जा रहा है। अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने अहमदाबाद में पहले बल्लेबाजी करने के बाद नीदरलैंड्स के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए 193/6 का स्कोर बनाया। नीदरलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। लेकिन 16 ओवर के बाद 125/6 पर सिमटने के बाद वे मुश्किल में पड़ गए थे, इससे पहले जैक लायन-कैशेट और नोआ क्रोस ने बड़े हिट्स की झड़ी लगाकर अंतर कम किया।

क्रोस ने चार गेंदों पर तीन बाउंड्री लगाईं, वाशिंगटन सुंदर के स्पेल की आखिरी दो गेंदों पर दो और अर्शदीप सिंह की गेंद पर एक इससे पहले लायन-कैशेट ने भी एक बाउंड्री और एक छक्का लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली। हार्दिक पांड्या की गेंद पर क्रोस के दो और बाउंड्री ने आखिरी ओवर में स्कोर 28 कर दिया। लेकिन शिवम दुबे ने आखिरी ओवर में हिम्मत नहीं हारी, ज्यादा रन नहीं दिए और लायन-कैशे को आउट करके 17 रन से जीत पक्की कर ली जिससे भारत ग्रुप स्टेज में बिना हारे रहा।

भारत की जीत में यह रिकॉर्ड्स बने

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। यह पांचवां मौका था जब भारत ने टी20 विश्व कप मैच की एक पारी में सात या उससे ज्यादा गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

आज तक भारत ने विश्व कप के मौजूदा एडिशन में 12 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है जो टी20 विश्व कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा है। भारत ने 2009 में 11 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया था।

हार्दिक ने टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल धमाका

13 ः हार्दिक पांड्या टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल पूरा करने वाले 13वें ऑलराउंडर और भारत के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

टी20 में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बन अभिषेक

ओपनर अभिषेक शर्मा, जो मौजूदा टी20 विश्व कप में एक भी रन नहीं बना पाए, अब टी20 वर्ल्ड कप में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बन गए हैं। इससे पहले 2009 में वेस्टइंडीज के एंड्रयू फ्लेचर और 2024 में बांग्लादेश के तंज़ीद हसन के नाम यह अजीब रिकॉर्ड था।

टी20 विश्व कप में 12वीं जीत दर्ज की

भारत ने टी20 विश्व कप में लगातार 12वीं जीत दर्ज की, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने अपना जीत का अभियान 5 जून 2024 से शुरू किया था और यह आज भी जारी है।

शिवम दुबे ने 65 रन को पीछे छोड़ा

यह शिवम दुबे का टी-20 में सबसे ज्यादा स्कोर है जिसने 28 जनवरी 2026 को विजाग में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके पिछले सबसे अच्छे 65 रन को पीछे छोड़ दिया। कुल मिलाकर यह उनके 59वें मैच में उनका छठा 50 से ज्यादा का स्कोर था।

नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा स्कोर

176/7 ः यह नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा टीम टोटल है, जो 2018 में लॉर्ड्स में नेपाल के खिलाफ बनाए गए 174/4 के स्कोर से ज्यादा है।

भारत का परचम, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई (एजेंसी)।भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फाज़ा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए।

कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेज़बान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था।

भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन एफ64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन एफ41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो एफ 51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की डबल ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 में स्वर्ण और 200 मीटर एफ35 में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य अपना पर्सनल बेस्ट सुधारना और भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा गोल्ड जीतना है। यह तो बस शुरुआत है।

भाग्यश्री एम. जाधव ने महिलाओं की शॉट पुट और जेवलिन एफ 34 में भावनात्मक जीत दर्ज कर शानदार वापसी की। अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में रिंकू हुड्डा (जेवलिन एफ 46), वरुण सिंह भाटी (हाई जंप टी42), दिलीप महादू गावित (400 मीटर टी46) और साहिल सलीम सैय्यद (डिस्कस एफ 54/55) शामिल रहे।

रजत पदक विजेताओं में सुनील कुमार, प्रणव सूरमा और गुरुभास्कर सक्कप्पन शामिल रहे, जबकि कांस्य पदक रंजीत चंदा, पूनम राम, फातिमा खातून, दीपेश कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों ने जीते।

फाज़ा चैंपियनशिप लंबे समय से वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स सर्किट का अहम हिस्सा रही है। दुबई में शीर्ष स्थान हासिल कर भारत ने आने वाली वैश्विक प्रतियोगिताओं से पहले मजबूत संदेश दे दिया है।

कोको गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुँची

दुबई (एजेंसी)। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6 (9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया।

गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।

गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें।

टी20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा है शिवम दुबे

अहमदाबाद (एजेंसी)। शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी उतनी नहीं होती लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है।

नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह

छक्के शामिल हैं।

अपने दूसरे टी20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीन की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े।

शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही।

दुबे ने मैच के बाद कहा, टी20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। लेकिन एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद अगर मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा, मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है।दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है और यह उनके टी20 विश्व कप में पहले अर्धशतक के बारे में उनके बोलने के तरीके में स्पष्ट रूप से झलका। उन्होंने कहा, आज मुझे लगा कि आज मेरा दिन है और मुझे थोड़ा समझदारी से काम लेना होगा, खुद को आगे बढ़ाना होगा और अंत तक टिके रहना होगा।

संक्षिप्त समाचार

250 रुपये में मिल सकेगा संध्या और शयन आरती में प्रवेश का मौका

उज्जैन एजेंसी। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रद्धालु अब भस्म आरती की तरह संध्या व शयन आरती दर्शन की बुकिंग भी कर सकेंगे। दर्शनार्थियों को इसके लिए प्रति

व्यक्ति 250 का शुल्क चुकाना होगा। दोनों आरती के लिए बुकिंग का अलग-अलग समय रहेगा। मंदिर प्रशासन ने बुधवार देर रात नई व्यवस्था शुरू करने की जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार देशभर के श्रद्धालु संध्या तथा शयन आरती दर्शन के लिए मंदिर की वेबसाइट पर बुकिंग कर सकते हैं। संध्या आरती की बुकिंग का समय दोपहर 12 बजे से रहेगा। वहीं शयन आरती की बुकिंग शाम 4 बजे से कराई जा सकेगी। दोनों ही आरतियों में अनुमति धारी दर्शनार्थियों को मंदिर के गेट नंबर 1 से प्रवेश दिया जाएगा। संध्या आरती दर्शन के लिए दर्शनार्थियों को शाम 6 बजे मंदिर पहुंचना होगा। वहीं शयन आरती दर्शन के लिए दर्शनार्थियों को रात 10 बजे मंदिर पहुंचना अनिवार्य है। इन दोनों आरतियों में भी सामान्य दर्शनार्थियों को कार्तिकेय मंडपम से चलायमान दर्शन होंगे। दोनों आरती की अग्रिम बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जाएगी।

खौफनाक मंजर: धमतरी के सरकारी स्कूल में 35 बच्चों ने ब्लेड से काटी कलाई

धमतरी, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में धमतरी जिले के एक मिडिल स्कूल के 35 विद्यार्थियों द्वारा अपनी कलाई काटने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक दहदहा स्थित

मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों ने लगभग 20 दिन पूर्व अपनी कलाई काट ली थी। पता चलने पर स्कूल प्रबंधन, पंचायत प्रतिनिधि और अभिभावकों ने बैठक कर स्थिति पर विचार किया। जिला प्रशासन को जब घटना की जानकारी मिली, तो तहसीलदार, शिक्षा विभाग और मेडिकल टीम ने स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों से पूछताछ की। मेडिकल टीम में शामिल डॉक्टरों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में नशे को कारण बताया जा रहा है। वहीं, स्कूल प्रबंधन और पंचायत प्रतिनिधियों का मानना है कि विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को देखकर ऐसा किया। बीईओ चंद्रकुमार साहू ने बताया कि सभी विद्यार्थियों की काउंसिलिंग की गई है। स्कूल में लड़के और लड़कियां दोनों अध्ययनरत हैं।

संतान प्राप्ति के नाम पर तांत्रिक ने किया महिला से दुष्कर्म

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक तांत्रिक ने संतान प्राप्ति के इलाज के बहाने एक महिला के साथ दुष्कर्म किया और मतांतरण का दबाव बनाया। आरोपित ने तंत्र-मंत्र और जादू-टोने का भय दिखाकर महिला को जाल में फंसाया और लगभग छह महीने तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पिछले एक वर्ष से संतान न होने के कारण परेशान थी। आरोपित ने तंत्र-मंत्र से बच्चा होने का दावा किया और ताबीज देने के बहाने पीड़िता के घर में अपनी जगह बना ली। करीब छह महीने पहले आरोपित ने महिला को अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अपनी कथित तांत्रिक शक्तियों से डराकर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा।

वंदे मातरम पर बोले शशि थरूर- गाने के लिए मजबूर मत कीजिए, देशभक्ति दिल से होती है

जारी की गाइडलाइंस की आलेचना करते हुए कहा कि देशभक्ति दिल से निभाई जाती है

तिरूवंतपुरम एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर अपने विचार रखते हुए कहा है कि किसी भी नागरिक को इसे गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। थरूर ने सरकार द्वारा जारी की गई हालिया गाइडलाइंस की आलेचना करते हुए कहा कि देशभक्ति दिल से निभाई जाती है और कानून बनाकर देशभक्ति को जबरन जुबान पर नहीं लाया जा सकता। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीते दिनों एक औपचारिक दिशानिर्देश जारी कर आदेश दिए हैं कि अब से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से पूरा गाना होगा।

कांग्रेस सांसद ने इंडियन एक्सप्रेस के लिए लिखे गए अपने एक लेख में 'वंदे मातरम' के इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का यह गीत आजादी के आंदोलन में जोश भरने वाला नारा था। सत्याग्रहियों को लाठीचार्ज झेलने का साहस इसी गीत से मिला और फांसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारियों के दिलों में भी यही गूंजता था। लेकिन आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के तौर पर हमें राज्य के प्रतीकों और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाना होगा। शशि थरूर ने याद दिलाया कि आजादी के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखते हुए 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का समान दर्जा दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका का सम्मान हो सके और किसी समुदाय को अलग-थलग भी ना किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

शशि थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में इस गीत को संगीतबद्ध किया था, लेकिन 1937 में उन्होंने सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर सिर्फ पहले दो अंतरे गाए जाएं। उनका तर्क था कि शुरुआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, जिसे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते।

थरूर ने कहा कि कई मुस्लिम नागरिकों की आपत्ति इसी बिंदु पर है। इस्लाम में तौहीद यानी एक ईश्वर की अवधारणा है, जिसमें किसी और के आगे झुकना या पूजा जैसा भाव दिखाना स्वीकार नहीं है। ऐसे में यदि सरकार बाद के अंतरे अनिवार्य कर दे, तो कुछ नागरिकों के सामने आस्था और राज्य के बीच चुनाव की स्थिति बन जाती है। एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को ऐसी स्थिति से बचना चाहिए। शशि थरूर ने सरकार के हालिया आदेश पर सवाल भी उठाए। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरा गीत अनिवार्य करने की मांग करते हैं, वे इसे राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हैं। लेकिन किसी भी प्रतीक की ताकत उसकी स्वैच्छिक श्रद्धा में होती है, ना कि जबरदस्ती पालन में। जब राज्य वफादारी की मौखिक अभिव्यक्ति थोपता है, तो वह भावना खोखली हो सकती है।

अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया

अतिक्रमण के खिलाफ जीएनआईडीए का अभियान जारी, मुक्त कराई 60 करोड़ रुपए की जमीन

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में अतिक्रमण के खिलाफ ग्रेनो औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अभियान लगातार जारी है। इसी दौरान प्राधिकरण ने बुधवार को ग्राम भनौता में बुलडोजर कार्रवाई करते हुए लगभग 30 हजार वर्ग मीटर जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया और वहां बने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। जिस जमीन को मुक्त कराया गया है, उसकी अनुमानित कीमत लगभग 60 करोड़ रुपए बताई जा रही है। भूलेख और परियोजना विभाग की वर्क सर्किल-2 की टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस बारे में जानकारी देने के लिए त्वहढ्ढ्ढ ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की और बताया कि कॉलोनाइजर भनौता के खसरा नंबर 238 और 239 की जमीन पर घर व बाउंड्री बनाकर प्लॉटिंग की कोशिश कर रहे थे। इस जमीन में प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित और कब्जा प्राप्त वह 8 हजार वर्ग मीटर की वह जमीन भी शामिल है, जिसका मुआवजा दिया जा चुका था, लेकिन इसके बावजूद उसे कॉलोनाइजर कब्जाने की कोशिश कर रहे थे। प्राधिकरण ने बताया कि ये कॉलोनाइजर इस जमीन को भी अनधिकृत खसरा नंबर की जमीन बताकर बेच रहे थे। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण के वर्क सर्किल दो के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह और प्रबंधक रोहित गुप्ता व अन्य की टीम ने यह कार्रवाई की, इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मी भी वहां मौजूद थे। दोबारा निर्माण करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। उधर ग्रेनो प्राधिकरण के एसीइओ सुमित यादव ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अधिसूचित एरिया में बगैर अनुमति के या फिर नक्शा पास कराए बिना अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही एसीइओ ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वो ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

शिवनेरी किले में शिवाजी जयंती पर बेकाबू भीड़, श्रद्धालु का पैर फिसलने से भगदड़ जैसे हालात

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में छत्रपति शिवाजी जयंती के मौके पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान शिवनेरी किले में भारी भीड़ जमा होने पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस हादसे में 3 लोग घायल हो गए हैं।

भक्त, शिव ज्योति (औपचारिक आग) लेकर युवाओं के ग्रुप और पूरे महाराष्ट्र से अलग-अलग संगठनों के सदस्य देर रात किले में जमा हो गए थे। इस वजह से, मुख्य समारोह से काफी पहले ही किला परिसर खचाखच भर गया था। बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए पुलिस की कमी के कारण, कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

इसके बाद अंबरखाना इलाके के नीचे संकरी जगहों, खासकर हाथी दरवाज़ा और गणेश दरवाजे के एंट्रेंस के आसपास भारी भीड़ की खबर मिली। बड़ी संख्या में लोगों के एक साथ आगे बढ़ने की कोशिश करने से रास्ते बहुत भीड़भाड़ वाले हो गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

इस भगदड़ में महिलाओं और छोटे बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत जुन्नार के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुणे ग्रामीण स्क्क संदीप सिंह गिल ने कहा, अगर आप यहां जुन्नार में शिवनेरी किले के ऊपर शिवाजी के जन्मस्थान को देखें, तो कल सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए आ रहे हैं और रात भर दर्शन होते रहे...एक भक्त फिसल गया और इस वजह से और लोग सीढ़ियों पर गिर गए और उनमें से तीन घायल हो गए। कोई भगदड़ नहीं हुई।

बंगाल में मतदाता सूची में वोटर का नाम शेख राजेश अली और पिता भुवनचंद्र बेरा, सुपर चेकिंग के दौरान मिली यह गड़बड़ी

कोलकाता एजेंसी। बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआइआर) के दौरान एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसने चुनावी प्रक्रिया की शुचिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पूर्व मेदिनीपुर के पांशकुड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में सुपर-चेकिंग के दौरान पर्यवेक्षकों ने पाया कि एक मतदाता, शेख राजेश अली के पिता का नाम भुवनचंद्र बेरा दर्ज किया गया है।

मालूम हो कि राज्य में एसआइआर की सुनवाई के दौरान आयोग ने करीब 1.5 करोड़ नोटिस जारी किए थे, जिनमें 32 लाख अनमैप्ड मतदाता और 1.2 करोड़ लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी (तार्किक विसंगतियों) वाले मतदाता शामिल थे।

अब जबकि 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होनी है, इस तरह की त्रुटियों ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। हैरानी की बात यह है कि रिकार्ड के अनुसार, भुवनचंद्र बेरा असल में विजयकृष्ण बेरा नामक एक अन्य मतदाता के पिता हैं।

पर्यवेक्षकों ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया है कि बिना किसी दस्तावेजी साक्ष्य के सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) ने इस तरह की जानकारी पोर्टल पर कैसे अपलोड कर दी? आयोग के अधिकारियों का मानना है कि यह केवल मानवीय भूल नहीं बल्कि प्रक्रियात्मक चूक हो सकती है। इस विसंगति को देखते हुए पर्यवेक्षकों ने दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग को अपनी विस्तृत रिपोर्ट भेज दी है। लाखों दस्तावेज अभी भी पेंडिंग : सूत्रों के मुताबिक, 28 फरवरी को प्रस्तावित अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तकनीकी कारणों से आगे बढ़ सकता है। मुख्य समस्या यह है कि सुनवाई प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद लाखों आवेदकों के दस्तावेज अब भी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं किए जा सके हैं। आंकड़ों के अनुसार, दो दिन पहले तक राज्य भर में कुल 1,14,772 दस्तावेज सिस्टम में दर्ज होने बाकी हैं। आयोग ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि जिन 35,000 लोगों के दस्तावेज स्वीकार्य नहीं थे, उन्हें अयोग्य घोषित कर सूची से बाहर कर दिया गया है।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई से पहले कूटनीति ही विकल्प, समझौता करना समझदारी होगी

अमेरिका की तेहरान को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति ही पहला विकल्प है। लेविट ने मीडिया से बातचीत में ईरान को चेताया और कहा कि ईरान के लिए ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई करेगा अमेरिका?: जब उनसे ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में पूछा गया, तो लिविट ने कहा, ईरान पर हमला करने के लिए कुछ तर्क दिए सकते हैं। राष्ट्रपति ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत एक सफल अभियान चलाया था, जिसमें ईरान की परमाणु सुविधाओं को पूरी तरह नष्ट किया गया। राष्ट्रपति हमेशा स्पष्ट रहे हैं कि ईरान या किसी अन्य देश के साथ कूटनीति पहला विकल्प है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ने कई लोगों, खासतौर से अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से बातचीत कर रहे हैं। यह निर्णय अमेरिका और उसके लोगों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी सेना इस्राइल के साथ बातचीत में हैं, लेकिन किसी भी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की गई है। प्रेस सचिव ने कहा कि जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर अभी भी काफी दूरियां हैं। उन्होंने कहा, थोड़ी प्रगति हुई है, लेकिन कुछ मुद्दों पर हम अभी भी दूर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ईरान अगले दो हफ्तों में विस्तृत प्रस्ताव लेकर आएगा। राष्ट्रपति इस प्रक्रिया को लगातार देखेंगे। मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर ने जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान अगले दो हफ्तों में अपनी विस्तृत योजना के साथ आएगा, ताकि मुद्दों को सुलझाया जा सके। इस बीच, ट्रंप ने जिनेवा में होने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत से पहले ईरान को चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे।

● शांति और ऊर्जा पर जोर

भारत ने बंद नहीं किया रूसी तेल खरीदना, अमेरिका के दावे पर रूस ने दिया जवाब

मॉस्को , एजेंसी। रूस की विदेश मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारत के रूसी तेल खरीदने के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि भारत द्वारा रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद दोनों देशों के लिए लाभकारी है और वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखती है।

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने अपने साप्ताहिक ब्रिफिंग में कहा हमें कोई कारण नहीं है यह मानने का कि भारत ने रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद पर अपनी नीति बदली है। यह कदम दोनों देशों के लिए फायदेमंद है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार को स्थिर बनाए रखता है।

अमेरिकी अधिकारियों के दावों को किया खारिज: जखारोवा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा उठाए गए दावों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा अमेरिका स्वतंत्र देशों को अपने अनुसार निर्णय लेने से रोकने का प्रयास कर रहा है। इसमें टैरिफ, प्रतिबंध और अन्य दबाव शामिल हैं। पिछले हफ्ते रुबियो ने दावा किया था कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने का वचन दिया है। जबकि भारत ने अभी तक इस दावे की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। इसके पहले भी रूस ने अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वह भारत और अन्य देशों को रूसी तेल खरीदने से रोकने के लिए दबाव बना रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई फोन वार्ता के बाद दोनों देशों ने भारत पर अमेरिकी टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। इसमें अगस्त 2025 में भारत के रूसी तेल खरीदने पर लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क भी हटाया गया। जखारोवा ने यूरोपीय देशों की आलोचना भी की, जिन पर उन्होंने कहा कि वे शांति समाधान नहीं चाहते। रूस और भारत के बीच ऊर्जा सहयोग लंबे समय से मजबूत रहा है और दोनों देश इसे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए अहम मानते हैं।

चीन का कार बाजार फिर सिकुड़ने जा रहा है? दुनिया भर के कार निर्माताओं पर पड़ेगा असर

बीजिंग, एजेंसी। साल 2018 में, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था पर पहली बार डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख का असर दिखने लगा था, तब दुनिया का सबसे बड़ा कार बाजार, चीन अचानक सुस्त पड़ गया था। दशकों तक लगातार बढ़त के बाद चीन में कार बिक्री गिरने लगी, क्योंकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो गई। उस समय विदेशी कार कंपनियां, जिनकी बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत थी, सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं।

अब एक बार फिर आशंका जताई जा रही है कि चीन का कार बाजार पीछे जा सकता है। फर्क बस इतना है कि इस बार चोट ज्यादा स्थानीय कार निर्माताओं को लग सकती है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के दम पर आज बाजार पर हावी हैं। हालांकि, विदेशी कंपनियां भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेंगी, क्योंकि चीनी ब्रांड आक्रामक तरीके से विदेशों में विस्तार कर रहे हैं।

चीन में मौजूदा गिरावट का पैमाना अभी पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन चेतावनी के संकेत साफ दिख रहे हैं। 2021 में दोबारा ग्रोथ की राह पर लौटने के बाद, पिछले साल चीन में कारों की सालाना बिक्री 2.38 करोड़ यूनिट्स तक पहुंची, जो 2024 के मुकाबले करीब 4 प्रतिशत ज्यादा थी। यह आंकड़े चाइना पैसेंजर कार एसोसिएशन के हैं।

लेकिन साल की आखिरी तिमाही में हर महीने बिक्री पिछले साल से कम रही। उम्मीद है कि इस साल बिक्री स्थिर रहेगी, मगर सभी इतने आशावादी नहीं हैं। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि बिक्री में 5 से 9 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है।

पिछले महीने चीन ऑटोमोबाइल निर्माता संघ ने अपना साप्ताहिक बिक्री डेटा जारी करने में देरी की, जिसे जानकार कमजोर आंकड़ों को लेकर बढ़ती बेचैनी का संकेत मान रहे हैं।

इसके अलावा, रिसर्च फर्म गावेकल का

मानना है कि कई साल की तेज बढ़त के बाद इस साल ईवी की बिक्री में भी गिरावट देखी जा सकती है।

इस गिरावट के पीछे कई वजहें हैं। गावेकल के मुताबिक, 2024 के आखिर में पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर दी गई सब्सिडी के चलते ईवी की खरीद में तेज उछाल आया था। खासकर कंपनियों और सरकारी संस्थानों की तरफ से। लेकिन इस साल सब्सिडी कम होने से मांग पर दबाव पड़ेगा।

इसके अलावा, ईवी पर 5-10 प्रतिशत का नया खरीद टैक्स लगाया गया है। वहीं, डीलरों पर यह पाबंदी भी सख्त की गई है कि वे सिर्फ बिक्री आंकड़े बढ़ाने के लिए खुद गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें ÷जीरो-माइल÷ सेकेंड-हैंड कार बताकर निर्यात न करें। इन सभी वजहों से बिक्री के आंकड़े प्रभावित हो रहे हैं। जैसे-जैसे चीन का घरेलू बाजार सिकुड़ता है, वहां लंबे समय से चल रही प्राइस वॉर (कीमत की जंग) और तेज होने की आशंका है। अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के चलते कंपनियां पहले से ही भारी छूट दे रही हैं। इसी को देखते हुए सरकार ने हाल ही में डिस्काउंट पर लगाम लगाने की कोशिश की है। 12 फरवरी को चीन की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने नियम जारी कर कहा कि कंपनियां अब गाड़ियां निर्माण लागत से कम कीमत पर नहीं बेच सकेंगी। हालांकि, यह साफ नहीं है कि इन नियमों को कितनी सख्ती से लागू किया जाएगा। विदेशी कार कंपनियों को उम्मीद है कि यह पहल सफल होगी, क्योंकि वे चीनी ब्रांड्स से कीमत के मोर्चे पर मुकाबला नहीं कर पा रही हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, चीन में मांग कमजोर होने का मतलब है कि वहां से वाहनों का निर्यात और बढ़ेगा। साइनो ऑटो इनसाइट्स के तू ली का कहना है कि चीनी कंपनियां पहले ही विदेशों में ज्यादा मुनाफे वाले बाजार तलाश रही हैं।

बर्नस्टीन का अनुमान है कि 2026 में चीन से वाहन निर्यात 10-15 प्रतिशत और बढ़कर 65-70 लाख यूनिट्स तक पहुंच सकता है। जबकि 2018 में यह आंकड़ा सिर्फ 7.5 लाख यूनिट्स था। इससे बाकी देशों की कार कंपनियों पर दबाव और बढ़ेगा। खासकर उन पर जिन्होंने चीनी ईवी निर्माताओं से मुकाबले के लिए भारी निवेश किए हैं। यह अभी साफ नहीं है कि चीन का कार बाजार कितने समय तक सुस्त रहेगा।

लेकिन इतना तय है कि दुनिया की ऑटो इंडस्ट्री के लिए चीन की चाल बेहद अहम है। वहां होने वाला हर उतार-चढ़ाव वैश्विक कार उद्योग की दिशा तय करता है। और यह गिरावट भी उसी सच्चाई की एक और याद दिलाती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,